जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

कृष्ण पक्ष, अनुराधा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • गुरूवार • 18 दिसम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 17 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

Page 11

खेल

ग्लोबल चैस लीग : गुरू आनंद ने शिष्य गुकेश को हराया, गंगा ग्रैंड मास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

Page 10

देश

भारत चुप नहीं रहेगा, बांग्लादेशी नेताओं पर भड़के असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

अटूट विश्वास के 27 वर्ष सच्चाई की अडिग यात्रा

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,34,510	₹ 2,08,000

आज का इतिहास

2014 : रोपीय संघ। तेल और गैस की खोज, क्रूज जहाज गतिविधि पर प्रतिबंध लगाने और रूस-एनेक्सिया क्रीमिया में निवेश के द्वारा रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विस्तार करता है, एनेक्स को ईयू द्वारा नाजायज माना जाता है।

2015 : ब्रिटेन के कोयला खादान केलिंगले केलियरी को बंद किया गया।

न्यूज बाइट्स

ब्राउन सुगर, अवैध नशीला इंजेक्शन और देशी शराब के साथ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

पटना (नि.सं.)। राजधानी पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र से पुलिस ने भारी मात्रा में ब्राउन सुगर, अवैध नशीला इंजेक्शन और देशी शराब के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-01 (सदर) अभिनव ने बुधवार को बताया कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि जगदीशपुर मेमोरियल के समीप कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध नशीला इंजेक्शन एवं ब्राउन सुगर का क्रय-विक्रय किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर एक छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने उक्त स्थान पर छापामारी की।

टेस्ट पास करने पर 24 घंटे के भीतर मिलेगा लाइसेंस

पटना (नि.सं.)। ड्राइविंग लाइसेंस की परीक्षा पास करने पर 24 घंटे के भीतर ड्राइविंग लाइसेंस मिलेगा। परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने इस बाबत आवश्यक निर्देश दिया है। मंत्री ने विभाग के कामकाज की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसी डीएल जारी करने में एक सप्ताह से 10 दिन तक का समय लगा रही थी, जिससे आवेदकों को काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था जनता की सुविधा के लिए है और इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चयनित एजेंसी को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी जिलों में चिप-रहित लैमिनेटेड डीएल और वाहन रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र (आरसी) की प्रिंटिंग में तेजी लाई जाए। साथ ही हर जिले में कम से कम 90 दिनों की कार्ड प्रिंटिंग सामग्री हमेशा उपलब्ध रखी जाए। यदि एजेंसी इसमें लापरवाही बरतेगी तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश विभागीय अधिकारी को दिया गया है। सबसे अधिक डीएल आवेदनकर्ता मुजफ्फरपुर से राज्य में डीएल के लिए प्रतिमाह 55 हजार से अधिक आवेदन जिला परिवहन कार्यालय (डीटीओ) को प्राप्त हो रहे हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 16 दिसंबर को कुल 1,840 ऑनलाइन आवेदन मिले हैं। इनमें सबसे अधिक 234 आवेदन मुजफ्फरपुर से आए हैं। इसके बाद 163 पटना, 88 गोपालगंज, 87-87 समस्तीपुर व भागलपुर जिले से डीएल आवेदन विभाग को मिले हैं।

बिपार्ड की ओर से गयाजी में दो दिवसीय 'मंथन–2025' का आयोजन

मुख्यमंत्री ने किया दो-दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

राज्य के सभी जिलों के डीएम और सभी प्रमंडलों के आयुक्त कार्यशाला में शामिल

- संवाद वाटिका, नक्षत्र वन, ब्रह्मयोनि सरोवर के पुनर्जीवन, उन्नत पुस्तकालय, मोटर ड्राइविंग स्कूल और स्पेस गैलरी का शिलान्यास।
- समापन 18 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संबोधन से होगा।

निज संवाददाता | गयाजी

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को गयाजी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) में आयोजित दो-दिवसीय उच्चस्तरीय कार्यशाला 'मंथन–2025' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संवाद वाटिका, नक्षत्र वन, ब्रह्मयोनि सरोवर के पुनर्जीवन, उन्नत पुस्तकालय, मोटर ड्राइविंग स्कूल तथा नव-स्थापित स्पेस गैलरी का शिलान्यास भी किया। इन परियोजनाओं को प्रशासनिक प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास और वैज्ञानिक चेतना से जोड़कर विकसित किया जा रहा है।

बिपार्ड की ओर से आयोजित यह कार्यशाला गुरुवार तक चलेगी और इसे बिहार के प्रशासनिक भविष्य की दिशा तय करने वाला अहम विमर्श माना जा रहा है। कार्यशाला में राज्य के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी है। प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारी और सभी प्रमंडलों के आयुक्त इसमें भाग ले रहे हैं। दो दिनों तक चलने वाले इस वर्कशॉप का मुख्य विषय जिला-केंद्रित शासन प्रणाली को और अधिक मजबूत करना है। कार्यशाला का उद्देश्य केवल विचार-विमर्श तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति-निर्माण और उसके जमीनी क्रियान्वयन के बीच की दूरी को कम करना है। जिलों में बेहतर और समयबद्ध निर्णय सुनिश्चित करना, अधिकारियों की निर्णय क्षमता और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना इस आयोजन का मूल लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से कार्यशाला के दौरान विभिन्न सत्रों में अनुभव साझा किए जा रहे हैं।

'मंथन–2025' के तहत उत्तरदायी शासन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, शहरी विकास की चुनौतियां, प्रभावी प्रशासन के लिए विधिक ढांचा और लोक-निजी भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए हैं। इन सत्रों में विषय विशेषज्ञ और वरिष्ठ प्रशासक अपने अनुभव और दृष्टिकोण रख रहे हैं। साथ ही विभिन्न जिलों की नवाचारी प्रशासनिक पहलों को भी प्रस्तुत किया जा रहा है, ताकि सफल प्रयोगों को मॉडल के रूप में अन्य जिलों में अपनाया जा सके। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्यशाला से जिलों में कार्यशैली अधिक सशक्त होगी, विधिक समझ बढ़ेगी, निर्णयों में आत्मविश्वास आएगा और प्रशासनिक परिणामों की गुणवत्ता में सुधार होगा। कार्यशाला का समापन 18 दिसंबर को उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संबोधन के साथ होगा। मुख्यमंत्री के गयाजी आगमन को देखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष ट्रैफिक प्लान भी लागू किया गया है, जो बुधवार को प्रभावी रहेगा। वीवीआईपी आगमन और प्रस्थान तक सिकरिया मोड़ से घुघरीटाड़ मोड़, पांच नंबर गेट से एयरपोर्ट होते हुए दोमुहान तक तथा दोमुहान से महाबोधी मंदिर तक सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा।

आमजनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। गया से बोधगया की ओर जाने वाले वाहन घुघड़ीटाड़ बाईपास, केन्दुई रिवर साइड रोड के माध्यम से गंतव्य तक पहुंचेंगे। बोधगया या डोभी से गया आने वाले वाहन रिवर साइड रोड होकर केन्दुई-घुघड़ीटाड़ या चेरकी रोड होते हुए सिकरिया मोड़ के रास्ते जाएंगे। वहीं नवादा की ओर से आने वाली सभी गाड़ियां सिटी पब्लिक स्कूल मानपुर होते हुए गया शहर में प्रवेश करेंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वीवीआईपी आगमन से एक घंटे पूर्व से लेकर परिभ्रमण कार्यक्रम की समाप्ति तक यह ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावी रहेगी।

पीएचईडी मंत्री ने की 14 स्वास्थ्य प्रमंडलों की जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा

शिकायतों के निष्पादन में विलम्ब पर होगी कार्रवाई

- "हर घर नल का जल" योजना में एक माह में विद्युत बिल भुगतान नहीं होने पर अधिकारियों का वेतन रोका जाएगा।
- विद्युत भुगतान में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा।

निज संवाददाता | पटना

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह ने जलापूर्ति से जुड़ी शिकायतों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट कहा है कि अब किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बुधवार को उन्होंने पटना प्रक्षेत्र अंतर्गत 14 लोक स्वास्थ्य प्रमंडलों में संचालित जलापूर्ति योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, शिकायत निवारण की स्थिति, विद्युत बिल भुगतान तथा लंबित कार्यों पर गंभीरता से चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए।

इस समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल, विशेष सचिव संजीव कुमार, अभियंता प्रमुख-सह-विशेष सचिव नित्यानंद प्रसाद सहित कई क्षेत्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में मंत्री संजय कुमार सिंह ने बताया कि पटना प्रक्षेत्र के केंद्रीय शिकायत निवारण कक्ष (सीजीआरसी) में दर्ज लगभग 95 प्रतिशत शिकायतों का निष्पादन कर लिया गया है। शेष पांच प्रतिशत शिकायतें बड़े मरम्मती कार्यों से जुड़ी हैं, जिन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि विभाग की निरीक्षण व्यवस्था को अब और अधिक सख्त किया गया है। अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी अब बिना पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण करेंगे। मुख्य अभियंता कार्यपालक और अधीक्षण अभियंताओं के कार्यों की स्थल पर समीक्षा करेंगे, जबकि अधीक्षण अभियंता अपने अधीनस्थ सहायक एवं कनीय अभियंताओं के कार्यों की नियमित निगरानी करेंगे। निरीक्षण के दौरान यदि कोई अधिकारी अनुपस्थित या कार्य में लापरवाह पाया गया, तो उसके विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

"हर घर नल का जल" योजना के अंतर्गत विद्युत भुगतान को लेकर मंत्री ने सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि एक माह के भीतर विद्युत विपत्रों का भुगतान सुनिश्चित नहीं कराने वाले अधिकारियों का वेतन रोका जाएगा। साथ ही विद्युत भुगतान में लापरवाही बरतने वाले संवेदकों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें काली सूची में डाला जाएगा। ऐसे संवेदकों को भविष्य में विभागीय निविदाओं में भाग लेने की अनुमति भी नहीं दी जाएगी। विभाग का स्पष्ट उद्देश्य है कि विद्युत भुगतान में किसी भी तरह की चूक के कारण जलापूर्ति बाधित न हो।

पीएचईडी मंत्री ने यह भी बताया कि अब निस्तारित शिकायतों की मौके पर जांच के लिए मुख्यालय स्तर से विशेष टीमें भेजी जाएंगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शिकायतों का समाधान वास्तव में जमीनी स्तर पर हुआ है। उन्होंने कहा कि नवादा, बिहारशरीफ और सासाराम में लंबित कार्यों को एक माह के भीतर, जबकि शेरघाटी, आरा और जहानाबाद में लंबित कार्यों को 15 दिनों के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री संजय कुमार सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि बैठक में दिए गए सभी निर्देशों के अनुपालन की प्रगति की समीक्षा एक सप्ताह के भीतर दोबारा की जाएगी, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके और आम जनता को निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित हो सके।

बिहार में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

4488 लाइसेंस निलंबित और 497 रद्द

- जिला परिवहन पदाधिकारियों ने स्वतः संज्ञान लेकर 1,065 लाइसेंस निलंबित और 104 रद्द किए।
- ओवरस्पीडिंग, रैश ड्राइविंग, रेड लाइट जंप, ओवरलोडिंग और बार-बार नियम तोड़ने पर कार्रवाई हुई।

निज संवाददाता | पटना

बिहार में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ बड़ा और सख्त कदम उठाया है। 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए राज्यभर में व्यापक कार्रवाई की गई है, जिसके तहत 4,488 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि 497 लाइसेंस पूरी तरह रद्द कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई परिवहन विभाग, पुलिस और यातायात पुलिस की अनुशंसा के आधार पर की गई है। परिवहन सचिव राज कुमार ने बताया कि जिन वाहन चालकों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, यदि वे इसके बाद भी दोबारा यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए गए तो उनका लाइसेंस रद्द कर दिया जाएगा। लाइसेंस रद्द होने की स्थिति में संबंधित चालक को नए सिरे से ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा और पूरी ड्राइविंग टेस्ट प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी एक बार तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे नियमित अभियान के रूप में जारी रखा जाएगा। तेज गति से वाहन चलाना, लापरवाहीपूर्वक ड्राइविंग, क्षमता से अधिक भार ढोना और बार-बार नियमों का उल्लंघन करने जैसे मामलों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

ऐसे मामलों में लाइसेंस निलंबन या रद्द करने की कार्रवाई लगातार की जाएगी। परिवहन सचिव ने यह भी कहा कि आदतन नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। जरूरत पड़ने पर उनके ड्राइविंग लाइसेंस को स्थायी रूप से भी रद्द किया जा सकता है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि न केवल उनकी अपनी सुरक्षा सुनिश्चित हो, बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी सुरक्षित रह सके। परिवहन विभाग के अनुसार पुलिस और यातायात पुलिस की अनुशंसा पर विभिन्न जिलों में 2,983 लाइसेंस निलंबित और 393 लाइसेंस रद्द किए गए हैं।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में चार युवकों की दर्दनाक मौत, आग का गोला बनी बाइक

- आग की चपेट में आकर दो युवकों की झुलसने से मौत।
- अन्य दो युवकों की सिर व शरीर में गंभीर चोट लगने से जान गई।
- दोनों दुर्घटनाग्रस्त बाइक जब्त, हादसे के कारणों की जांच जारी

निज संवाददाता | रोहतास (सासाराम)

रोहतास जिले के आयरकोठा थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। ढेलाबाग–मौना पथ पर गोही गांव के समीप दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि एक बाइक टकराते ही आग का गोला बन गई। इस दर्दनाक हादसे में दोनों बाइकों पर सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जिनमें से दो युवक बुरी तरह झुलस गए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के गांवों तक गूंज सुनाई दी। हादसे के तुरंत बाद सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर के बाद एक बाइक में जोरदार विस्फोट हुआ और उसमें आग लग गई। आग की लपटों ने बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे उनकी झुलसकर मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार दो युवकों ने सिर और शरीर में गंभीर चोटें लगने के कारण घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एक बाइक (बीआर 24 एओ 8485) पर सवार दो युवक अपने गांव मांगितपुर सोहगी जा रहे थे। वहीं दूसरी बाइक (बीआर 24 एएल 6239) पर सवार दो युवक नासरीगंज से डालमियानगर थाना क्षेत्र स्थित अपने घर प्रयाग बिगहा लौट रहे थे। इसी दौरान गोही गांव के पास दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जो जानलेवा साबित हुई।

हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान विकास शर्मा (पुत्र उमा शर्मा, निवासी प्रयाग बिगहा, डालमियानगर), विकाश तिवारी (पुत्र संजय तिवारी, निवासी प्रयाग बिगहा, डालमियानगर), अनमोल शर्मा (पुत्र लोहा शर्मा, निवासी मांगितपुर, नासरीगंज) के रूप में की गई है। चौथे युवक की पहचान की प्रक्रिया चल रही है।

घटना की सूचना मिलते ही आयरकोठा थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और क्षत-विक्षत शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा किया। इसके बाद सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त बाइकों को भी जब्त कर लिया है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद मृतकों के गांवों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे इलाके में शोक का माहौल व्याप्त है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हादसे की असली वजह क्या थी।

बिहार के 1.20 लाख से अधिक ग्रामीण बसावटों तक पहुंची पक्की सड़क

निज संवाददाता | पटना

बीते दो दशकों में बिहार सरकार ने ग्रामीण संपर्कता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। राज्य के कुल 1 लाख 20 हजार 685 ग्रामीण बसावटों को अब पक्की और बारहमासी सड़कों के नेटवर्क से जोड़ दिया गया है। ग्रामीण कार्य विभाग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में 1 लाख 19 हजार 681 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है, जिससे गांवों की तस्वीर और तकदीर दोनों में बड़ा बदलाव आया है। ग्रामीण कार्य विभाग के अनुसार करीब 20 वर्ष पहले बिहार में ग्रामीण सड़कों का कुल नेटवर्क महज 8,000 किलोमीटर के आसपास था। आज यह बढ़कर लगभग 1 लाख 19 हजार 681 किलोमीटर तक पहुंच चुका है। इस दौरान विभाग द्वारा 2,683 पुलों का भी निर्माण कराया गया है, जिससे नदियों, नालों और दुर्गम इलाकों के बावजूद ग्रामीण बसावटों को हर मौसम में सुगम सड़क संपर्क उपलब्ध कराया जा सका है। इन पक्की सड़कों के कारण अब बरसात या बाढ़ के समय भी गांवों का संपर्क जिला और प्रखंड मुख्यालयों से बना रहता है। ग्रामीण पथ अनुरक्षण नीति–2018 के तहत सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इस नीति के अंतर्गत राज्यभर में अब तक 37,345 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का अनुरक्षण सफलतापूर्वक किया जा चुका है, जबकि लगभग 15,000 किलोमीटर सड़कों पर अनुरक्षण कार्य प्रगति पर है। इससे यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्माण के बाद सड़कें जर्जर न हों और लंबे समय तक लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलती रहे। ग्रामीण इलाकों में सड़कों के इस व्यापक नेटवर्क का सीधा लाभ किसानों और ग्रामीण आबादी को मिल रहा है।

अब किसान अपने कृषि उत्पाद आसानी से मंडियों और शहरी बाजारों तक पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उन्हें उपज का बेहतर और सही मूल्य मिलने लगा है। पहले जहां खराब सड़कों के कारण परिवहन लागत अधिक होती थी और फसल का नुकसान भी होता था, वहीं अब समय पर और सुरक्षित ढुलाई संभव हो सकी है। सड़क संपर्कता के विस्तार का सकारात्मक असर राज्य के समग्र विकास पर भी पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में नए उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा मिला है।

---

12 जिलों में घना कोहरा, समस्तीपुर सबसे ठंडा, पारा 9 डिग्री पर

बिहार में 22 दिसंबर से कोल्ड वेव का खतरा

निज संवाददाता | पटना

बिहार में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राज्य के कई जिले इन दिनों घने कोहरे की चपेट में हैं। राजधानी पटना, बेतिया, गोपालगंज, सीतामढ़ी समेत करीब 12 जिलों में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल राज्य का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों ने संकेत दिए हैं कि 19 दिसंबर के बाद ठंड का असर तेजी से बढ़ेगा और 22 दिसंबर के बाद बिहार में कोल्ड वेव जैसी स्थिति बन सकती है। इसका मतलब यह है कि कुछ जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से काफी नीचे चला जाएगा और लोगों को दिन में भी ठंड से राहत नहीं मिलेगी। बीते 24 घंटों के दौरान समस्तीपुर राज्य का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं बेतिया में सुबह-सुबह घना कोहरा छाया रहा। बांका जिले में कोहरे के कारण दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

कोहरे के चलते सड़क हादसों की आशंका भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों से बिहार में दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में कड़ाके की ठंड पड़ती रही है। इसकी प्रमुख वजह पहाड़ों पर बर्फबारी और पश्चिमी हवाओं का मजबूत होना है। जैसे ही पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है, बिहार समेत पूरे पूर्वी भारत में ठंड का असर तेज हो जाता है। इस बार भी मौसम का पैटर्न कुछ ऐसा ही बनता नजर आ रहा है। राजधानी पटना में फिलहाल सुबह और रात के समय हल्की से मध्यम ठंड बनी रहेगी। न्यूनतम तापमान सामान्य से थोड़ा नीचे रह सकता है, जबकि दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहने की संभावना है। हालांकि 19 दिसंबर के बाद पटना में भी ठंड बढ़ेगी और सुबह-शाम ठिठुरन अधिक महसूस की जाएगी। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि 22 दिसंबर के बाद बिहार के कई इलाकों में कोल्ड वेव और 'कोल्ड डे' जैसे हालात बन सकते हैं। ऐसे में दिन के समय भी ठंड से राहत नहीं मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है, विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को ठंड से बचाने पर जोर दिया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार : 19 दिसंबर के बाद बदलेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार 17 दिसंबर को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। हालांकि इसका स्पष्ट प्रभाव बिहार में 20 दिसंबर के बाद देखने को मिलेगा। इस विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाएं बिहार की ओर बढ़ेंगी, जिससे अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

अब स्टेशन पर ही तुलेगा सामान, एक्स्ट्रा लगेज पर देना होगा अतिरिक्त शुल्क : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी | नई दिल्ली

रेल यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा करते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट किया है कि अब ट्रेन में तय सीमा से अधिक सामान ले जाने पर यात्रियों को अतिरिक्त शुल्क देना होगा। यह व्यवस्था यात्रियों द्वारा ले जाए जाने वाले अतिरिक्त लगेज को नियंत्रित करने और ट्रेनों में अव्यवस्था रोकने के उद्देश्य से लागू की जा रही है। रेल मंत्री ने यह जानकारी बुधवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर के दौरान दी। लोकसभा में यह मुद्दा सांसद वेमिरेड्डी प्रभाकर रेड्डी द्वारा उठाया गया था। उन्होंने ट्रेन में अतिरिक्त सामान ले जाने की व्यवस्था और उस पर लगने वाले शुल्क को लेकर सवाल किया था। इसके जवाब में रेल मंत्री ने बताया कि भारतीय रेलवे में पहले से ही विभिन्न श्रेणियों के कोचों के लिए यात्रियों द्वारा ले जाए जाने वाले सामान की अधिकतम सीमा तय है। यदि कोई यात्री इस निर्धारित सीमा से अधिक सामान ले जाता है, तो उसे अतिरिक्त शुल्क का भुगतान करना अनिवार्य होगा।

रेल मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सामान की सीमा तय की गई है। अब स्टेशन पर ही यात्रियों के सामान का वजन किया जाएगा, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कोई यात्री निर्धारित सीमा से अधिक सामान तो नहीं ले जा रहा है। सीमा से अधिक वजन पाए जाने पर रेलवे नियमों के अनुसार शुल्क वसूला जाएगा। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, सेकंड क्लास में यात्रा करने वाले यात्री अपने साथ अधिकतम 35 किलोग्राम सामान बिना किसी शुल्क के ले जा सकते हैं। यदि यात्री इससे अधिक सामान ले जाना चाहता है, तो उसे 70 किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इसके लिए निर्धारित शुल्क देना होगा। स्लीपर क्लास में सफर करने वाले यात्रियों के लिए मुफ्त सामान की सीमा 40 किलोग्राम तय की गई है। इस श्रेणी में यात्री अधिकतम 80 किलोग्राम तक सामान ले जा सकते हैं, लेकिन 40 किलोग्राम से अधिक वजन होने पर अतिरिक्त शुल्क देना अनिवार्य होगा। वहीं एसी थ्री टायर और चेयर कार में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिकतम 40 किलोग्राम सामान ले जाने की अनुमति है। इस श्रेणी में भी तय सीमा से अधिक सामान ले जाने पर अतिरिक्त शुल्क लागू होगा।

संक्षिप्त समाचार

जनवरी माह में कौआकोल में चलेगा बुलडोजर सीओ ने कहा अतिक्रमणकारियों को भेजा जा रहा नोटिस

कौआकोल। बाजार जाम से बहुत जल्द हो कौआकोल के लोगों को राहत मिलेगी।कौआकोल बाजार में जनवरी माह में अतिक्रमण हटाने को लेकर विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए सीओ मनीष कुमार ने बताया कि सरकार एवं जिला प्रशासन के निर्देश पर अंचल अमीन के द्वारा बाजार में मापी किया जा रहा है। फिलहाल अवैध ढंग से अतिक्रमण कर रास्ता अवरुद्ध करने वाले कौआकोल बाजार के 85 से अधिक लोगों को चिन्हित कर प्रथम नोटिस जारी किया गया है। 15 दिनों के बाद इनलोगों को दूसरी नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद बुलडोजर चलाकर अतिक्रमित स्थल को ध्वस्त किया जायेगा। सीओ के अनुसार आगे भी मापी के बाद लोगों को नोटिस तामिला कराने का सिलसिला जारी है। सीओ की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कम्प मच गया है।

भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष को दी गयी बधाई

नारदीगंज(नवादा) भारतीय जनता पार्टी के संसदीय बोर्ड द्वारा बिहार सरकार के मंत्री व छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर और दरभंगा शहर सिटी से जीते विधायक पूर्व मंत्री संजय सरावगी को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत किये जाने पर नारदीगंज प्रखंड में भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाईयां बांट कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बधाईयां देने वाले का तांता लगा हुआ है। इस मौके पर भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष कृष्णदेव सिंह, राजाराम सिंह ,चितरंजन सिंह,बिपिन सिंह,मनोज सिंह, उपकार भारती,समेत अन्य कार्यकर्ताओं ने बधाई देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है। कहा उनके संगठनात्मक अनुभव,कुशल नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के प्रति सम्पर्ण से पार्टी को देश व प्रदेश भर में नई ऊर्जा मिलेगी। उनके मार्गदर्शन में भाजपा अधिक सशक्त होकर जनसेवा के कार्यों में गति देगी। संगठन को मजबूती मिलेगी। यह कदम भाजपा के संगठनात्मक विस्तार करने में अहम भूमिका मानी जा रही है।

बैरिया पैक्स उपचुनाव में अध्यक्ष पद पर रामजीत राय हुए निर्वाचित

केसरिया, पू.च। बैरिया पैक्स के अध्यक्ष पद पर रामजीत राय निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रंजन कुमार सिंह को 159 वोट से मात दी। बैरिया पैक्स के अध्यक्ष व प्रबंधनकारिणी सदस्य पद को लेकर मंगलवार को मतदान हुआ था। मतदान के उपरांत मंगलवार की देर संध्या से केसरिया प्रखंड कार्यालय में मतों की गिनती शुरू की गई। जहां देर रात परिणाम घोषित किया गया। जिसमें निवर्तमान अध्यक्ष रामजीत राय को 790 वोट, रंजन कुमार सिंह को 631 व मुन्ना कुमार को 21 वोट मिले। आरओ सह केसरिया बीडीओ कुमुद कुमार ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रामजीत राय को जीत का प्रमाणपत्र दिया। एआरओ सह केसरिया बीएओ अंकुर कुमार राय, लालबाबू राम सहित अन्य मौजूद थे। इधर, जीत के बाद समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जमकर पटाखे फोड़े गए। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामना दी।

बिक्रम नगर पंचायत में सशक्त समिति का गठन, विकास कार्यों में मिलेगी गति

पटना। पटना के बिक्रम नगर पंचायत में बुधवार को सशक्त समिति का गठन किया गया, जिसमें वार्ड नंबर छह से स्मिता गुप्ता, आठ से रेणु सिंह और दस से मोहन मोची को स्थायी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। समिति में कुल पांच सदस्य हैं, जिनमें मुख्य पार्षद मनिता कुमारी और उप मुख्य पार्षद गुड़िया देवी शामिल हैं। पालीगंज की अनुमंडलाधिकारी गरिमा लोहिया ने सभी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस समिति के गठन से बिक्रम नगर पंचायत के विकासात्मक कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है, क्योंकि नगर पंचायत चुनाव के छह माह बीत जाने के बावजूद समिति का अभाव विकास कार्यों में बाधा डाल रहा था। इस अवसर पर नगर कार्यपालक पदाधिकारी संजीव कुमार, लिपिक संतोष कुमार, वार्ड पार्षद रुचि शर्मा, फुलझड़ी देवी, बैजनाथ पासवान, ओम चौधरी, बीस सूत्री अध्यक्ष अभिषेक, अनिल कुमार, अभिजीत सिंह, सुजीत कुमार, उप सरपंच बीटेश्वर पंडित, भालू जी, रामाराव और मिंटू ठाकुर सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे और मुख्य पार्षद को फूल-माला और बुके देकर बधाई दी।

हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी कार्यक्रम आयोजित

मोतिहारी। आत्म निर्भर भारत हर घर स्वदेशी घर-घर स्वदेशी कार्यक्रम सीकरीया शिक्षण संस्थान में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक प्रमोद कुमार, भाजपा युवा नेता यमुना कुमार सीकरीया, उपमहापौर डॉक्टर लालबाबू प्रसाद, भाजपा नेत्री डॉक्टर हिना चंद्रा, उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मीना मिश्रा, उत्तरी मंडल अध्यक्ष राजेश, प्रिंसिपल प्रीति दुबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी छात्र एवं सभी अतिथियों ने स्वदेशी संकल्प अपनाने के साथ किया। सभी अतिथियों ने स्वदेशी को अपनाने के लिए उसके महत्व के बारे में छात्रों को बताया। विधायक प्रमोद कुमार ने कहा में स्वराज से सूराज की ओर बढ़ना चाहिए इसके लिए हम सभी को अपने देश अपने गांव के वस्तुओं का उपयोग करना चाहिए। विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना चाहिए। यमुना सीकरीया ने कहा मोदी सरकार का संकल्प है, देश हर क्षेत्र में आत्म निर्भर बने। इसके लिए सरकार लगातार योजना ला रही है। युवा वर्ग अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी को अपनाने के लिए कृत संकल्पित हो उपमहापौर डॉक्टर लालबाबू ने कहा स्वदेशी अपनाकर ही हम विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकते हैं। स्वदेशी के संकल्प लेने वाले सभी लोगों को मेडल से सम्मानित किया गया।

सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक का हुआ मौत

केसरिया, पू.च। एसएच-74 के लाला छपरा-साहेबगंज मुख्य मार्ग के लाला छपरा थाई मंदिर के समीप बुधवार को सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान केसरिया थाना क्षेत्र के कढान वार्ड संख्या 10 के माया शंकर राय के रूप में की गई है। बताया जाता है कि मायाशंकर बाइक से साहेबगंज की ओर जा रहा था। ट्रक भी इसी दिशा में जा रही थी। थाई मंदिर के समीप अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें मायाशंकर की मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ फरार हो गया। घटना की सूचना पर बीजधरी थानाध्यक्ष विकास आनंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं ट्रक को बीजधरी थाना लाया गया। कढान पंचायत के मुखिया मनोज यादव ने बताया कि मायाशंकर पांच भाइयों में सबसे छोटा था। डिमापुर में रहकर ट्रक चालक का काम करता था। हाल हीं में वह घर आया था। बुधवार को अपनी बहन के घर साहेबगंज जा रहा था।

कौआकोल में आयोजित बीस सूत्री की बैठक में हुई विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा

निज संवाददाता। कौआकोल

- **सरकार की योजनाओं को ईमानदारी पूर्वक धरातल पर उतारें अधिकारी :-बिनीता**
- **बैठक में छाया रहा सीडीपीओ की मनमानी का मुद्दा, बैठक से सीडीपीओ की अनुपस्थिति पर जताई गई नाराजगी**

प्रखण्ड कार्यालय परिसर अवस्थित सभाकक्ष में बुधवार को प्रखण्ड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सह बीस सूत्री की बैठक प्रखण्ड अध्यक्ष दिलीप कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों की मौजूदगी में उनके-उनके विभागों के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक बिनीता मेहता उपस्थित रहीं। जहां उनके पहुंचने पर बीडीओ सह 20 सूत्री सचिव डॉ० अखिलेश कुमार ने बुके देकर उनका स्वागत किया। विधायक बिनीता मेहता ने अधिकारियों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे सभी योजनाओं को ईमानदारी पूर्वक जमीनी स्तर पर सुपात्र लाभुकों के बीच पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक की शुरुआत बाल विकास परियोजना विभाग से की गई। परन्तु सीडीपीओ अंजली कुमारी सदन से अनुपस्थित पाए गए। जिस पर अध्यक्ष दिलीप कुशवाहा ने नाराजगी जताते हुए डीएम को कार्रवाई के लिए प्रस्ताव भेजने की बात कही। वहीं सदस्यों ने सीडीपीओ की मनमानी का मुद्दा सदन में उठाया। सीडीपीओ द्वारा प्रत्येक केंद्र से तीन से चार हजार रुपये की वसूली करने तथा कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने का मुद्दा छाया रहा। बैठक में 20सूत्री सदस्य शिवालक प्रसाद ने कौआकोल बाजार अवस्थित मध्य विद्यालय के गेट के पास अतिक्रमण कर अवैध ढंग से लगाये गए गुंटी एवं दुकानों को हटाने का प्रस्ताव रखा। कहा गया कि यहां मनचले का अड्डा बना रहता है,जिससे विद्यालय आने वाली छात्राओं को परेशानी होती है। जिस पर सीओ एवं थानाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करने की बात कही।

बैठक में पीएचसी में एक्सरे मशीन बन्द रहने की शिकायत दर्ज कराई गई,जिस पर पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० रामप्रिय सहगल ने पीएचसी में पर्याप्त भवन की कमी बताया तथा विधायक से पीएचसी में पर्याप्त भवन निर्माण कराने में आवश्यक सहयोग की मांग की। बैठक में 20सूत्री सदस्य मुकुल कुमार सिंह ने केवाली पंचायत में आरटीपीएस चालू नहीं रहने,पंचायत द्वारा लगाए गए सोलर लाइट नहीं जलने,देवनगढ़ पंचायत भवन सहित कई अन्य पंचायत भवन में कर्मियों के नहीं बैठने की शिकायत दर्ज कराई गई। जिस पर अधिकारियों ने गंभीरता से लागू करने की बात कही। सदस्यों ने पीएनबी बैंक में केवाईसी नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई। 20सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा ने पीएनबी बैंक में कर्मियों द्वारा ग्राहकों के साथ दुर्व्यवहार पर रोष जताते हुए उनके साथ सलीके से पेश आने की हिदायत प्रबंधक को दी। 20 सूत्री सदस्य अजित कुमार वर्मा ने जनवितरण के माध्यम से उपभोक्ताओं को घटिया किस्म के अनाज की आपूर्ति होने पर तथा प्रत्येक सदस्य पर मात्र 4 किलो ही अनाज मिलने पर नाराजगी जताई एवं शीघ्र ही व्यवस्था में सुधार लाने का निर्देश एमओ को दिया। वहीं बैठक में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के कार्यालय से फरार रहने,बिचौलिया के माध्यम से कार्य करने एवं विभाग में व्याप्त गड़बड़ी का मुद्दा उठाया गया। वहीं बैठक में कृषि विभाग, पशुपालन,मनरेगा,बैंकिंग,शिक्षा,सहकारिता,कल्याण आदि विभागों की भी समीक्षा की गई तथा व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को उठाते हुए इसमें सुधार लाने का निर्देश दिया गया। मौके पर बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार, सीओ मनीष कुमार, कौआकोल थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, बीपीआरओ शमा बानो, बीसीओ कुन्दन बर्णवाल, बीसीओ सह प्रभारी बीईओ अजित कुमार, पीएचईडी जेई प्रिया सोनी, विद्युत जेई अनीश कुमार समेत बीस सूत्री उपाध्यक्ष अंकित विश्वकर्मा, 20 सूत्री सदस्य अजित कुमार वर्मा, देवेन्द्र सिंह, संगीता देवी, मुकेश सिंह, माहो पासवान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

प्रखण्ड कार्यालय पहुंचने पर विधायक बिनीता मेहता का हुआ भव्य स्वागत

निज संवाददाता। कौआकोल

एनडीए समर्थित लोजपा (रा) के नवनिर्वाचित गोबिंदपुर विधानसभा के विधायक बिनीता मेहता का कौआकोल प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में पहली बार पहुंचने के बाद एनडीए कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। एनडीए कार्यकर्ताओं ने विधायक बिनीता मेहता को फूल माला एवं बुके देकर उनका अभिनन्दन किया। इस दौरान विधायक ने अपार जनसमर्थन के लिए लोगों का आभार जताया एवं कहा कि जिस भरोसे से जनता ने उन्हें विधायक बनाया है,उनके उम्मीदों पर शत प्रतिशत खड़ा उतरने का कार्य करूंगी। मौके पर रालोमो नेता विनय मेहता,शम्भू महतो,ज्योतिष कुमार,अनन्त बर्णवाल,रघुनन्दन महतो,ईश्वरी प्रसाद,अरुण यादव आदि मौजूद थे।

इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत, अवैध नर्सिंग होम पर परिजनों का हंगामा

निज संवाददाता। रजौली

घटनास्थल के समीप पुलिस बल एवं ग्रामीण

थाना क्षेत्र के कुंडला मोहल्ला में वर्षों से एक घरनुमा भवन में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम में इलाज के दौरान एक गर्भवती महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने जमकर बवाल काटा। मृतका की पहचान झारखंड के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत नीमा डीह गांव निवासी दिनेश यादव की 28 वर्षीय पत्नी रेणु देवी के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार रेणु देवी मंगलवार को गिरगी गांव स्थित अपने मामा-ससुर सोनू यादव के घर आई हुई थी। दोपहर में अचानक उसके पेट में तेज दर्द उठा, जिसके बाद परिजन उसे जांच के लिए अल्ट्रासाउंड सेंटर ले गए। वहां डॉ. द्वारा जांच के बाद बताया गया कि गर्भ में पल रहा बच्चा खराब हो गया है।इसके बाद परिजन गर्भवती महिला को कुंडला मोहल्ला में संचालित अवैध नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया।

परिजनों का आरोप है कि नर्सिंग होम की संचालिका झोला छाप चिकित्सक कुरैशा खातून द्वारा इलाज के क्रम में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे महिला की मौत हो गई। महिला की मौत की खबर फैलते ही नर्सिंग होम में अफरातफरी मच गई और संचालिका मौके से फरार हो गई। घटना की सूचना मिलने पर रजौली थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध नर्सिंग होम की गहन जांच की। पुलिस ने मृतका के परिजनों से बातचीत कर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए नवादा सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि एक नर्सिंग होम में इलाज के दौरान गर्भवती महिला की मौत की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जांच की गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मृतका के परिजनों की ओर से कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद दोषियों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम और झोला छाप चिकित्सकों की भूमिका को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों ने प्रशासन से ऐसे अवैध नर्सिंग होम पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्वतंत्रता सेनानी ज्वाला प्रसाद सिंह की 45वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि और सेवा का संदेश

निज संवाददाता। वारिसलीगंज

वारिसलीगंज प्रखंड के अपसढ़ गांव निवासी महान स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद सिंह (ज्वाला बाबू) की 45वीं पुण्यतिथि 17 दिसंबर 2025 को बड़े ही श्रद्धापूर्वक मनाई गई। यह आयोजन चंदन सिंह चौक स्थित जेपीएस आईटीआई परिसर में हुआ, जहां क्षेत्र के गणमान्य लोग एकत्रित हुए और स्वतंत्रता संग्राम के इस योद्धा को याद किया।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वतंत्रता सेनानी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई। मुख्य अतिथि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी नीरज कुमार, पूर्व विधायक अरुणा देवी और जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी एवं श्री सिँह के पुत्र मुखिया राजकुमार सिँह

ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद सिंह के पुत्र एवं अपसढ़ पंचायत के मुखिया राजकुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और पिता के आदर्शों पर चलने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुखिया राजकुमार सिंह ने कड़ाके की ठंड में जरूरतमंद गरीबों और असहायों के बीच कंबल वितरित किया । उनकी पहल उपस्थित लोगों ने सराही और कहा कि महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि देने का सबसे बेहतर तरीका समाज की सेवा ही है। ऐसे आयोजन न केवल इतिहास को जीवंत रखते हैं, बल्कि वर्तमान पीढ़ी को सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी देते हैं वक्ताओं ने स्वर्गीय ज्वाला प्रसाद सिंह के जीवन और संघर्षों को याद किया। वे स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय योद्धा थे, जिन्होंने जमींदारी प्रथा और सामंती शोषण के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाई। किसान-मजदूरों के उत्थान के लिए उनका जीवन समर्पित रहा। ऐसे सेनानी आज भी समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, जो हमें याद दिलाते हैं कि मो फैयाज ने कहा की "शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले... वतन पर मिटने वालों ---"

कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने की, जबकि मंच संचालन शेखपुरा जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रवि कुमार ने किया। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार,प्रपोत्र इंजीनियर निरंजन कुमार, सुंदर कुशवाहा, अखिलेश्वर सिँह, अजय कुमार तिवारी, राम शक्ल सिँह, शैलेन्द्र सिँह, नगर परिषद उपाध्यक्ष अरुण कुमार, जदयू अध्यक्ष अजय कुमार, मिथिलेश पासवान सहित सैकड़ों ग्रामीणों और नागरिकों ने उन्हें श्रद्धा पुर्वक नमन किया।

बिहार में यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्ती

4,488 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित, 497 रद्द

निज संवाददाता। नवादा

बिहार में सड़क सुरक्षा को लेकर परिवहन विभाग ने बड़ा और कड़ा कदम उठाया है। यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ राज्यभर में चलाए गए अभियान के तहत हजारों ड्राइविंग लाइसेंस पर कार्रवाई की गई है। परिवहन, पुलिस और यातायात पुलिस की अनुशंसा के आधार पर कुल 4,488 वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं, जबकि 497 चालकों के लाइसेंस पूरी तरह रद्द कर दिए गए हैं। इस कार्रवाई से राज्यभर के वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है।

परिवहन सचिव राज कुमार ने साफ शब्दों में कहा है कि जिन चालकों का लाइसेंस निलंबित किया गया है, यदि वे इसके बावजूद दोबारा यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए जाते हैं, तो उनका लाइसेंस बिना किसी चेतावनी के रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि लाइसेंस रद्द होने की स्थिति में संबंधित चालक को नए सिरे से ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा और अनिवार्य रूप से ड्राइविंग टेस्ट पास करना पड़ेगा। विभाग अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा।

परिवहन सचिव ने यह भी स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई किसी एक दिन या विशेष अभियान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि इसे नियमित प्रक्रिया के रूप में जारी रखा जाएगा। तेज रफ्तार से वाहन चलाना, लापरवाहीपूर्वक ड्राइविंग, क्षमता से अधिक भार ढोना, रेड लाइट जंप करना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट वाहन चलाना और बार-बार नियमों की अनदेखी जैसे मामलों को गंभीर अपराध माना जा रहा है। ऐसे मामलों में सीधे लाइसेंस निलंबन या रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि आदतन यातायात नियम तोड़ने वालों पर विभाग की विशेष नजर है। जो चालक बार-बार नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके ड्राइविंग लाइसेंस को स्थायी रूप से भी रद्द किया जा सकता है। परिवहन विभाग का मानना है कि सख्ती के जरिए ही सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। आंकड़ों के अनुसार, पुलिस और यातायात पुलिस की अनुशंसा पर राज्य के विभिन्न जिलों में 2,983 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं और 393 लाइसेंस रद्द किए गए हैं। वहीं, पटना समेत कई जिलों में जिला परिवहन पदाधिकारियों ने स्वयं संज्ञान लेते हुए 1,065 लाइसेंस निलंबित और 104 लाइसेंस रद्द किए हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आगे भी पुलिस और यातायात विभाग की अनुशंसा पर त्वरित और कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सड़क सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए तकनीक का भी सहारा लिया जा रहा है। राज्य के कई हिस्सों में ANPR यानी ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों के जरिए नियम तोड़ने वाले वाहनों की पहचान की जा रही है। इसके साथ ही पुलिस और परिवहन विभाग की संयुक्त टीमें राज्यभर में सघन वाहन जांच अभियान चला रही हैं। परिवहन विभाग ने सभी वाहन चालकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और खुद के साथ-साथ दूसरों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करें। विभाग का साफ संदेश है कि सड़क पर लापरवाही अब भारी पड़ेगी और नियम तोड़ने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

जिले में हुईं नाईट ब्लड सर्वे की शुरुआत

निज संवाददाता। मोतिहारी

फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत नाईट ब्लड सर्वे कार्यक्रम का शुभारम्भ मोतिहारी के कोल्हवरवा, कुआँरी देवी चौक से डीभीबीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन के द्वारा किया गया।मौके पर डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया की नाईट ब्लड सर्वे की शुरुआत के साथ ही स्वास्थ्य दिखने वाले लोगों में भी मौजूद फाइलेरिया के परजीवी की पहचान

की जा सकेगी। उन्होंने बताया की

चयनित स्थानों पर प्रत्येक ब्लॉक के रैंडम एवं तथा सेंटीनल साइट से लोगों को जागरूक करते हुए 300-300 स्लाइड प्रशिक्षित एलटी द्वारा लेकर जाँच किया जाता की कहीं स्वास्थ्य दिखने वाले व्यक्ति में भी फाइलेरिया के परजीवी तो नहीं, उनके जाँच के उपरांत फलेरिया रोगी की पहचान हो पाती है। इसके बाद उनको विभाग द्वारा प्राप्त दवाए खिलाई जाती है ताकि शरीर के अंदर मौजूद फाइलेरिया का परजीवी निष्क्रिय हो जाए।डीभीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने कहा की विभिन्न साईट पर

रात्रि 8:30 से जाँच की जा रही है।उन्होंने बताया की रात में ही लोगों के खून का सैंपल लेकर फाइलेरिया संक्रमण का पता लगाया जाता है, क्योंकि इसका जीवाणु माइक्रोफाइलेरिया रात में सक्रिय होता है। उन्होंने बताया कि इसमें 20 साल से अधिक आयु की महिलाओं एव पुरुषों का ही सैंपल लिया जाएगा। सैंपल लेकर रक्त पट्टिका बनाई जाएगी। इसका उद्देश्य फालेरिया रोगी मिलने पर उसका तत्काल इलाज मुहैया कराकर जिले को इस रोग से मुक्त बनाना है। डीपीएम ठाकुर विश्व मोहन ने बताया की फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है जो कभी ठीक नहीं होता इसे समय पर पहचान कर इसके प्रकोप को नियंत्रित किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग ने मां की गोली मारकर की हत्या, बेटे ने मांगे थे रुपए, इनकार करने पर देसी कट्टा से पीठ में दागी बुलेट

नालंदा। नालंदा में एक नाबालिग बेटे ने बुधवार को गोली मारकर अपनी मां की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी नाबालिग बेटे देसी कट्टा लेकर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। उधर, वारदात की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया और जांच पड़ताल में जुट गई। मामला करायपरसुराय थाना क्षेत्र के गालिमपुर गांव का है। मृतका की पहचान गालिमपुर गांव के रहने वाले राजा राम प्रसाद की 48 साल की पत्नी मुन्नी देवी के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि आरोपी 17 साल के नाबालिग ने दोपहर करीब 2 बजे किसी काम के लिए अपनी मां से पैसे मांगे थे। मां ने पैसे देने से इनकार कर दिया और घर के अंदर जाने लगी। इसके बाद आरोपी ने पहले से घर में रखे देसी कट्टा से मां पर फायर कर दी। गोली नाबालिग की मां के पीठ में लगी, जिसके बाद महिला घर के दरवाजे पर ही गिर गई। करीब 5 मिनट बाद महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज और महिला के शोर मचाने के बाद आसपास के लोग मौके पर जुटे और घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों को आता देख आरोपी नाबालिग देसी कट्टा समेत घटनास्थल से फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस आरोपी नाबालिग की तलाश में जुटी है। वारदात की जानकारी के बाद करायपरसुराय थाना के SHO रणविजय कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। थोड़ी देर बाद डीएसपी शैलजा भी घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना के बाद हमलोग आए हैं, जांच पड़ताल जारी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल भेज दिया गया है। आरोपी घटना के बाद मौके से फरार हो गया है। पैसे की विवाद को लेकर बेटे ने गोली मारी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नवादा मॉब लिंचिंग मारे गए अतहर के घर पहुंचे मंत्री, जमा खान बोले- मुख्यमंत्री के निर्देश पर आया हूं

स्पीडी ट्रायल चलाकर दोषियों को सजा दिलाएंगे

नालंदा। नवादा में मॉब लिंचिंग के शिकार हुए नालंदा के मोहम्मद अतहर हुसैन के परिजनों से मिलने बुधवार को बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान बिहारशरीफ पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर पीड़ित परिवार से मिलने आए मंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त की और भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में पूरी सरकार उनके साथ खड़ी है। मंत्री जमा खान ने कहा कि यह घटना अत्यंत निंदनीय है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 10 नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी बचे आरोपी भी जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन सख्त है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार इस मामले में 'स्पीडी ट्रायल' चलाने पर विचार कर रही है ताकि दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिल सके।

मुआवजा और नौकरी का भरोसा: मंत्री ने पीड़ित परिवार को मौके पर ही आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि पीड़ित परिवार को जल्द ही 3 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता राशि भी दी जाए। इसके अलावा, परिवार द्वारा नौकरी की मांग पर मंत्री ने सकारात्मक भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि मैं सीएम साहब से बात करूंगा। पीड़ित की पत्नी या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और योग्यता के आधार पर उन्हें नौकरी दिलाने की पूरी कोशिश की जाएगी, ताकि परिवार का भरण-पोषण हो सके।

मंत्री ने विपक्ष को नसीहत भी दी: देरी से आने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि सरकार की नींद देर से नहीं खुली है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक और प्रशासन ने मोर्चा संभाल लिया था। मेरे आने से पहले ही गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। उन्होंने विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि ऐसी दुखद घटनाओं पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए और सख्त कानून बनाने पर भी विचार कर रही है।

राजगीर महोत्सव में कैलाश खेर गाएंगे गाना, बॉलीवुड सितारों की चमक से जगमगाएगी ऐतिहासिक नगरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे उद्घाटन

नालंदा। बिहार की ऐतिहासिक नगरी राजगीर एक बार फिर तीन दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव की मेजबानी करने के लिए तैयार है। 19 दिसंबर से शुरू होने वाले इस भव्य आयोजन में बॉलीवुड के चर्चित गायक कैलाश खेर, सलमान अली और भाव्या पंडित अपनी मधुर आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। राजगीर महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों होगा। इस अवसर पर राज्य सरकार के कई मंत्री भी उपस्थित रहेंगे। महोत्सव का आयोजन राजगीर स्थित कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा, जहां तीन दिनों तक संगीत और संस्कृति की त्रिवेणी बहती रहेगी।

संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव होगी: महोत्सव के पहले दिन 19 दिसंबर को मशहूर गायक कैलाश खैर राजगीर की वादियों को अपने गीतों से गुंजायमान करेंगे। 'तेरी दीवानी', 'अल्लाह के बंदे' और 'साइयां' जैसे सुपरहिट गानों के गायक कैलाश खेर की प्रस्तुति निश्चित रूप से संगीत प्रेमियों के लिए एक यादगार अनुभव होगी। दूसरे दिन 20 दिसंबर को इंडियन आइडल फेम गायक सलमान अली अपनी जादुई आवाज से समारोह को सजाएंगे। युवा पीढ़ी में अत्यधिक लोकप्रिय सलमान अली की उपस्थिति महोत्सव में चार चांद लगा देगी। समापन दिवस 21 दिसंबर को गायिका भाव्या पंडित के मधुर स्वरों से महोत्सव का समापन होगा। उनकी प्रस्तुति इस सांस्कृतिक उत्सव को एक सुंदर और यादगार अंत देगी।

32 समितियों के सहयोग से तैयारी: महोत्सव को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के अधिकारी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इस आयोजन के लिए 32 समितियों का गठन किया गया है और प्रत्येक समिति की निगरानी के लिए अधिकारियों की विशेष टीम तैनात की गई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि महोत्सव का हर पहलू सुचारू रूप से संचालित हो।

स्थानीय कलाकारों को भी मिलेगा मंच: महोत्सव की खास बात यह है कि केवल बड़े कलाकारों को ही नहीं, बल्कि स्थानीय प्रतिभाओं को भी अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। दिन के समय मुख्य कार्यक्रम स्थल और ग्रामश्री मेला में स्थानीय कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा मौका देगा।

25 दिसंबर तक चलेगा ग्रामश्री मेला: राजगीर महोत्सव का एक विशेष आकर्षण ग्रामश्री मेला है, जो हॉकी मैदान में आयोजित होगा। यह मेला महोत्सव से भी लंबा चलेगा और 25 दिसंबर तक जारी रहेगा। डीआरडीए डायरेक्टर अजीत कुमार प्रसाद के अनुसार, मेले में 270 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों में जिला स्तरीय विभागों के 30, जीविका के 80, उद्योग विभाग के 40, कृषि विभाग के 40, अल्पसंख्यक विभाग के विभिन्न उत्पादों के 40, पुस्तकों के 40 और व्यंजनों के 40 स्टॉल शामिल होंगे।

देशभर के हस्तशिल्प का प्रदर्शन: ग्रामश्री मेला को वास्तव में राष्ट्रीय स्तर का बनाने के लिए विभिन्न राज्यों के स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को प्रदर्शित किया जाएगा। बिहार के अलावा पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान, झारखंड और असम जैसे राज्यों के विशिष्ट उत्पाद यहां उपलब्ध होंगे। मेले में असम का बांस शिल्प, हिमाचल का ऊनी कपड़ा, जम्मू-कश्मीर का प्रसिद्ध पश्मीना, सहारनपुर का फर्नीचर, राजस्थान का अचार, गुजरात का एप्लिक वर्क, झारखंड का बांस शिल्प, भदोही का कालीन, बनारसी साड़ी, बरेली का झुमका, और टीकमगढ़ का पीतल के उत्पाद भी उपलब्ध होंगे।

गयाजी में मंथन-2025 की शुरुआत, प्रशासनिक सुधार और सुशासन पर दो दिन का मंथन

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी के बोधगया स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (बिपार्ड) परिसर में बुधवार से दो दिवसीय 'मंथन-2025' प्रशासनिक कार्यशाला की शुरुआत हुई। इस उच्चस्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। कार्यशाला में बिहार के सभी जिलों के जिलाधिकारी, प्रमंडलीय आयुक्त, विभागीय सचिव और वरीय प्रशासनिक अधिकारी शामिल हो रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य राज्य में प्रशासनिक कार्यशैली को और प्रभावी बनाना तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी समीक्षा करना है। मुख्यमंत्री विशेष विमान से पटना से बोधगया पहुंचे। उनके आगमन पर बिपार्ड परिसर में प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। उद्घाटन सत्र के दौरान बिपार्ड में हाल के दिनों में विकसित की गई नई शैक्षणिक और प्रशिक्षण सुविधाओं का लोकार्पण भी किया गया। इन सुविधाओं के जरिए प्रशासनिक अधिकारियों को आधुनिक प्रशिक्षण और नीति-निर्माण से जुड़े विषयों पर बेहतर मार्गदर्शन मिलने की उम्मीद जताई गई।

कार्यशाला में प्रशासनिक सुधार, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था की मजबूती, लोक सेवा वितरण प्रणाली, तकनीकी नवाचार और सुशासन जैसे अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा हो रही है। अधिकारियों के बीच अनुभव साझा करने और व्यावहारिक चुनौतियों पर खुली चर्चा को इस कार्यशाला का केंद्र बिंदु बनाया गया है। सरकार का मानना है कि जिला स्तर पर बेहतर समन्वय और जवाबदेही से शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में बिहार सरकार के महाधिवक्ता सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। विभिन्न सत्रों में जिलों में चल रही योजनाओं की प्रगति, प्रशासनिक अड़चनों और समाधान के उपायों पर मंथन किया जा रहा है। खासतौर पर ग्रामीण विकास, सामाजिक कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा पर जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए बोधगया और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। सिटी एसपी समेत वरीय पुलिस अधिकारियों ने बिपार्ड परिसर और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। कार्यक्रम स्थल के साथ-साथ शहर के संवेदनशील इलाकों में मजिस्ट्रेटों की तैनाती के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाया गया। कार्यशाला के मद्देनजर गया शहर में यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया। बिपार्ड और बोधगया की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रैफिक प्लान लागू किया गया। कुछ सड़कों पर वाहनों का प्रवेश सीमित किया गया, जबकि वैकल्पिक मार्गों से आवागमन की व्यवस्था की गई।

प्रशासन ने आम लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और सहयोग की अपील की। मंथन-2025 कार्यशाला के जरिए जिला केंद्रित शासन व्यवस्था को और मजबूत करने, योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करने और प्रशासनिक निर्णयों को अधिक प्रभावी बनाने की रणनीति तैयार की जाएगी। उद्घाटन कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री बोधगया पहुंचे, जहां उन्होंने महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध का दर्शन कर पूजा-अर्चना की। आयोजन को राज्य में सुशासन की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

स्थायी स्टैंड और सुविधाओं की मांग को लेकर बाराचट्टी में ऑटो-बस चालकों का प्रदर्शन

निज संवाददाता। बाराचट्टी,गयाजी

बाराचट्टी प्रखंड कार्यालय के समीप ब्लॉक मोड़ गजरगढ़ में बुधवार को करीब 60 ऑटो और बस चालकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। चालकों ने अंचल अधिकारी कार्यालय पहुंचकर स्थायी ऑटो-बस स्टैंड समेत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग से जुड़ा ज्ञापन सौंपा। हालांकि, उस समय अंचल अधिकारी कार्यालय में मौजूद नहीं थे। प्रदर्शन कर रहे चालकों ने बताया कि क्षेत्र में स्थायी स्टैंड नहीं होने के कारण उन्हें सड़क किनारे ही ऑटो और बस खड़ी करनी पड़ती है। इससे आए दिन जाम की स्थिति बन जाती है, जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। वहीं, जाम के कारण पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई का सामना भी चालकों को करना पड़ता है। ऑटो चालक सागर कुमार गुप्ता ने कहा कि ब्लॉक मोड़ गजरगढ़ बाजार में यात्रियों की आवाजाही अधिक रहती है, लेकिन यहां न तो ऑटो-बस स्टैंड है और न ही शौचालय, पेयजल व बैठने जैसी बुनियादी सुविधाएं।

इससे चालकों के साथ-साथ यात्रियों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। चालकों ने आरोप लगाया कि सड़क किनारे वाहन खड़े करने को लेकर आसपास के दुकानदार अक्सर अभद्र व्यवहार करते हैं और कई बार ऑटो के टायरों की हवा भी निकाल दी जाती है, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। प्रदर्शन में शामिल चालकों ने अंचल अधिकारी अरुण कुमार सिंह से मांग की कि गजरगढ़ क्षेत्र में एक स्थायी ऑटो और बस स्टैंड के लिए जमीन चिन्हित की जाए और वहां आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। चालकों का कहना है कि इससे जाम की समस्या कम होगी और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित हो सकेगी।

बाराचट्टी में जदयू की प्रखंड बैठक, सदस्यता अभियान व संगठन मजबूती पर मंथन

निज संवाददाता। बाराचट्टी,गयाजी

बाराचट्टी प्रखंड के शोभ स्थित जनता दल (यूनाइटेड) कार्यालय में बुधवार को जदयू की प्रखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद ने की। इस अवसर पर बैठक में शामिल पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

बैठक में पार्टी के चल रहे सदस्यता अभियान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ना समय की मांग है, इसके लिए हर कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि जदयू की नीतियों और सरकार की योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। आगामी दिनों में पंचायत और बूथ स्तर पर बैठकें आयोजित कर सदस्यता अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया। साथ ही आने वाले कार्यक्रमों और संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में जदयू युवा प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक सिंह, पूर्व मुखिया गोपाल प्रसाद, भीम विश्वकर्मा, राजेंद्र मंडल, गुलाबचंद प्रसाद, रोही पंचायत के मुखिया विजय कुमार वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

75 हजार रुपए का बैग रेलवे सुरक्षा बल ने बरामद कर यात्री को लौटाया

निज संवाददाता। फतेहपुर, गयाजी

गया-कोडरमा रेल खंड के पहाड़पुर स्टेशन पर बुधवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने देहरादून-हावड़ा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13010) में छूटा हुआ एक बैग बरामद कर उसे मालिक को लौटा दिया। यह बैग लगभग 75 हजार रुपए मूल्य का बताया गया है। आरपीएफ के कोडरमा पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि गया जी के मोरियाघाट निवासी सागर गुप्ता वाराणसी से गया तक उसी ट्रेन में यात्रा कर रहे थे। गया स्टेशन पर उतरते समय उनका बैग ट्रेन में रह गया। सागर गुप्ता ने तुरंत रेलवे हेल्पलाइन पर घटना की सूचना दी। इसके बाद पहाड़पुर स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवान एनके निराला ने सक्रियता दिखाते हुए ट्रेन के बताए गए कोच में जाकर बैग को बरामद कर लिया। सामान में कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस और अन्य वस्तुएं शामिल थीं। शाम को पहाड़पुर स्टेशन पर यात्री विकास कुमार के माध्यम से आधार सत्यापन के बाद बैग को सागर गुप्ता को सौंप दिया गया। बैग सुरक्षित लौटने पर यात्री ने आरपीएफ टीम को धन्यवाद दिया। पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि इस कार्रवाई से रेलवे सुरक्षा बल की तत्परता और यात्रियों के सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता स्पष्ट हुई।

डोभी में किसानों और मजदूरों का एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

मुआवजे और बुलडोजर कार्रवाई पर जताया विरोध

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के डोभी प्रखंड कार्यालय के सामने अखिल भारतीय किसान महासभा के आह्वान पर किसानों और मजदूरों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन राज्यव्यापी आह्वान का हिस्सा था। सैकड़ों की संख्या में किसान, मजदूर, महिला और युवा शामिल हुए, जिन्होंने अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन के दौरान अंचल अधिकारी की अनुपस्थिति में प्रदर्शनकारियों ने अंचल कार्यालय में एक मांग पत्र सौंपा। उनकी मुख्य मांग अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए अधिग्रहित लगभग 2000 एकड़ जमीन के मुआवजे से संबंधित थी। किसान आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें अभी तक बड़े पैमाने पर मुआवजा नहीं मिला है। किसानों के अनुसार, केवल 10 प्रतिशत किसानों को ही मुआवजा मिला है, जबकि 90 प्रतिशत अभी भी इंतजार में हैं। वहीं, सरकारी अधिकारियों का दावा है कि 90 प्रतिशत किसानों को मुआवजा दिया जा चुका है और केवल कुछ ही बचे हैं। किसानों ने सरकार से आग्रह किया कि रोके गए मुआवजे को तत्काल जारी किया जाए और जमीन संबंधी कागजातों को सही कर किसानों को उनका हक दिया जाए। प्रदर्शनकारियों ने बिहार सरकार द्वारा गरीबों के घरों पर चलाए जा रहे बुलडोजर अभियान पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की। चेतावनी दी गई कि यदि यह कार्रवाई नहीं रोकी गई, तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस धरना प्रदर्शन में भाकपा-माले के डोभी प्रखंड सचिव राम लखन प्रसाद, फगुनी मांझी, संजय कुमार यादव, ईश्वरी यादव, बाबू राम प्रसाद, गिरधारी यादव, शीला वर्मा, अपरेश पाल, राजद नेता संजय यादव, बिजय यादव और देवनारायण यादव सहित कई महिला-पुरुष शामिल हुए।

जदयू सदस्यता नवीनीकरण अभियान-2025 का शुभारंभ, बूथ से लेकर जिले तक संगठन विस्तार का ऐलान

निज संवाददाता। मानपुर, गयाजी

गयाजी के मानपुर प्रखंड स्थित सिकहर मोड़ के पास एक निजी होटल में जनता दल (यूनाइटेड) ने सदस्यता नवीनीकरण अभियान-2025 की औपचारिक शुरुआत कर दी। कार्यक्रम का मकसद संगठन को नई धार देना और बूथ स्तर तक पार्टी को और मजबूत करना रहा। आयोजन में कार्यकर्ताओं को स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाले समय में संगठन की ताकत ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी होगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी चंदन सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अजीत शर्मा ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी अवध बिहारी पटेल ने निभाई। बड़ी संख्या में जुटे कार्यकर्ताओं और नेताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बना दिया। प्रदेश महासचिव चंदन सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) आज बिहार की सबसे भरोसेमंद और मजबूत राजनीतिक पार्टी के रूप में स्थापित है। जनता ने कई बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर भरोसा जताया है और यही भरोसा संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि इस भरोसे को जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन में बदलना ही सदस्यता अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने बताया कि पूरे बिहार में कम से कम एक करोड़ प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए गांव-गांव, टोला-टोला और हर बूथ तक पार्टी की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। संगठन विस्तार के इस अभियान में कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे अहम होगी। चंदन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार की विकासोन्मुखी नीतियां, सामाजिक न्याय की सोच और सुशासन का मॉडल हर घर तक पहुंचाना जदयू की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में गया जिले के लिए पांच लाख से अधिक प्राथमिक सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मानपुर प्रखंड से इसकी मजबूत और सकारात्मक शुरुआत हुई है।

कार्यक्रम के दौरान संगठन में पहले से जुड़े 50 कार्यकर्ताओं ने अपनी सदस्यता का नवीनीकरण कराया, जबकि 200 से अधिक नए लोगों ने जदयू की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कई सक्रिय कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य का दायित्व भी सौंपा गया। इससे संगठन में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। प्रखंड अध्यक्ष अजीत शर्मा ने कहा कि यह अभियान केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले एक महीने तक प्रखंड और पंचायत स्तर पर गांव-गांव जाकर लोगों से सीधा संवाद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों, सामाजिक न्याय और सुशासन के मॉडल को आम जनता तक पहुंचाया जाएगा। महिलाओं, युवाओं और हर वर्ग को संगठन से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा।

कार्यक्रम में जिले के वरीय नेता, प्रखंड और पंचायत अध्यक्ष, प्रखंड कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने तथा सदस्यता अभियान को सफल बनाने का संकल्प दोहराया। आयोजन के अंत में कार्यकर्ताओं में जोश और संगठन को लेकर नई उम्मीद साफ नजर आई।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

शराब का सेवन करने वाले और तस्करी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।''थाना ध्यक्ष विवेक कुमार

काराकाट /रोहतास। रोहतास जिले के काराकाट थाना पुलिस ने बुधवार को एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि नोखा थाना क्षेत्र के कहार टोला निवासी स्व. सूर्यदेव चंद्रवंशी के पुत्र सत्येंद्र चंद्रवंशी को 5 लीटर महुआ शराब के साथ पकड़ा गया। सत्येंद्र अपने ससुराल अमरथा के कंचनपुर टोला आया था और बाइक पर शराब लादकर भाग रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने 5 लीटर शराब के साथ पैशन प्रो लाल रंग की बाइक भी कब्जे में ले ली है। इसी क्रम में पुलिस ने बेन सागर से एक पियक्कड़ को भी गिरफ्तार किया। प्रक्रिया पूरी कर उसे जेल भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने चेतावनी दी, "शराब का सेवन करने वाले और तस्करी करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।"

भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के बनने से पार्टी होगी मजबूत

बिक्रमगंज (रोहतास) भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार सरकार के मंत्री नितिन नबीन को 14 दिसंबर को भाजपा के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया। जो 45 वर्षीय नबीन इस पद को संभालने वाले पार्टी के अब तक के सबसे युवा नेता हैं और बिहार से इस गौरवपूर्ण पद तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति हैं। उनके अध्यक्ष पद की घोषणा होने पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. मनीष रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। साथ ही भाजपा नेता ने नितिन नबीन को भाजपा का जुझारू और ऊर्जावान कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि नबीन के पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है। साथ ही उनके नेतृत्व में भाजपा पार्टी आने वाले भविष्य में और अधिक सशक्त संगठन होगी। डॉ. मनीष ने विश्वास जताया कि देश के विकास पुरुष नरेंद्र मोदी सरकार की नीतियों और पार्टी की विचारधारा को भी जन-जन तक पहुंचाने में सफल होंगे। दूसरी तरफ भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन ने दरभंगा से लगातार छह बार के विधायक बने संजय सरावगी को 15 दिसंबर को भाजपा बिहार का नए प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर उन्हें बधाई दिया। साथ ही कहा कि छह बार विधायक के रूप में सरावगी के निरंतर जीत और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण जनता के बीच अतुलनीय है। जो जिम्मेदारी पूर्ण अध्यक्ष पद के रूप में कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव से बिहार में भाजपा को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे।

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

बिक्रमगंज /रोहतास। स्थानीय थाना में दर्ज कांड संख्या 845/25 के आलोक में पुलिस ने मारपीट के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की है । थाना क्षेत्र के बेलखुड़िया मठिया गांव निवासी स्वर्गीय राम सकल सिंह के पुत्र कृष्णा सिंह एवं उनकी पत्नी मंजू देवी (पति–कृष्णा सिंह) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । थाना द्वारा मामले की गहन जांच के उपरांत दोनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । इस संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि विधि-सम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेजा गया है । पुलिस आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है ।

सड़क हादसे मे 40 वर्षीय युवक घायल, वाराणसी रेफर

कोचस (रोहतास) थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मझौली गेट के समीप अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक में ठोकर मार दी जिसमें 40 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बुधवार शाम तीन बजे की बताई गई है। घायल युवक थाना क्षेत्र के ग्राम उबधि निवासी राजगिरी सिंह का 40 वर्षीय पुत्र बृजेश सिंह बताए गए है। घटना के बारे में बताया जाता है कि घायल युवक बृजेश सिंह घर से अपने बाइक से कोचस निजी कार्य से जा रहा था तभी राष्ट्रीय राजमार्ग 319 पर मझौली गेट के समीप विपरीत दिशा से तेज रफ्तार मे आ रही अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक मे टक्कर मार दी जिसमें युवा गंभीर रूप से घायल हो गया, हालांकि घटना को अंजाम दे चालक ट्रैक्टर लेकर भागने में कामयाब रहा। वहीं एनएचआई की 112 नंबर डायल वाहन के चालक निरंजन कुमार के मदद से युवक को घायल अवस्था में उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सक डॉक्टर विकास कुमार ने उपचार के दौरान हाथ और पैर की हड्डी टूटने तथा आंख व सर मे आंतरिक चोट आने की बात कह बेहतर इलाज के लिए वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।

भारतीय जनता पार्टी बिक्रमगंज ग्रामीण उत्तरी एवं दक्षिणी मंडल की संयुक्त की गई बैठक आयोजित

बिक्रमगंज / रोहतास। भारतीय जनता पार्टी के रोहतास जिला मंत्री सह काराकाट विधानसभा प्रभारी सतेंद्र दुबे की उपस्थिति में बिक्रमगंज ग्रामीण उत्तरी एवं दक्षिणी मंडल की संयुक्त बैठक आयोजित की गई । बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी अपनाओ,आत्मनिर्भर भारत एवं समृद्ध भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना रहा । बैठक की अध्यक्षता धनंजय सिंह ने की, जबकि संचालन गौतम तिवारी ने किया । बैठक में पार्टी के संगठनात्मक मजबूती,केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई । इस अवसर पर सतेंद्र दुबे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है । स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर ही हम न सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकते हैं,बल्कि हर गांव और हर घर को समृद्ध बना सकते हैं । भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस संकल्प को जन आंदोलन का रूप दे । उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाएं और संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाएं । बैठक में दोनों मंडलों के दिनेश्वर दुबे,ब्रजेश भारद्वाज,विशाल पाठक,कन्हैया दुबे, अरविंद पांडेय,सुदर्शन साह,रामजी सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया ।

शोकसभा का आयोजन

काराकाट /रोहतास । समाज सेवी बलिराम ओझा की 45 वर्षीय पत्नी ममता ओझा की मृत्यु से शोक की लहर दौड़ गई । लोगों में एक हीं चर्चा है कि ममता ओझा बहुत हीं सुन्दर विचारवान,आदर्श व कोमल स्वभाव वाली थी । इसका भरपाई नहीं हो सकती । इस घटना को सुनते हीं राष्ट्रीय मानवता सेवा संघ के सिपाही ने मातमपूर्सी के लिए बलिराम ओझा के दरवाजे पर जाकर संकट की इस घड़ी में दुखित परिवार के साथ खड़े रहने को कहा और दो मिनट का मौन रख कर मृत आत्मा को शांति मिले एवं प्रभु अपने चरण में जगह दे,इसकी कामना किए । मौके पर मानवता सेवा संघ उपाध्यक्ष गुड्डू उपाध्याय,सचिव अखिलेश तिवारी, महासचिव दशरथ मिश्रा , रौशन ओझा , संस्थापक रजनी कान्त पाण्डेय,विश्वनाथ ओझा ,अनिल मिश्रा,सिपाही ठाकुर सहित कई लोग मौजूद रहे ।

सड़क हादसे में दो की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

रोहतास जिले के काराकाट व नासरीगंज थाना क्षेत्र के सीमा अर्थात बॉर्डर पर इटिम्हां गांव के पास एनएच-120 (ए) पर बुधवार को दोपहर एक भयानक सड़क हादसा हो गया । बिक्रमगंज की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो (जेएच-12 ई-7580) ने जोरावरपुर पुल के पास दो लोगों को जोरदार टक्कर मार दी,जिसमें एक साइकिल सवार व्यक्ति और एक सड़क पर पैदल जा रही महिला की मौके पर ही मौत हो गई । हादसे के बाद इलाके में चीख-पुकार मच गई और गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर स्कॉर्पियो पर हमला बोल दिया । सूत्रों के अनुसार मृतकों में काराकाट थाना क्षेत्र के कांध बहुआरा निवासी स्व. अवध कुमार सिंह के 45 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार सिंह उर्फ मलू शामिल हैं । वे अपने गांव से साइकिल पर इटिम्हां बाजार जा रहे थे कि स्कॉर्पियो ने जोरावरपुर पुल के पास उन्हें कुचल दिया । वहीं बाराडीह निवासी वीरेंद्र चौधरी की 42 वर्षीय पत्नी आशा देवी बैंक के काम से इटिम्हां जा रही थीं । वे पैदल सड़क पार कर रही थीं,तभी अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने उन्हें चपेट में ले लिया । हादसे की तीव्रता इतनी थी कि दोनों की मौके पर ही सांसें थम गईं । टक्कर मारते ही स्कॉर्पियो चालक और उसमें सवार सभी लोग फरार हो गए । आक्रोशित ग्रामीणों ने वाहन को घेरकर पथराव करते हुए शीशे तोड़े और तोड़फोड़ मचाई । बताया जाता है कि स्कॉर्पियो ने टक्कर के बाद एक ट्रैक्टर से भी ठोकर खाई,जिससे इसका आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया । गुस्से में ग्रामीणों ने सड़क पर मलबा बिछाकर एनएच-120 (ए) को जाम कर दिया ।जिससे बिक्रमगंज-नासरीगंज मुख्य मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं । ग्रामीण चिल्ला रहे थे कि तेज रफ्तार से निर्दोषों की जान जा रही है, न्याय दो । मिली सूचना पर एसडीएम प्रभात कुमार,नासरीगंज थानाध्यक्ष अविनाश कुमार,काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार,नासरीगंज अंचल अधिकारी अंचला कुमारी,बीडीओ नौशाद आलम सिद्दकी सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा । घंटों हंगामे के बाद सड़क जाम को खुलवाया गया । शवों को पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेजा गया ।

पुलिस चालक की तलाश में छापेमारी कर रही है । यह हादसा क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ आक्रोश बढ़ा दिया । ग्रामीण स्पीड ब्रेकर और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन की मांग कर रहे हैं । प्रशासन ने जांच शुरू कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है ।

जवाहरलाल नेहरू कॉलेज से एनसीसी कैडेट प्रशिक्षण के लिए हुए रवाना

राधा शांता कॉलेज में 10 दिवसीय एनसीसी कैडेट का होगा प्रशिक्षण

निज संवाददाता। डेहरी। रोहतास

शहर के मनौरा स्थित जवरलाल नेहरू महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो डॉ शैलेंद्र कुमार ओझा ने एनसीसी के दस दिवसीय सीएटीसी कैम्प के लिए एनसीसी कैडेट को हरी झंडी दिखाकर राधा शांता महाविद्यालय के लिए रवाना किया। एनसीसी के एएनओ सचिदानंद कुमार के नेतृत्व में एनसीसी कैडटों का दल रवाना हुआ। प्राचार्य शैलेंद्र ओझा ने बताया कि एनसीसी कैडेट का यह दस दिवसीय प्रशिक्षण मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने एनसीसी के पदाधिकारी की तारीफ करते हुए बताया कि इनके नेतृत्व में एनसीसी कैडेट्स सही प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण उपरांत एनसीसी के क्रेडिट समाज की एक अच्छे इंसान के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति बनेंगे क्योंकि आपदा में परिस्थितियों में एनसीसी कैडेट की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मैनेजमेंट के विभागाध्यक्ष प्रो कन्हैया सिंह ने बताया कि ये ट्रेनिंग कैडेट्स के लाभदायक होगा।

मौके पर प्रो कमलनयन सिंह, बर्सर प्रो फरीद आलम, मुख्य अकाउंटेंट राधारमण सिंह उर्फ मुन्ना सिंह, जितेंद्र कुमार सिंह, अच्युतानंद तिवारी, अभिनव कला संगम संरक्षक सीमल सिंह, संस्थापक जीवन प्रकाश, एनसीसी कैडेट्स ओमप्रकाश, धर्मजीत कुमार, सुमित कुमार, संजना कुमारी समेत अन्य शामिल थे।

एएसपी संकेत कुमार ने बिक्रमगंज थाना का किया निरीक्षण

निज संवाददाता। बिक्रमगंज / रोहतास

एएसपी संकेत कुमार ने बुधवार को बिक्रमगंज थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान एएसपी ने कार्यालय, हवालात, माल खाना व थाना की साफ-सफाई आदि का जायजा लिया। जबकि अपराध रजिस्टर, क्रियाशील अपराधी रजिस्टर, गुंडा पंजी रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर, दागी पंजी, श्रीपंजी, प्राथमिकी पंजी आदि समेत महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन कर थाना क्षेत्र में घटित अपराधों के विषय में पूछताछ की। साथ ही असामाजिक तत्वों पर निगरानी एवं चौकस रहने को लेकर थाना प्रभारी ललन कुमार को निर्देश दिया।

वहीं रात्रि गश्ती में तेजी लाने का निर्देश दिया। एएसपी ने थाना की विभिन्न समस्याओं को भी जाना साथ ही समस्याओं से निबटारा को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। थाना प्रभारी को क्षेत्र में विधि व्यवस्था कायम रखना क्षेत्र में शांति बनाये रखना कांड से संबंधित दिशा निर्देश दिया। मौके थाना प्रभारी ललन कुमार, एसआइ विकास कुमार, एस आई नुपूर कुमारी आदि उपस्थित थे।

राजपूताना सेवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ स्वागत

कार्यक्रम का आयोजन कर अतिथियों को किया गया सम्मानित

निज संवाददाता। डेहरी। रोहतास

शहर के कैनल रोड स्थित स्वर्गीय ललन सिंह स्पोर्टिंग क्लब में भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्षके अनिल सिंह सिकरवार के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रोहतास जिला संयोजक अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में भारतीय राजपूताना सेवा संगठन डेहरी की टीम के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा गणेश वंदना, दुर्गा स्तुति, स्वागत गान एवं क्षत्रिय इतिहास के बारे में कविता पाठ भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोहतास संयोजक अनिल कुमार सिंह, कार्यकर्ता आशुतोष सिंह एवं मंच का संचालन प्रो कन्हैया कुमार सिंह के द्वारा किया गया। संयोजक अनिल कुमार सिंह ने उपस्थित लोगों को संगठन के कार्यकलापों के बारे में विस्तार से बताया। समारोह में संगठन के बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष राम पुकार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिनका भी आयोजकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की एकता, समाज सेवा, युवाओं की भागीदारी और राजपूताना समाज के उत्थान पर विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल सिंह सिकरवार ने अपने संबोधन में संगठन को मजबूत करने, सामाजिक समरसता बढ़ाने तथा आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने रोहतास जिला इकाई के कार्यों की सराहना करते हुए संगठन के प्रति समर्पण भाव की प्रशंसा की। खासतौर पर बच्चों के भागीदारी की बहुत-बहुत प्रशंसा की गई बच्चों का कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफल होने के लिए आयोजकों को धन्यवाद दिया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में अनुमंडल बार एसोसिएशन अध्यक्ष मनोज आज्ञानी, केदार सिंह, भोला सिंह विनोद सिंह, अशोक सिंह, हिमांशु सिंह, प्रोफेसर अजीत सिंह, सत्येंद्र सिंह समेत अन्य लोगों ने भी भाग लिया।

मॉडल स्कूल डालमिया नगर में होगा ऑल इंडिया नाट्य प्रतियोगिता की अभिनव कला संगम सदस्यों ने तैयारी को लेकर की बैठक

निज संवाददाता। डेहरी। रोहतास

अभिनव कला संगम द्वारा आगामी 26 से 30 दिसंबर तक मॉडल स्कूल डालमियानगर में आयोजित होने वाले ऑल इंडिया लघु नाटक प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर सदस्यों की बैठक संस्था के अध्यक्ष कमलेश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार की रात संस्था के कार्यालय डालमियानगर ड्रीम हाउस में हुई। बैठक में निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा ने कहा कि लगातार 32 वर्षों से अभिनव कला संगम द्वारा ऑल इंडिया नाटक प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता रहा है। यही कारण है, कि अभिनव कला संगम की पहचान देश ही नहीं दुनिया तक फैली है। प्रत्येक वर्ष दिसंबर में आयोजित होने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रम को लेकर जितनी बेसब्री देश के कोने-कोने से आने वाले नाट्य टीमों को रहती है, उतना हीं रोहतास जिला समेत आसपास के लोगों को रहती है। इस बार का नाटक प्रतियोगिता सांस्कृतिक महोत्सव अपने आप में ऐतिहासिक होगा।

डालमिया नगर मॉडल स्कूल परिसर में होने वाले नाटक प्रतियोगिता में सरकार के प्रतिनिधि, अधिकारी से लेकर सामाजिक संगठन अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम स्थल मॉडल स्कूल डालमियानगर को नाट्य ग्राम में परिवर्तित किया जाएगा। कार्यक्रम में 26 दिसंबर को नाटक प्रतियोगिता सह सांस्कृतिक महोत्सव का उद्घाटन उपरांत सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ नाटक प्रतियोगिता का आगाज होगा। तत्पश्चात 27 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दिन में गायन, नृत्य, रंगोली, मेहंदी, नुक्कड़ नाटक समेत अन्य प्रतियोगिता का आयोजन होगा। जबकि 30 दिसंबर को देशभर से आए रंग कर्मियों द्वारा शहर में एक विशाल रंग यात्रा निकाला जाएगा। जिसमें सामाजिक कुरीतियों व जन जागरूकता अभियान को लेकर कई झांकियां भी रहेगी। रंग यात्रा के स्वागत के लिए शहर के विभिन्न स्थानों पर लोग अलग-अलग तरीके से कलाकारों का स्वागत भी करेंगे। कार्यक्रम बेहतर और ऐतिहासिक हो, इसके लेकर सभी सदस्यों ने अपनी अपनी राय रखी। इस बार का नाटक प्रतियोगिता दिवंगत सचिव विनय मिश्रा उर्फ बबलू को समर्पित रहेगा।

प्रतियोगिता में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित भी किया जाएगा। बैठक में सचिव पवन कुमार मिश्रा, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, महासचिव प्रो रणधीर सिन्हा, संरक्षक सिमल सिंह, संस्थापक सदस्य सुमंत मिश्रा, सह सचिव मुकुल मणि, मीडिया प्रभारी इंद्र कुमार बाघा, बैजू गुप्ता, आलोक कुमार, शंभू गुप्ता, संजीव गुप्ता , विनोद गुप्ता, संजय उर्फ नीलू, संतोष राय समृद्धि आदि शामिल थे।

स्मार्ट प्रीपेड मीटर मे बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी : विद्युत कार्यपालक अभियंता

निज संवाददाता। डेहरी। सासाराम / रोहतास ।

विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम के अधीन आने वाले सब डिवीजन बिक्रमगंज, कोचस, सासाराम (शहरी) व सासाराम (ग्रामीण) के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन किया जा रहा है एवं स्मार्ट मीटर के अधिष्ठापन के समय उपभोक्ताओं से कोई भी शुल्क नहीं ली जाती है। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की स्मार्ट मीटर मे डाटा स्वतः ही बिलिंग सर्वर पर आ जाता है जिससे ऊर्जा रीडिंग के लिए मीटर रीडर की जरूरत नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर में ऑन लाईन के माध्यम से समय पर विपत्र प्राप्त कर सकतें हैं एवं मानव हस्तक्षेप नहीं होने से विद्युत विपत्र में त्रुटि की संभावना नहीं रहती है। स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने से उपभोक्ताओं के विद्युत विपत्र को समझने में सुविधा होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर उपभोक्ता को दैनिक ऊर्जा खपत या राशि की कटौती की जानकारी वास्तविक समय में प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपने उपयोग की आदतों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं और ऊर्जा की बचत कर अपने विपत्र की राशि को कम कर सकतें हैं साथ हीं वास्तविक समय डाटा की उपलब्ध होने से अधिक खपत करने वाले उपकरणों की पहचान कर सकतें हैं, जिससे ऊर्जा बचत करने के उपाय ढूंढ़ सकतें हैं। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन से पूर्व विद्युत बकाया राशि को किस्तों में भुगतान करने की व्यवस्था की गई है, जिससे उपभोक्ताओं को बकाया राशि एक मुश्त जमा करने की वित्तीय भार से मुक्ति मिलती है। स्मार्ट मीटर द्वारा नये विद्युत संबंध स्थापित करने हेतु किसी भी प्रकार का प्रतिभूति राशि नहीं लिया जाता है। स्मार्ट मीटर अधिष्ठापन उपरांत यदि मैक्सिमम डिमांड स्वीकृत भार से बढ़ जाता है तो उपभोक्ता को छः माह तक मैक्सिमम डिमांड शुल्क से राहत दी जाती है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के परिसर में सोलर पैनल अधिष्ठापन के उपरान्त स्मार्ट मीटर को नेट मीटर में बदल दिया जाता है, जिससे उपभोक्ताओं का अलग से नेट मीटर खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। स्मार्ट मीटर से प्राप्त स्टीक और विस्तृत डेटा समस्याओं का समाधान जल्दी करने में मदद करता है। उपभोक्ता को मोबाइल एप के माध्यम से ही विपत्र प्राप्त हो जाता है तथा बिना कार्यालय गए अपने स्मार्ट मीटर का रिचार्ज भी कर सकते है। त्रुटिरहित विपत्रीकरण से उपभोक्ताओं को विद्युत कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ता है। स्मार्ट मीटर प्रणाली को पारदर्शी एवं सुलभ बनाता है, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध होती है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर डिसकनेक्शन होने के उपरांत मीटर में लगे पुश बटन की मदद से बिजली चालू की जा सकती है। ऐसा करने पर 72 घंटे तक बिजली बाधित नहीं होगी। यह सुविधा महिने में एक बार उपलब्ध होगी। विभाग द्वारा खपत संबंधित भ्रांति को दूर करने लिए चेक मीटर का अधिष्ठापन भी विभिन्न जगहों पर स्मार्ट मीटर के साथ किया जा रहा है, जिससे की स्मार्ट मीटर की शुद्धता को सत्यापित किया जा सके।

4616 यात्रियों से 33.29 लाख राजस्व वसूला गया, सोनपुर मंडल में मेगा टिकट चेकिंग ड्राइव

निज संवाददाता। हाजीपुर

सोनपुर मंडल के वाणिज्य विभाग ने एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान बिना टिकट या अनियमित टिकट पर यात्रा कर रहे 4616 यात्रियों से 33,29,495 का राजस्व वसूला गया। यह कार्रवाई रेलवे के राजस्व संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। यह विशेष अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री रौशन कुमार के निर्देशन में मंडल वाणिज्य टीमों की समन्वित कार्रवाई का परिणाम था। इसका मुख्य उद्देश्य रेलवे के राजस्व का संरक्षण करना और यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की जागरूकता बढ़ाना था। दिसंबर माह में अब तक सघन टिकट जांच अभियान जारी है, जिसके तहत कुल 36,775 बेटिकट यात्रियों से 2,46,73,411 का राजस्व प्राप्त हुआ है। चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 5,79,713 बेटिकट यात्रियों से कुल 39,01,68,427 का रेल राजस्व अर्जित किया गया है।

यह उपलब्धि यात्रियों में टिकट लेकर यात्रा करने की बढ़ती जागरूकता, मंडल की सतत निगरानी और टिकट जांच टीमों की प्रभावी कार्यशैली को दर्शाती है। मंडल का कहना है कि ऐसे अभियान केवल राजस्व संरक्षण ही नहीं, बल्कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षित यात्रा और सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोनपुर मंडल ने घोषणा की है कि अवैध यात्रा पर प्रभावी रोक लगाने और अधिक से अधिक यात्रियों को उचित टिकट लेकर यात्रा करने के लिए प्रेरित करने हेतु ऐसे विशेष अभियान नियमित रूप से जारी रहेंगे। मंडल भारतीय रेल के राजस्व और सेवा गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर पत्रकार को मिली धमकी

अररिया। जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र के घरबंदा कोसीसरन वार्ड संख्या 8 के रहने वाले दिलखुश झा पिता सुमन झा को सोशल मीडिया के फेसबुक पर जान मारने की धमकी मिली है। जान मारने की धमकी संतोष कुमार नामक फेसबुक आईडी से दिया गया है,जिसको लेकर पीड़ित पत्रकार दिलखुश झा ने रानीगंज थानाध्यक्ष को आवेदन देकर सुरक्षा की गुहार लगायी है। पत्रकार ने धमकी देने वाले संतोष कुमार फेसबुक आईडी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।संतोष कुमार के फेसबुक आईडी से चार कमेंट कर धमकी दी गई है। मामले को लेकर रानीगंज थानाध्यक्ष रविरंजन सिंह ने आवेदन मिलने की बात करते हुए जांच कर कार्रवाई करने की बात कही।

फाइल नहीं, फील्ड में दिखे काम, समय पर काम पूरा नहीं होने पर तय होगी जवाबदेही

बेगूसराय। बेगूसराय में नवपदस्थापित जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने मंगलवार को पद संभालने के बाद पहली ही बैठक में प्रशासनिक तेवर साफ कर दिए। सभी जिला व प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ हुई बैठक में डीएम ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब समय पर कार्यालय आना और समय पर काम पूरा करना प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि नियमित समीक्षा और सख्त मॉनिटरिंग से ही सरकारी योजनाओं को जमीन पर उतारा जा सकता है। उन्होंने कहा कि काम फाइल में नहीं फिल्ड में दिखना चाहिए। डीएम ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कार्यों की लगातार समीक्षा करें और अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि फाइलों में योजनाएं नहीं, बल्कि गुणवत्ता के साथ समयबद्ध निष्पादन ही प्रशासन की असली पहचान है। बैठक में योजना एवं विकास विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना, सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना, बिहार मंदिर चहारदीवारी निर्माण योजना, बिहार महादलित विकास मिशन योजना और नीति आयोग से जुड़ी योजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की गई। डीएम ने सभी लंबित कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। खेल मैदान की ली गई जानकारी मनरेगा की समीक्षा के दौरान खेल मैदान और जीविका भवन निर्माण की स्थिति की जानकारी ली गई। साथ ही ग्रामीण विकास विभाग को निर्देश दिया गया कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले रोजगार दिवस का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ा जा सके। लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की समीक्षा में डीएम ने पंचायतों में अकार्यरत ई-रिक्शा और पैडल रिक्शा की मरम्मत कराने और डब्ल्यूपीयू को सक्रिय रखने के निर्देश दिए, ताकि सफाई व्यवस्था प्रभावित न हो।

राष्ट्रीय सीनियर ताइक्वांडो में श्रेया को कांस्य

बेगूसराय। सीनियर राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता मे जिले की श्रेया रानी ने अंडर 73 किग्रा. भार वर्ग मे बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक हासिल की है । जिसमें उसने उत्तर प्रदेश, सीआरपीएफ तथा राजस्थान के खिलाड़ियों को हराते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। ज्ञात हो कि 41 वीं राष्ट्रीय सीनियर क्यू रोगी ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 14 दिसंबर तक हैदराबाद, तेलंगाना के बाला योगी इंडोर स्टेडियम मे किया गया था। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान मे आयोजित इस प्रतियोगिता मे देश भर के खिलाड़ियों ने सीनियर वर्ग मे हिस्सा लिया था। ज्ञात हो कि उक्त प्रतियोगिता में बेगूसराय के दो बालिका व दो बालक खिलाड़ी बिहार की ओर से खेलने गए थे। जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव सह प्रशिक्षक नंदु कुमार ने बताया कि श्रेया रानी शर्मा टोल उलाव की रहने वाली है । राजेश शर्मा व स्व. रूबी देवी की छोटी सुपुत्री श्रेया बचपन से ही कोच नंदु कुमार के मार्गदर्शन मे कल्याण केन्द्र, बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप मे अभ्यास करती हुई कई राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे पदक जीत चुकी है। इतना ही नहीं श्रेया भारत की प्रथम महिला खिलाड़ी है जिसने वर्ल्ड ताइक्वांडो प्रतियोगिता मे भारत को पदक दिलवाई है। वर्ष 2023 में गोवा मे आयोजित 37वीं नेशनल गेम्स मे रजत पदक जीत चुकी है । इस उपलब्धि पर जिला ताइक्वांडो संघ के जिलाध्यक्ष सह बीटीएमयू के कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश रंजन,बीटीएमयू के अतिरिक्त महासचिव संजीव कुमार, बीटीएमयू के उपाध्यक्ष राम प्रमोद कुमार,कल्याण केन्द्र के सचिव भोगेन्द्र कुमार कमल, उपाध्यक्ष वागीश आनंद, कोषाध्यक्ष धर्मेन्द्र कनौजिया,संयुक्त सचिव अनिल कुमार तॉती,जिला खेल संयोजक विश्वजीत कुमार ने बधाई दी है।

सिमराहा में अवैध उत्खनन के खिलाफ छापेमारी में बालू लदा एक ट्रैक्टर जब्त

अररिया। अवैध बालू मिट्टी के उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरूद्ध बुधवार को खनिज विकास पदाधिकारी के द्वारा सिमराहा थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई।सिमराहा थाना के अंतर्गत नहर क्षेत्रों के आस-पास अवैध खनन में संलिप्त बालू का अवैध खनन कर परिवहन करते हुए एक ट्रैक्टर को जब्त कर सिमराहा थाना को सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया।अवैध उत्खनन के खिलाफ ट्रेक्टर मालिक को एक लाख पांच हजार रुपए दंड भी लगाए गए।

विवादित जमीन पर कब्जा करने पर्चाधारी पहुंचे, प्रशासन ने रोका

पीरपैंती। मानिकपुर में पूर्वी पाकिस्तान के शरणार्थियों की विवादित जमीन पर मंगलवार को 20 से 25 पर्चाधारी कब्जा करने पहुंचे। शरणार्थियों ने इसकी सूचना सीओ, बीडीओ और थानाध्यक्ष को दी। इसके बाद सीओ चंद्रशेखर कुमार, बीडीओ अभिमन्यु कुमार और थानाध्यक्ष नीरज कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और पर्चाधारियों को हटाया। सीओ ने कहा कि मामला कोर्ट में है। जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता, कोई पर्चाधारी जमीन पर नहीं जा सकते। पर्चाधारियों ने कहा कि हम लोगों को अंचल से पर्चा मिला है। हम भूमिहीन हैं और घर बनाने के लिए एक साल से भटक रहे हैं। शरणार्थियों के वकील शिवशंकर चौबे ने बताया कि बिहार भूमि न्यायिक प्राधिकार पटना से 30 अक्टूबर को जमीन पर अगले आदेश तक स्टे लगा दिया गया है। तत्कालीन सीओ ने एसडीएम के आदेश पर 10 फरवरी 2024 को पर्चा वितरण कर दिया था। पर्चाधा रियों ने जमीन पर तंबू गाड़कर रहना शुरू कर दिया था। डीएम के निर्देश पर जमीन खाली कराई थी।

शाहकुंड में नहीं हो पा रही धान की खरीद

शाहकुंड। प्रखंड में व्यापार मंडल समेत कुल 20 क्रय एजेंसियों में से 16 के कैश क्रेडिट समाप्त हो गया है। इससे धान की खरीद पूरी तरह बाधित हो गई है। 4 पैक्सों के पास ही कुछ राशि बची है। यह समस्या 10 दिन से है, लेकिन कोई सार्थक पहल नहीं की जा रही है। किसान कम दर पर व्यापारी के हाथों धान बेचने को मजबूर है। इससे करीब छह सौ प्रति क्विंटल के दर से किसानों को नुकसान हो रहा है। क्रय केंद्र पर साधारण धान की कीमत 2369 तय है। व्यापारी 1800 की दर से धान खरीद रहे हैं। किसान कम दाम में व्यापारी से धान बेच रहे हैं, क्योंकि, उन्हें रबी की खेती के लिए पैसे की जरूरत है। जिला सहकारिता पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि इसकी सूचना डीएम कार्यालय को दी गई है। 19 दिसंबर के बाद कैश क्रेडिट हो जाएगा।

विजय दिवस पर बच्चों ने करतब दिखाए

जगदीशपुर| विजय दिवस पर मिडिल स्कूल जगदीशपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने भारतीय सेना को सलामी दी और साहसिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। प्रधानाध्यापक आशुतोष चन्द्र मिश्र ने कहा कि विजय दिवस हमारे वीर जवानों के पराक्रम और शौर्य को स्मरण करने का दिन है। हम यह संकल्प लेते हैं कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, भारत की एकता, अखंडता और श्रेष्ठता को सदैव अक्षुण्ण बनाए रखेंगे।

किसानों ने पाइपलाइन का काम रोका

पीरपैंती| कच्चे तेल की आपूर्ति के लिए श्रीनगर गांव में पाइपलाइन बिछाई जा रही है। किसानों को जमीन का मुआवजा नहीं मिला है। मंगलवार को श्रीनगर के किसानों ने काम रोक दिया। एनआरएल के अफसरों की सूचना पर बीडीओ अभिमन्यु कुमार, सीओ चंद्रशेखर कुमार और थानाध्यक्ष नीरज कुमार पुलिस के साथ पहुंचे। अफसरों ने किसानों को समझा कर शांत कराया।

एएसआर कप के पूल बी में आरा और मुंगेर पहुंची सेमीफाइनल में

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज हवाई अड्डा के मैदान में एएसआर कप क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को दो क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया,जिसमें आरा की अतुल इलेवन ने सीतामढ़ी की उत्तम इलेवन को 44 और मुंगेर की रुद्रा इलेवन ने फारबिसगंज के अमन इलेवन को रोमांचक मुकाबले में 24 रनों से पराजित कर सेमीफाइनल में पहुंचने में कामयाब रही। टूर्नामेंट का तीसरा और बुधवार को खेले गए पहले क्वार्टर मैच में सीतामढ़ी उत्तम इलेवन के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया।आरा की अतुल इलेवन टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में अपने 9 विकेट खोकर 176 रन बनाए।आरा की ओर से उत्कर्ष यादव ने 17 गेंदों पर 45,गोलू राइना ने 15 गेंदों पर 39,कारण राज ने 17 गेंदों पर 25 रन का योगदान अपने टीम को दिया। सीतामढ़ी की ओर से राजा डी ने 17 रन देकर 3,राजा पाण्डेय ने 39 रन देकर 3, रिषभ सिंह ने 36 रन देकर 2 और हिमांशु कुमार ने 35 रन देकर एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य 177 का पीछा करने उतरी

सीतामढ़ी निर्धारित 15 ओवर में अपने 9 विकेट खोकर महज 132 रन ही बना पाई और इस तरह आरा अतुल इलेवन ने 44 रनों से मैच जीत लिया।सीतामढ़ी की ओर से तुषार वर्मा ने 21 गेंदों पर 35,मो.इफ्तेखार ने 22 गेंदों पर 26,हिमांशु कुमार ने 7 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए।वहीं आरा की ओर से गेंदबाजी में प्रियांशु,सोनू कुमार,प्रिंस सिंह और हर्ष यादव ने दो-दो विकेट लेने में सफल रहे। मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड आरा के उत्कर्ष यादव को मैच के आयोजक भास्कर सिंह ने प्रदान किया। वहीं दूसरा क्वार्टर फाइनल मैच मुंगेर रुद्रा इलेवन और फारबिसगंज अमन इलेवन के बीच खेला गया।फारबिसगंज टीम के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया।मुंगेर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में अपने 9 विकेट खोकर 214 रन बनाए।मुंगेर की ओर से आनंद सिंह ने 26 गेंदों पर 62,नोमान ने 13 गेंदों पर 33,तनवीर ने 9 गेंदों पर 23 और अमित मंडल ने 11 गेंदों पर 20 रन बनाए।वहीं फारबिसगंज के गेंदबाज लेविश कौशल ने 36 रन देकर 3,लाडला 30 रन देकर 2 और विकास पटेल,विष्णु पाण्डेय,कृष्णमूर्ति और निराला ने एक-एक विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरी फारबिसगंज अमन इलेवन 14.1 ओवर में ही अपने सभी विकेट खोकर 190 रन बनाए।जिसमें रंजीत यादव ने 21 गेंदों पर 46,विकास पटेल 11 गेंदों पर 39, कलीम 18 गेंदों पर 36 और रवि ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।मुंगेर की ओर से नवीन सिंह ने 21 रन देकर 4,अमित मंडल 30 रन देकर 3 और शाहनवाज और हर्षित ने एक एक विकेट हासिल किया।मुंगेर के अमित मंडल को बल्लेबाजी में 20 रन और गेंदबाजी में 3 विकेट लेने के कारण मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड फारबिसगंज थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने प्रदान किया।

27 जनवरी से होगा अमन मिश्र मेमोरियल इंडो- नेपाल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

निज संवाददाता। अररिया

जिले के जोगबनी हाई स्कूल मैदान में क्रिकेटर अमन मिश्रा मेमोरियल इंडो-नेपाल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन 27 जनवरी से किया जाएगा। 6 फरवरी को फाइनल मैच होगा । बुधवार को जोगबनी के व्यवसायियों और आयोजक क्लब के कार्यसमिति सदस्यों की मौजूदगी में इंडो नेपाल टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट को ऐतिहासिक बनाने का निर्णय लिया गया। टूर्नामेंट में पटना,बनारस,जनकपुर नेपाल , विराटनगर नेपाल,मुजफ्फरपुर , दरभंगा,पूर्णिया,अररिया आदि दर्जनों बड़े टीम को बुलाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय हो कि अररिया जिला क्रिकेट के अंडर 16 खिलाड़ी रहे क्रिकेटर अमन मिश्रा का 6 फरवरी को सड़क दुर्घटना में निधन होने के बाद ही हाई स्कूल के मैदान में हर वर्ष अमन मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन करने का निर्णय लिया था, जिसमें स्थानीय विधायक सहित समाज के हर तबका ने अपना समर्थन और सहयोग देने की बात कही थी । टूर्नामेंट 10 दिन तक चलेगा, जिसमें नेपाल भारत के मंत्री,पूर्व मंत्री , सैकड़ों जनप्रतिनिधि,उद्यमी , व्यापारी, खेलप्रेमी,समाज के प्रबुद्धजन को आमंत्रित किया जाएगा। आयोजक के अनुसार टूर्नामेंट में 8 लाख का खर्च आएगा। टूर्नामेंट का आयोजन प्रशांत क्रिकेट क्लब कराएगा जो एक दशक से भी अधिक समय से इंडो नेपाल क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन करते आ रही है। बैठक में दारा सिंह,दिनेश साह,रमेश चौधरी,मनोज साह,प्रभात सिंह,खुशबू दुबे सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पुलिस पर गाली-गलौज करने का आरोप

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के कहलगांव पुलिस पर अपराधियों की तलाश के बहाने बिना महिला पुलिसकर्मी के घर में घुसने और महिलाओं से गाली-गलौज का आरोप लगा है। बुधवार सुबह घटना से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिसमें रात के करीब एक बजे कुछ पुलिसकर्मी घर में घुसते दिख रहे हैं। फुटेज में महिलाएं भी दिख रही हैं। घटना कहलगांव थाना क्षेत्र के रानीपुर इलाके के पास की है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की देर रात करीब 1 बजे पुलिस की छह सदस्यीय टीम अभिमन्यु कुमार उर्फ मिथुन यादव के घर पहुंची। उस समय घर में मिथुन यादव की पत्नी और उनकी मां सो रही थीं। आरोप है कि पुलिस गेट तक आई, जिसके बाद मिथुन यादव की मां ने दरवाजा खोला। इसके बाद पुलिस घर के अंदर घुस गई। आरोप है कि मिथुन यादव की पत्नी बेड सोई हुई थीं। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने उनकी मच्छरदानी

हटाई और जिस कंबल को ओढ़कर वह सो रही थीं, उसे भी खींच लिया। साथ ही गाली-गलौज किया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने घर का दरवाजा तोड़ दिया और बिना महिला पुलिसकर्मी के छह सदस्यीय टीम घर में दाखिल हुई तथा गाली-गलौज की।

मिथुन यादव की पत्नी बोले- पति घर पर नहीं थे: मिथुन यादव की पत्नी रुचि कुमारी ने बताया कि उनके पति ससुराल गए हुए थे। देर रात पुलिस घर पहुंची और गेट खटखटाया। इसके बाद सास ने दरवाजा खोला। आरोप है कि पुलिस ने करीब आधे घंटे तक घर की तलाशी ली, इसके बाद बिना महिला पुलिसकर्मी के उनके कमरे में घुस गई और गाली-गलौज करने लगी। रुचि कुमारी ने बताया कि उनके पति बाइक चोरी के मामले में पहले 90 दिन जेल में रह चुके हैं, जिसके बाद न्यायालय से उन्हें जमानत मिल चुकी है। इसके बावजूद पुलिस आधी रात उनके घर पहुंची। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें एक के बाद एक पुलिसकर्मी अभिमन्यु यादव के घर में प्रवेश करते हुए नजर आ रहे हैं।

महिला के आरोपों पर SHO ने कोई जवाब नहीं दिया: मामले में कहलगांव थाना अध्यक्ष श्यामल कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अपराधियों के सत्यापन के लिए गई थी। हालांकि महिलाओं से गाली-गलौज के आरोपों पर उन्होंने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की। हाल में हुई एक घटना में अभिमन्यु यादव का नाम सामने आने के बाद पुलिस सत्यापन के लिए पहुंची थी।

थ्रेशर में फंसा मजदूर, 10 मिनट तक चीखता रहा

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर में एक मजदूर की थ्रेशर मशीन के अंदर फंसने से मौत हो गई। मजदूर की आधी बॉडी मशीन के अंदर ही फंसी रह गई। मृतक की पहचान भगलपुरा गांव के पुतुल पासवान के 25 साल के बेटे संजीव उर्फ पीपी पासवान के रूप में हुई है। घटना मंगलवार देर रात की है। संजीव थ्रेशर में फंसे पुआल को साफ कर रहा था, तभी वह मशीन की चपेट में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। तारापुर पुलिस भी सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में ले लिया। 2 महीने पहले ही संजीव की शादी हुई थी। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मंगलवार की रात 25 साल का संजीव रोज की तरह थ्रेशर मशीन से पुआल साफ कर के मशीन करने जा रहा था। अब वो अगले दिन इस फिर चालू करता और अपना बचा काम निपटाता। जल्दबाजी में वो चलती थ्रेशर मशीन से ही पुआल निकालने लगा। इस दौरान वो थोड़ा झुककर मशीन के और अंदर गया, ताकि उसे ठीक से साफ कर सके। इसी दौरान वो मशीन के अंदर लगे एंगल्स की चपेट में आ गया। उसके कमर के ऊपर का हिस्सा मशीन में फंस गया। आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि मशीन की चपेट में आने के बाद वो 10 मिनट तक चीखता रहा। चिल्लाता रहा। तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई।

ऐसे मौत पहले कभी नहीं देखा थी: घटना की सूचना मिलते ही मौके पर गांव वालों की भीड़ जुट गई। गांव वालों ने बताया कि हमने ऐसी मौत पहले कभी नहीं देखी थी। बहुत बुरी तरह से मरा है। बॉडी के ऊपर का हिस्सा मशीन में दबा था। पता नहीं कितनी हड्डियां टूटी होंगी। तड़प-तड़पकर लोगों से मदद मांग रहा होगा, लेकिन कोई उसकी मदद भी नहीं कर पाया। हम लोग भी मौके पर पहुंचे तो कुछ समझ ही नहीं आया की क्या करें।

मशीन के पार्ट्स खोलकर निकाली गई बॉडी: गांव वालों के पहुंचते ही पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस और गांव वालों ने मशीन के कुछ पार्ट्स खोलकर बॉडी को बाहर निकाला। चेहरा पूरा चपटा हो चुका था। शरीर के ऊपर का हिस्सा एकदम फ्लेक्सिबल हो गया था। जैसे की शरीर में हड्डी ही ना हो।

पूर्व रेलवे

संशोधनी-मुख्य सामग्री प्रबंधक/विक्रय, पूर्व रेलवे, 17, एन.एस. रोड, कोलकाता - 700001 द्वारा पूर्व प्रकाशित **वर्ष 2025 के दिसंबर** महीने के लिए पूर्व रेलवे के **ई-नीलामी कार्यक्रम** के विज्ञापन में संशोधनी। वर्ष 2025 के दिसंबर महीने के लिए सियालदह के ई-नीलामी कार्यक्रम में निम्नानुसार आंशिक रूपांतरण किया गया है तथा डिपो एवं मंडलों की अन्य तारीखें अपरिवर्तित रहेंगी। **मंडल:** सियालदह। वर्तमान तारीख: 18.12.2025। **संशोधित तारीख: 26.12.2025**।

(STORES-56/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

मरीजों को एक क्लिक में मिलेगी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी

निज संवाददाता। बांका

बांका में सरकारी अस्पतालों को ऑनलाइन करने के बाद अब निजी स्वास्थ्य संस्थाओं को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के तहत निजी दवा दुकानें, पैथोलॉजी लैब, ब्लड बैंक, नर्सिंग होम, फिजियोथेरेपी सेंटर और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार के पोर्टल से लिंक की जाएंगी। इसका उद्देश्य आम लोगों को घर बैठे एक क्लिक में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है।

दवा दुकानों का स्थान, उपलब्ध दवाएं व फार्मासिस्ट की मिलेगी जानकारी: इस योजना के लागू होने के बाद लोग अपने आसपास की दवा दुकानों का स्थान, उपलब्ध दवाएं, फार्मासिस्ट की जानकारी, साथ ही पैथ लैब, ब्लड बैंक और अन्य जांच सुविधाओं की जानकारी ऑनलाइन प्राप्त कर सकेंगे। विशेषकर आपातकालीन स्थितियों या रात के समय स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता पड़ने पर यह डिजिटल व्यवस्था अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सरकार ने राज्य के सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य संस्थानों को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जोड़ने का निर्णय लिया है।

ब्लड बैंक को इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शामिल किया जाएगा: इस योजना के तहत बांका जिले में बड़ी संख्या में दवा दुकानें, पैथोलॉजी लैब, नर्सिंग होम, फिजियोथैरेपी सेंटर और ब्लड बैंक को इस डिजिटल प्लेटफॉर्म पर शामिल किया जाएगा । जिला कार्यक्रम समन्वयक (डीपीसी) पवन कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत एक मजबूत इको-सिस्टम तैयार किया जा रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक सरल होंगी। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान में फर्स्ट फेज का रजिस्ट्रेशन चल रहा है। बांका जिले को 120 संस्थानों के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से अब तक 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (HFR) में एक डिजिटल पहचान मिलेगी: पवन कुमार ने यह भी बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए ABDM के तहत रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा । रजिस्ट्रेशन के बाद मरीजों को उनके क्षेत्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की पूरी जानकारी डिजिटल माध्यम से आसानी से मिल सकेगी। योजना के तहत प्रत्येक संस्थान को हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (HFR) में एक डिजिटल पहचान दी जा रही है। रजिस्ट्रेशन के लिए संचालक का आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, दवा दुकानों के लिए ड्रग्स लाइसेंस, जियो टैग युक्त फोटो और संस्थान का प्रमाण पत्र आवश्यक है । जानकारी के अनुसार, जो दवा दुकानें ABDM में रजिस्ट्रेशन नहीं कराएंगी, उन्हें लाइसेंस नवीनीकरण में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यह रजिस्ट्रेशन पूरी तरह निःशुल्क है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सभी जानकारियां उपलब्ध होने से एक मजबूत डेटा बेस तैयार होगा। इससे यह पता चल सकेगा कि मरीज का इलाज कहां हुआ, दवाइयां कहां से ली गईं और जांच किस केंद्र में कराई गई। इससे सरकार को दवाओं की मांग, उपलब्धता और कीमत नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। इस डिजिटल पहल से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेंगी।

माउंट एवरेस्ट पर पहुंचे भागलपुर के रितेश

भागलपुर । भागलपुर के रितेश कुमार साह (25) बिना गियर की साधारण साइकिल से माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक पहुंचे है। लेकिन अब वापसी चुनौती बन रही है। जिसको लेकर पिता ने सरकार और जिला प्रशासन से मदद से गुहार लगाई है। रितेश जिले के कहलगांव प्रखंड अंतर्गत पैठनपुरा वार्ड नंबर–1 के रहने वाले है। सीमित संसाधनों, न्यूनतम खर्च और कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच पूरा किया गया यह सफर गौरव का विषय है। हालांकि, इस ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद अब उनकी सुरक्षित वापसी को लेकर चिंता बढ़ गई है।

बिना गियर वाली साइकिल के सहारे तय किया सफर: रितेश कुमार साह ने 23 अक्टूबर की रात दिल्ली के अशोकनगर से अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। उनके पास न तो आधुनिक पर्वतारोहण उपकरण थे और न ही किसी प्रकार का प्रायोजन था। सामान्य बिना गियर साइकिल, 25 किलो का बैग और सीमित कपड़ों के सहारे उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण यात्रा को आगे बढ़ाया। 41 दिनों की लगातार कठिन यात्रा के बाद वे 5364 मीटर की ऊंचाई पर स्थित एवरेस्ट बेस कैंप पहुंचे और तिरंगा फहराकर सफलता दर्ज कराई। इस उपलब्धि पर नेपाल सरकार की ओर से उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। **1300 किलोमीटर तक पैदल यात्रा की:** यात्रा के दौरान रितेश को खड़ी चढ़ाइयों, पथरीले रास्तों, अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर साइकिल चलाना संभव नहीं होने के कारण उन्होंने करीब 20 किलो वजनी साइकिल को कंधे पर उठाकर लगभग 1300 किलोमीटर तक पैदल यात्रा की। लंबे समय तक सीमित भोजन के रूप में चना और गुड़ पर निर्भर रहने से उनका शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हुआ।

बिहार सरकार

जल संसाधन विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, नवीनगर
Email-nkcd1975@gmail.com

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–02/2025–26

1. कार्य का विवरण :–

ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	परिमाण विपत्र की राशि (लाख रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (अप्रत्यर्पणीय) (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, नवीनगर मेंपूरब साईड से Boundary Wall का मरम्मति कार्य।	1477585.00	29600.00	2500.00	45 दिन

2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत करने की तिथि :– दिनांक–13.12.2025।
3. विभाग का नाम :– जल संसाधन विभाग।
4. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम और पता:– कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, नवीनगर।
5. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय:– दिनांक 23.12.2025 से 26.12.2025 तक कार्यालय कार्य अवधि में।
6. प्रीबिड मीटिंग की तिथि, समय एवं स्थान:– दिनांक 18.12.2025 के अपराह्न 03.00 बजे में।
7. तकनीकी एवं वितीय निविदा प्राप्ति की तिथि समय एवं स्थान। :– 29.12.2025 को 03.00 बजे अपराह्न में क्रमांक 4 में वर्णित कार्यालय में।
8. तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय एवः– स्थान। दिनांक 29.12.2025 को अपराह्न 3.30 बजे अपराह्न में क्रमांक 4 में वर्णित कार्यालय में।
9. वितीय निविदा संलेख खोलने की तिथि एवं समय:– तकनीकी बिड स्वीकृति के पश्चात् तिथि एवं समय की सूचना दी जायेगी।
10. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) मुख्य अभियन्ता, सिंचाई सृजन, जल संसाधन विभाग, औरंगाबाद। (ख) अधीक्षण अभियंता, उत्तर कोयल नहर अंचल औरंगाबाद, औरंगाबाद (ग) कार्यपालक अभियंता, उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल, नवीनगर।
11. तकनीकी निविदा प्राप्ति एव खोलने का स्थान :– क्रमांक 4 में वर्णित कार्यालय में।
12. निविदा की वैधता की अवधि :– 120 दिन।

निविदा के नियमों एवं शर्तो की जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय के सूचनापट्ट तथा परिमाण विपत्र के बिक्री की स्थलों पर सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
उत्तर कोयल नहर प्रमण्डल
नवीनगर।
मो0 नं0–7004682964

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।
PR. No. 019802 (WRD) 25-26

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना संख्या: ईएल-एएसएन - सीओएन - एससीईडीए - 165 - 2025-एनआईटी, दिनांक: 17.12.2025। उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, आसनसोल, पश्चिम बर्दवान, आसनसोल-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए, पर्याप्त वित्तीय क्षमता तथा उचित अनुभव रखने वाले अनुभवी विद्युतीय ठेकेदारों, भागीदारी फर्मों आदि से ई-निविदा पद्धति के जरिये खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा संख्या: ईएल - एएसएन - सीओएन - एससीईडीए - 165-2025। कार्य का नाम:** हावड़ा-नई दिल्ली मार्ग पर 2 x 25 केवी सिस्टम के अधीन गति को 160 किमी. प्रति घंटा तक बढ़ाने के सम्बन्ध में पूर्व रेलवे के आसनसोल और हावड़ा मंडलों के विभिन्न स्थानों में वर्तमान एससीईडीए सिस्टम में साइबर सुरक्षा का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 8,10,05,698। **बयाना राशि:** ₹ 5,55,000। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** 04 महीना। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 08.01.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा दस्तावेज वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं ऊपर उल्लिखित निविदा बंद होने की तारीख एवं समय को या उससे पहले इस निविदा के तहत ऊपर उल्लिखित अनुसार "निविदा दस्तावेज की कीमत" तथा "बयाना राशि" का ऑनलाइन भुगतान करने के बाद बोली जमा की जा सकती है। इस निविदा के तहत हर तरह से सम्पूर्ण निविदा के साथ ऊपर उल्लिखित अनुसार सभी दस्तावेज **www.ireps.gov.in** पर अपलोड करने होंगे। निविदा हेतु बोलियां उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के जरिये जमा की जा सकती हैं। इस निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा कोई भी मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसे स्वीकार नहीं किया जायेगा तथा सीधे रद्द कर दिया जायेगा। निविदा दस्तावेज, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी की गई संशोधनी (यदि कोई हो) तथा अन्य मूल जानकारियाँ **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। यह निविदा सूचना **उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पूर्व रेलवे, आसनसोल, पश्चिम बर्दवान, आसनसोल-713301** के सूचना पट्ट पर भी देखा जा सकता है।

(CON-58/2025-26)
निविदा सूचना वेबसाइट:www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

हत्या के आरोप में एक महिला गिरफ्तार

आरा। टाउन थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना पर महिला की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार महिला टाउन थाना क्षेत्र के पानी टंकी के निवासी स्वर्गीय मलाई राम की पत्नी मीना देवी है। टाउन थाना के थानाध्यक्ष देवराज राय ने बताया की थाना क्षेत्र के पानी टंकी के पास ज्योति देवी को चाकू मार घायल कर दिया गया था। इलाज के क्रम में महिला की मौत हो गई थी। इलाज के क्रम में ही महिला के बयान पर घटना में 6 लोगों को नामजद करते हुए एफआईआर दर्ज कराया गया था। गिरफ्तार महिला को जेल भेज दिया गया। शेष आरोपियों को गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है।

चित्रांश समिति ने लोगों को बांटे कंबल

आरा। चित्रांश समिति ने जरूरतमंद और बेसहारा लोगों को सर्दी से बचने के लिए कंबल वितरण डॉ. शालिनी सिन्हा के निवास स्थान बस स्टैंड रोड आरा में मंगलवार को किया। डॉ. शालिनी सिन्हा एवं बीना देवी द्वारा असहाय और जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर समिति के संयोजक डॉ. केएन सिन्हा ने कहा कि चित्रांश समिति हर साल कम्बल वितरण का आयोजन करता है क्योंकि, कड़ाके की सर्दी में हमारा दायित्व बनता है कि हम समाज के जरूरतमंदों की सेवा करें ताकि उनको कड़ाके की ठंड में राहत मिल सके। संस्था के सह संयोजक कुमार निर्मल उर्फ सुधीर जी ने कहा कि चित्रांश समिति सालों भर कोई ना कोई सार्थक और जन उपयोग कार्य करता है, इसके पहले हम लोगों ने जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया था और आज सर्दी से बचने के लिए सैकड़ों लोगों को कंबल वितरण किया जा रहा है, आगे भी यह अभी अभियान चलता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश कुमार तथा सचिव सूरज कुमार और उपाध्यक्ष तारकेश्वर शरण सिन्हा धन्यवाद ज्ञापन चर्म रोग विशेषण डॉ. राजीव रंजन ने किया। कंबल वितरण कार्यक्रम में आनंद मोहन सिन्हा, कोषाध्यक्ष यमुना प्रसाद, डॉ. प्रतीक कुमार, डॉ. बालाजी, डॉ. विवेक राज ,शंकर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. एबी. सहाय, टीम सहायक संतोष सहाय, सदन जी, अनिकेत के अलावा चित्रांश समिति के डॉक्टर रमेश कुमार सिन्हा,महासचिव सत्येंद्र स्नेही, सचिव सूरज कुमार श्रीमती कुंदन सिन्हा, रागिनी व अन्य मौजूद रहे।

प्रथम दिन 3167 बच्चों को पिलाई गई पोलियो ड्रॉप

गड़हनी। पोलियो ड्रॉप अभियान में प्रथम दिन 4020 घरों में जाकर 3167 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया गया। इसके लिये प्रखंड के सभी आशा को लगाया गया है। ये अभियान 20 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान में कई सुपरवाइजर व स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया है। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि सभी घरों में जाकर 0 से 5 साल तक के बच्चों को चिन्हित करना है और सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाना है। एक भी बच्चा छूटना नहीं चाहिए। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पोलियो मुक्त भारत बनाना है , जिसे लेकर सरकार हमेशा से प्रयास में लगी रहती है। लोग भी इसे लेकर काफी जागरूक हैं।

4.50 लीटर शराब के साथ सीतामढ़ी का 1 गिरफ्तार

आरा। नवादा थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के प्राइवेट बस स्टैंड के पास 4.50 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी सीतामढ़ी जिले के निवास शिव शंकर महतो के पुत्र सर्वेश कुमार है। सर्वेश कुमार शराब लेकर ट्रेन से आया था। आरा रेलवे स्टेशन पर उतरने के बाद बस स्टैंड पहुंचा था। जहां से उसे बस पकड़ कर पटना जाना था। इसी बीच पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को जेल भेज दिया गया। वही नवादा थाना के थानाध्यक्ष विपिन बिहारी ने बताया कि थाना क्षेत्र के मौला बाग मोहल्ला में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना हुई थी। घटना में एक पक्ष के इकबाल अंसारी और दूसरे पक्ष के अरमान अंसारी के द्वारा केस दर्ज कराया गया है।

चौथी पीढ़ी की मिठास, संक्रांति पर बढ़ी तिलकुट की मांग

बक्सर। मकर संक्रांति के अवसर पर डुमरांव शहर में तिलकुट की मांग तेज हो गई है और इसी के साथ पुराना थाना रोड, बैंक ऑफ इंडिया के समीप वर्षों से चली आ रही तिलकुट निर्माण की परंपरा एक बार फिर सुर्खियों में है। तिल, गुड़ और चीनी से बनने वाली पारंपरिक मिठाइयों का यह कारोबार आज चौथी पीढ़ी द्वारा पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है, जो न सिर्फ परिवार की पहचान है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक विरासत का भी अहम हिस्सा बन चुका है। स्थानीय कारीगरों के अनुसार तिलकुट, तिलवा और गुड़ की पट्टी बनाने का काम उनके पूर्वजों ने शुरू किया था। समय बदला, लेकिन स्वाद और तरीका आज भी वही है। मकर संक्रांति के आसपास तिल और गुड़ से बनी चीजों को शुभ माना जाता है, इसी कारण इन दिनों मांग कई गुना बढ़ जाती है। कारीगर सुनील व अन्य रहे ।

जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने पर जताया आक्रोश

इटाढ़ी। मंगलवार को युवा खरवार महासभा ने इटाढ़ी प्रखंड मुख्यालय पर बैठकर खरवार जाति के लिए जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं होने पर आक्रोश जताया। लोगों ने को पर आरोप लगाते हुए कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के द्वारा जारी किए गए निर्देश के बावजूद भी खरवार जाति का जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण खरवार जाति के लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। लंबे समय से जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने के कारण समाज के लोगों को शैक्षणिक, सामाजिक एवं सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस क्रम में युवा खरवार महासभा के प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप खरवार के नेतृत्व में खरवार समाज के लोगों ने सीओ संतोष कुमार प्रीतम से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। लोगों ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 19 सितंबर 2025 को जारी आदेश के बावजूद खरवार जाति के लोगों का जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है, जिससे समाज में रोष व्याप्त है।

अंचल कार्यालय में 75 दिनों में 472 दाखिल-खारिज के मामले निष्पादित

कोईलवर। अंचल कार्यालय ने दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अक्टूबर माह से लेकर 15 दिसंबर तक कुल 472 दाखिल-खारिज आवेदनों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया गया है। बीते 75 दिनों के भीतर अंचल कार्यालय में दाखिल-खारिज से संबंधित लंबित आवेदन लगभग शून्य हो गए हैं, जिससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। इस संबंध में राजस्व अधिकारी राजभूषण सिंह ने बताया कि अंचल स्तर पर दाखिल-खारिज प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए लगातार समीक्षा की गई और उनका समयबद्ध निष्पादन किया गया। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास रहा है कि किसी भी आवेदक को अनावश्यक रूप से कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। इसी क्रम में एक-दो प्रतिशत मामलों को छोड़कर सभी आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है। राजस्व अधिकारी ने आगे स्पष्ट किया कि एक दो प्रतिशत आवेदनों में तकनीकी त्रुटियां, दस्तावेजों की कमी या जटिल कानूनी पहलू पाए गए, उन्हें नियमों के तहत सुधार के लिए अस्वीकृत किया गया है। ऐसे मामलों में आवेदकों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि त्रुटि सुधार के बाद पुनः आवेदन किया जा सके। राजस्व अधिकारी ने कहा कि आगे भी अंचल कार्यालय का लक्ष्य समय-सीमा के भीतर सभी राजस्व मामलों का निष्पादन करना है, ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो ।

'तुम मां नहीं बन सकती हो तो जिंदा रहकर क्या करोगी'

निज संवाददाता। आरा

'5 साल पहले मैंने अपनी बहन की शादी धूमधाम से की थी। बैंक से लोन और समाज से कर्ज लेकर दहेज दिया था। दहेज के अलावा मैंने अपनी बहन के हिस्से की जमीन भी जीजा को दे दी थी। इसके बावजूद बहनोई का लालच दिन प्रतिदिन बढ़ता चला गया। फिर बहन को बच्चे नहीं थे तो बहनोई कहता था- तुम मां नहीं बन सकती हो तो जिंदा रहकर क्या करोगी। फिर उसने मेरी बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद रात के अंधेरे में घर से 40 किलोमीटर दूर लेकर जाकर लाश को जला दिया। बहनोई और उसके परिवार के सदस्यों को फांसी की सजा होनी चाहिए।' ये बातें 35 साल के रविशंकर कुमार ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कही। दरअसल, मृतका के चचेरे भाई रविशंकर (20) ने आरोप लगाया कि मेरे जीजा श्रीओम गुप्ता (35) ने मेरी चचेरी बहन नीतू कुमारी (26) की गला दबाकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का रूप देने का बहाना कर रहे हैं। अगर उन्होंने हत्या नहीं की तो मेरी बहन की लाश को रात के अंधेरे में 40

किलोमीटर दूर ले जाकर क्यों जलाया? लाश पूरी तरह जलने से पहले क्यों छोड़कर भाग गए? डोम राजा से ये क्यों कहा कि डिलीवरी के दौरान मौत हुई है? पुलिस इस पूरे मामले की पड़ताल करे, ताकि आरोपी जीजा को सजा मिल सके।

सबसे पहले जानिए, नीतू की मौत का मामला क्या है: मृतका नीतू अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मेघरिया गांव के रहने वाले श्रीओम गुप्ता की पत्नी थी। नीतू की शादी 30 नवंबर 2020 को हिन्दू रीति रिवाज के साथ गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी से हुई थी। रविशंकर ने बताया कि, शादी से पहले तय हुआ था कि श्रीओम गुप्ता मेरी बहन को पढ़ने देगा, लेकिन उसकी पढ़ाई भी रोक दी थी। रवि के मुताबिक, शादी के दो से तीन महीने तक सब ठीक था, लेकिन दहेज में मिले सामान, कैश और फिर जमीन मिलने के बाद श्रीओम गुप्ता और उसके परिवार का लालच बढ़ गया। उन्हें लगा कि दहेज में इतना सामान मिला है तो फिर धीरे-धीरे दुबारा डिमांड करने लगे। उनकी मांग को हमलोग पूरी नहीं किया तो मेरी बहन को प्रताड़ित करने लगे। हर पांच से 10 दिन पर उसकी पिटाई की जाने लगी।

मेरी बहन को बांझ कहकर प्रताड़ित किया गया: मृतका के चचेरे भाई ने बताया कि, शादी के डेढ़ साल बाद से बच्चे के लिए ट्राई कर रही थी, लेकिन बच्चा नहीं हो पा रहा था। लेकिन मेरी बहन को बांझ कहकर प्रताड़ित किया जाने लगा था। जब भी हम लोगों को मारपीट की जानकारी मिलती थी, हम लोग समझौता कर लेते थे। चाचा-चाची और मेरे चचेरे भाई ने नीतू के हिस्से की जमीन में से नोएडा के सेक्टर 11 में उसे 50 गज (450 स्क्वायर फीट) जमीन जीजा के नाम कर दिया था।

महिला की हत्या मामले में तीन गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दावां गांव स्थित दर्जी मुहल्ला में सोमवार को कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद हुआ। इसमें लोहे की रॉड से मारकर 65 साल के बुजुर्ग महिला रौशनी बीबी की हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतका की बेटी सैयदा खातून के बयान पर जगदीशपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। एफआईआर में पड़ोसी परिवार के पांच लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया है। प्राथमिकी के अनुसार आरोपितों में विक्की कुमार उर्फ अमृतेश प्रसाद, आदित्य कुमार, अंजू देवी, खुशबू कुमारी उर्फ अंकिता कुमारी और वंदना कुमारी शामिल हैं। पुलिस ने हत्या समेत अन्य सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर तीन आरोपितों विक्की कुमार, खुशबू कुमारी और अंजू देवी को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपी परमेश्वर प्रसाद के परिजन बताए जा रहे हैं। आरोपित परिवार के एक नाबालिग सदस्य को निरुद्ध किया गया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है।

पड़ोसी के दरवाजे पर गया था कचड़ा: मृतका के दामाद मोहम्मद रोजा ने बताया कि दोनों पड़ोसियों के घरों के बीच करीब पांच फीट का रास्ता है। सोमवार की सुबह रौशनी बीबी अपने दरवाजे पर बकरी बांधकर झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान झाड़ू लगाने से कचरा पड़ोसी के दरवाजे की ओर चला गया, जिसको लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मारपीट में बदल गया। आरोप है कि शोरगुल सुनकर जब परिवार का एक बच्चा बाहर आया, तो पड़ोसियों ने लोहे की रॉड से रौशनी बीबी और उनकी जेठानी हसीना बेगम पर हमला कर दिया। हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजन उन्हें तत्काल जगदीशपुर अनुमंडलीय अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रौशनी बीबी की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें आरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

5 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में पांच साल की महादलित बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई है। बुधवार की सुबह बच्ची की लाश नहर में मिली है। उसके दांत तोड़ दिए गए हैं। प्राइवेट पार्ट पर खून के धब्बे मिले हैं। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने मंगलवार की रात बच्ची को घर से अगवा किया फिर 4 घंटे अपने साथ रखा और रेप किया फिर मार डाला। बच्ची दूसरी क्लास में पढ़ती थी। आरोपी का डर था कि बच्ची को जिंदा छोड़ा तो वो सबको घटना के बारे में बता देगी। घटना गड़हनी थाना इलाके की है।

सोती बच्ची को घर से उठा ले गया: बच्ची के घर वालों का कहना है कि गांव का आरोपी है। उसका नाम मुकेश है। वो अक्सर हमारी बेटी पर नजर रखता था। बच्ची के पिता बाहर मजदूरी करते हैं। सोमवार को बच्ची खाना खाकर अकेले कमरे में सो रही थी। तभी आरोपी आया और बच्ची का मुंह दबाकर उसे अपने साथ ले गया। हमलोगों को इसकी जानकारी नहीं मिली, लेकिन बच्ची के पिता ने करीब 9 बजे रात में फोन किया और बच्ची के बारे में पूछा। हमलोगों ने बताया कि वो बाहर वाले कमरे में सो रही है। बच्ची के पिता ने हमें डांट लगाई और कहा कि उसे अकेला क्यों छोड़ा। मैं भागकर बच्ची के कमरे में गई। देखा बच्ची नहीं है। रात हमलोग बच्ची को गांव में तलाशते रहे, लेकिन वो नहीं मिली। रात भर हमलोग गांव के अंदर और बाहर बच्ची को खोजते रहे।

घर से 1 KM दूर मिली लाश: बच्ची की मां ने बताया कि, सुबह घर से एक 1KM दूर बच्ची की लाश मिली। गांव वालों की सूचना पर हमलोग पहुंचे। कपड़ों से बेटी की पहचान हुई। उसके दांत तोड़ दिए गए थे, प्राइवेट पार्ट से खून के धब्बे थे। कपड़े फटे हुए थे। उसकी लाश देखकर लग रहा था कि, दरिंदे ने उसके साथ बहुत गलत किया है। बच्ची अपने चार भाई-बहनों में दूसरे स्थान पर थी। गांव के लोग बच्ची की लाश देखकर हैरान रह गए। मुकेश ने मेरी बेटी के साथ 4 घंटे तक गंदा काम किया। उसने विरोध किया होगा तो आरोपी ने उसे पीटा होगा तभी उसका दांत टूटा हुआ है। परिजनों का कहना है कि हमारी बच्ची के हत्यारों को फांसी होनी चाहिए। गड़हनी थानाध्यक्ष कमलजीत ने बताया कि बच्ची मंगलवार रात से लापता थी। परिजनों की सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।रेप के बाद हत्या की आशंका है। गांव के एक युवक का नाम सामने आया है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद सो वो फरार है।

गोली मारने के मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता। आरा

आरा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भकुरा गांव में श्राद्धकर्म के दौरान युवक को गोली मार दिया गया। आरोपित हरिओम सिंह को पुलिस ने मंगलवार को शहर के रमना मैदान इलाके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित धोबहा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव का निवासी है। हालांकि, पुलिस उसके पास से कांड में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद नहीं कर सकी है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है और हथियार की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

दादा के श्राद्धकर्म में शामिल होने आए थे: बता दें कि 13 दिसंबर की शाम आयर थाना क्षेत्र के बलिगांव गांव निवासी सुजीत सिंह उर्फ गोलू सिंह अपने दोस्त अभिषेक उर्फ गुलशन के साथ भकुरा गांव में दोस्त राहुल सिंह के दादा के श्राद्धकर्म में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब दोनों करीब सौ मीटर दूर बाइक लेने पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आए हरिओम सिंह ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग में सुजीत सिंह को गोली लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। साथी युवकों ने आनन-फानन में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। घायल सुजीत सिंह के बयान पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि हरिओम सिंह का उसकी पत्नी के साथ पिछले 3 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इस अवैध संबंध का विरोध करने पर ही आरोपित ने उसकी हत्या की नीयत से गोली चलाई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घायल और आरोपित दोनों आपस में दोस्त रहे हैं और सहार के एक ही बालू घाट की कंपनी में काम करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी थी। पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आने की उम्मीद है। कांड में प्रयुक्त अवैध हथियार को लेकर भी पूछताछ की जा रही है, ताकि जल्द से जल्द उसकी बरामदगी की जा सके। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

तीन घंटे नहीं रहेगी बिजली

निज संवाददाता। आरा

आरा शहर के आनंद नगर फीडर, शिवगंज फीडर और आरा शहरी फीडर सं-1 में तीन घंटे विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी । आज 17 दिसंबर दिन बुधवार की दोपहर 12:30 बजे से दोपहर 3:30 तक बजे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहेगी । सहायक विद्युत अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि रेलवे की ओर से पूर्वी ओभर ब्रीज का काम करने के लिए सुरक्षा के कारणों से पूर्वी गुमटी PSS से निर्गत आनंद नगर और शिवगंज फीडर व पावरगंज (गोढना रोड) से निर्गत आरा शहरी फीडर सं0-1 से विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी । मोहल्ले वासियों से अपील है कि पहले से अपने अपने घरों के जरूरी काम को निपटा ले और पानी की व्यवस्था कर ले। उपभोगताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

बिजली से जुड़ा काम को समय से पहले निपटा लें: साथ ही इस क्षेत्र के सभी पोल व जर्जर तार की भी मरम्मती की जाएगी, ताकि बिजली उपभोक्ताओं को बिजली से संबंधित कोई भी समस्या उत्पन्न न हो। इसके लिए सभी बिजली उपभोक्ताओं से सूचना देकर अपील की गई है बिजली से जुड़ा काम को समय से पहले निपटा लें । क्योंकि शहर के इन इलाकों में बिजली नहीं रहेगी । उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए होने वाली परेशानी को लेकर खेद प्रकट करते हुए सहायक अभियंता ने कहा कि काम खत्म होने के साथ जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति बहाल करने की कोशिश की जाएगी ।

विनीत बने लेफ्टिनेंट, नौकरी के साथ करते थे पढ़ाई

निज संवाददाता। आरा

नौकरी में रहकर भी विनीत कुमार ने स्व-अध्ययन किया और भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने। इन्होंने संघ लोक सेवा आयोग के प्रतिष्ठित संयुक्त रक्षा सेवा (कंबाइंड डिफेंस सर्विस/सीडीएस) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद देहरादून के सैन्य प्रशिक्षण संस्थान में कठिन प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद वे 13 दिसंबर को पास-आउट हुए। पहली पोस्टिंग ग्रेनेडियर रेजिमेंट में हुई है। विनीत कुमार, आरा प्रखंड में बसंतपुर पंचायत के सारसिवान गांव के निवासी हैं। वर्तमान में परिवार आरा के न्यू पुलिस लाइन- वशिष्ठपुरी में रहता है। विनीत की पारिवारिक पृष्ठभूमि सेना से जुड़ी है। पिता विद्याधर प्रसाद, सेना से सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हैं। चाचा कृष्ण नंदन कुमार भी सेना में है। अन्य चाचा धर्मनाथ कुमार, पत्रकार हैं। विनीत ने बताया,पिताजी सेना में थे। कई शहरों में पिताजी की पोस्टिंग के दौरान साथ रहा हूं। सेना के अफसरों और जवानों के जज्बे को देख कर बचपन में मैंने सेना में जाने को ठान लिया था। इसी को ध्यान में रखते हुए मैंने पढ़ाई किया। मैंने मैट्रिक और इंटरमीडिएट केंद्रीय विद्यालय अलवर और ग्रेजुएशन जयपुर यूनिवर्सिटी राजस्थान से किया। ग्रेजुएशन में मैंने एयरफोर्स में भर्ती के लिए फॉर्म भरा और मेरा चयन हुआ। इस दौरान 2020 से 2024 तक एयरफोर्स में इलेक्ट्रॉनिक फीटर रहा। लेकिन, इच्छा लेफ्टिनेंट बनने की थी। इसलिए वर्ष 2023 में सीडीएस परीक्षा का फॉर्म भरा। वर्ष 2024 में परीक्षा उत्तीर्ण कर लिया। इसके बाद मेरा प्रशिक्षण इंडियन मिलिट्री एकेडेमी (आईएमए) देहरादून में कराया गया। 13 दिसंबर को पास-आउट हुआ।विनीत ने बताया, 4 साल एयरफोर्स में था। वहां 8-10 घंटे ड्यूटी करनी पड़ती थी। इसके बावजूद 4-5 घंटा सीडीएस की तैयारी के लिए पढ़ाई करता था। बीच में भी जब समय मिलता, पढ़ाई करता था। परिवार, एयरफोर्स के अफसरों और साथियों ने भी कभी हतोत्साहित नहीं होने दिया। सीडीएस की जब भी परीक्षा होती थी, एयरफोर्स के अफसरों ने छुट्टी देने में कभी अनाकानी नहीं किये।

लग्जरी कार से 810 बोतल शराब बरामद

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद पुलिस को सफलता मिली है। वीर कुंवर सिंह सेतु के समीप वाहन जांच के दौरान उत्पाद पुलिस ने एक लग्जरी कार से भारी मात्रा में शराब जब्त करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है।

लग्जरी कार की तलाशी के दौरान मिली शराब: उत्पाद पुलिस द्वारा नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में संदेह के आधार पर एक लग्जरी कार को रोका गया। तलाशी के दौरान कार के भीतर अलग-अलग स्थानों पर छिपाकर रखी गई विभिन्न ब्रांड की शराब बरामद हुई। जांच में कुल 810 बोतल शराब जब्त की गई, जिसे अवैध रूप से तस्करी के लिए ले जाया जा रहा था। तस्करों ने शराब छिपाने के लिए कार की बॉडी में एक गुप्त तहखाना बनाया था।

कार चालक को हिरासत में लिया गया: इस संबंध में उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने बताया कि कार की गहन तलाशी के दौरान शराब मिलने पर कार चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान उसकी पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के गुंडे गांव निवासी हरीराम राय के पुत्र पंकज कुमार राय के रूप में हुई। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ है कि आरोपी शराब तस्करी के उद्देश्य से लग्जरी कार का इस्तेमाल कर रहा था, ताकि पुलिस की नजर से बच सके। हालांकि, उत्पाद पुलिस की सतर्कता के कारण उसकी कोशिश नाकाम हो गई। जब्त शराब और वाहन को विधिवत कब्जे में ले लिया गया है।

शराब तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा: गिरफ्तार युवक के खिलाफ बिहार उत्पाद एवं मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। उत्पाद अधीक्षक अशरफ जमाल ने कहा कि जिले में शराब तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि शराब तस्करी से संबंधित किसी भी जानकारी को तुरंत प्रशासन के साथ साझा करें।

बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट

निज संवाददाता। बक्सर

धरौली धाम के जोगीबीर बाबा खेल मैदान में स्वर्गीय बाबू राजमोहन सिंह की 82वीं जयंती पर बाबू राजमोहन सिंह मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 20 से 26 दिसंबर 2025 तक चलेगी। टूर्नामेंट को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

मैदान की साफ-सफाई, समतलीकरण का कार्य शुरू: आयोजन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जोगीबीर बाबा खेल मैदान को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने का काम शुरू हो गया है। मैदान की साफ-सफाई, समतलीकरण, दर्शकों के लिए बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग और सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। आयोजक समिति प्रतियोगिता को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए दिन-रात जुटी है।

उपविजेता टीम को ढाई लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा: आयोजकों ने टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा की है। विजेता टीम को पांच लाख रुपये नकद और उपविजेता टीम को ढाई लाख रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस बड़ी इनामी राशि के कारण जिले और आसपास के क्षेत्रों की कई मजबूत टीमें प्रतियोगिता में भाग लेने की तैयारी कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता और आयोजन से जुड़े मनोज कुमार सिंह ने बताया कि यह टूर्नामेंट वर्षों से सफलतापूर्वक आयोजित होता आ रहा है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष इसका दायरा और प्रतिष्ठा बढ़ रही है। जोगीबीर बाबा खेल मैदान का खिलाड़ियों के बीच विशेष महत्व है। इस मैदान की अपनी एक अलग पहचान है, जिससे खिलाड़ियों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं।

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें मैदान में पहुंचे: आयोजक मनोज कुमार सिंह ने कहा कि यह टूर्नामेंट केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि युवाओं को अनुशासन, टीम भावना, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सकारात्मक सोच से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने क्षेत्र के सभी खेल प्रेमियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें और आयोजन को सफल बनाएं।

संक्षिप्त समाचार

आपसी विवाद में महिला के साथ मारपीट, सिर फोड़ा

मसौढ़ी। थाना क्षेत्र के दहीभता गांव में बुधवार को आपसी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। घायल महिला को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। जानकारी के अनुसार दहीभता गांव निवासी बलदेव चौधरी की पत्नी किरण देवी ने मसौढ़ी थाना में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। अपने आवेदन में किरण देवी ने आरोप लगाया है कि गांव के ही लालदेव चौधरी और मौजी चौधरी ने आपसी विवाद के चलते उनके साथ मारपीट की और सिर फोड़ दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद परिजनों की मदद से घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, मामले को लेकर पुलिस को लिखित शिकायत दी गई है। इस संबंध में मसौढ़ी थानाध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दुल्हिन बाजार में चार दिनों में पांच चोरी की वारदातें, थाना के पास भी सुरक्षित नहीं लोग, गश्त बढ़ाने की मांग

पटना। पटना जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में अचानक इजाफा होने से इलाके में दहशत और चिंता का माहौल बन गया है। बीते चार दिनों के भीतर अलग-अलग स्थानों पर चोरी की कम से कम पांच घटनाएं सामने आई हैं। लगातार हो रही वारदातों से ग्रामीणों में पुलिस की सक्रियता को लेकर नाराजगी भी देखने को मिल रही है। ताजा मामला नवीनगर इलाके का है, जहां मंगलवार देर रात अज्ञात चोरों ने आबिद आलम की मोटरसाइकिल चोरी कर ली। चोरी गई बाइक का रजिस्ट्रेशन नंबर BR-01-BZ-1309 बताया गया है। पीड़ित ने इस संबंध में दुल्हिन बाजार थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। बाइक चोरी की इस घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। इससे पहले थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर एक और चोरी की घटना सामने आई। रविवार की रात चोरों ने एक समर सबमर्सिबल मोटर पर हाथ साफ कर दिया। थाना के इतने नजदीक चोरी की वारदात होने से लोग हैरान हैं और पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। इतना ही नहीं, सोमवार रात चापाकल ब्लॉक के पास से चोरों ने करीब 6000 रुपये मूल्य के बिजली के तार भी काटकर चोरी कर लिए। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। लोगों का कहना है कि रात के समय इलाके में पुलिस गश्त नाम मात्र की है, जिसका फायदा चोर उठा रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि चोरी की बढ़ती घटनाओं के कारण वे काफी चिंतित हैं। कई लोगों ने अपने घरों और दुकानों की सुरक्षा खुद बढ़ानी शुरू कर दी है। लोगों ने प्रशासन से इलाके में नियमित और प्रभावी रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्ध लोगों पर नजर रखने और जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

पुल के नीचे मिला हलवाई का शव, शाम में सब्जी लेने निकले थे घर से, पुलिस को डूबने से मौत की आशंका

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र के समसपुरा में पुल के नीचे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला है। मृतक की पहचान अबूचक गोपालपुर निवासी 62 वर्षीय भगवानलाल राय के रूप में हुई है। वो हलवाई का काम करते थे। शव उनके घर से लगभग एक किलोमीटर दूर चंवर में पुल के नीचे पानी में मिला। शव मिलने की सूचना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही महुआ थाना अध्यक्ष राजेश रंजन पुलिस बल के साथ तत्काल

घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासी रामबाबू राय ने बताया कि भगवानलाल राय कल शाम सब्जी लेने के लिए बाजार निकले थे। वह देर रात तक घर नहीं लौटे, जिसके बाद परिजनों को चिंता हुई। आज सुबह लोगों ने उन्हें पुलिया के नीचे पानी में मृत देखा। महुआ थाना अध्यक्ष राजेश रंजन ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति का शव चंवर में पड़े होने की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भगवानलाल राय की मौत डूबने से हुई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूजी परीक्षा के दौरान कॉलेज गेट पर भगदड़ दो छात्राएं बेहोश, एक अस्पताल में भर्ती

निज संवाददाता। बाढ़,पटना।

बाढ़ अनुमंडल के अनुग्रह नारायण सिंह कॉलेज में यूजी सेमेस्टर-1 की परीक्षा के दौरान बुधवार को अव्यवस्था के कारण भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। मुख्य गेट से एक साथ अंदर घुसने की कोशिश में दो छात्राएं कुचल गईं, जिनमें से एक छात्रा को गंभीर हालत में बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद कॉलेज प्रशासन की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परीक्षा की दूसरी पाली के दौरान कॉलेज के मुख्य गेट पर भारी भीड़ जमा थी। छात्रों द्वारा गेट पीटने के बाद अचानक गेट खोल दिया गया। इसके बाद बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एक साथ अंदर घुसने लगे, जिससे गेट के पास अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

घायल छात्रा हाथीदह निवासी साक्षी कुमारी ने बताया कि गेट पर भीड़ बेकाबू थी और वहां कोई गार्ड तैनात नहीं था। छात्र और छात्राएं एक साथ प्रवेश करने लगे, जिससे लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे। साक्षी भी धक्का-मुक्की में नीचे गिर गईं। उनके ऊपर चार-पांच छात्राएं गिर पड़ीं और कई छात्र उनके ऊपर से निकलते चले गए। इसके बाद वह बेहोश हो गईं। साक्षी ने बताया कि इस घटना के कारण वह परीक्षा नहीं दे सकीं। घटना के बाद घायल छात्रा को आनन-फानन में बाढ़ अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। दूसरी छात्रा को भी हल्की चोटें आई हैं।

इधर, कॉलेज के प्रिंसिपल श्याम रॉय ने भगदड़ की बात से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान प्रवेश के समय भीड़ होना सामान्य बात है। उनका दावा है कि छात्रा पहले से बीमार थी और उसके परिजनों ने भी बताया है कि वह भीड़ देखकर असहज हो जाती है। प्रिंसिपल ने बताया कि प्रवेश के समय करीब 1800 छात्र-छात्राएं एक साथ कॉलेज में प्रवेश कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नकल रोकने के लिए सख्ती की जा रही है, जिससे कुछ छात्र जानबूझकर हंगामा कर गेट पर दबाव बना रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा के दौरान प्रशासन की ओर से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल रहा है। गेट पर एनसीसी के छात्र और शिक्षक मोबाइल फोन और पर्ची अंदर ले जाने से रोकने के लिए जांच कर रहे थे।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल

पीएमसीएच रेफर

निज संवाददाता। जहानाबाद

जहानाबाद के कल्पा थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना किनारी और ताली गांव के बीच हुई। घायल युवक की पहचान मसौढ़ी थाना क्षेत्र के बैरमपुर गांव निवासी भुवन कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि भुवन कुमार सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे। स्थानीय लोगों ने तुरंत कल्पा थाना को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और युवक को जहानाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने घायल युवक के मोबाइल फोन से परिजनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि भुवन कुमार के सिर में गंभीर चोट लगी है और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने घायल की गंभीरता को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया।

सदर अस्पताल में आवश्यक प्राथमिक उपचार के बाद युवक को परिजनों को सौंपा गया। स्थानीय पुलिस के अनुसार, घटना में किसी अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारी गई, जिससे मोटरसाइकिल सवार भुवन कुमार घायल हो गए। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। परिजन घायल युवक को लेकर बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रवाना होने की तैयारी कर रहे हैं।

जावा महुआ शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, दो तस्कर गिरफ्तार, 1500 लीटर जावा नष्ट

निज संवाददाता। मसौढ़ी

थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध महुआ शराब कारोबार के खिलाफ व्यापक छापेमारी अभियान चलाकर बड़ी सफलता हासिल की है। अलग-अलग गांवों में मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने करीब 1500 लीटर जावा महुआ शराब मौके पर ही नष्ट कर दी, जबकि भारी मात्रा में देशी महुआ शराब बरामद की गई। इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

मसौढ़ी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बड़े पैमाने पर जावा महुआ शराब बनाई और बेची जा रही है। सूचना के बाद एसआई रौशन कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान शराब बनाने की प्रक्रिया चल रही थी। मौके पर मौजूद जावा महुआ शराब को नष्ट किया गया। वहीं, नहमा गांव निवासी राम सुरेश मांझी के पुत्र सोनू कुमार को 9 लीटर देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया।

इधर, लहसुना थाना पुलिस ने भी गुप्त सूचना के आधार पर शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक मोटरसाइकिल से भारी मात्रा में देशी शराब लेकर जा रहा है। सूचना के आधार पर उस्मानचक गांव के समीप घेराबंदी कर बाइक सवार युवक को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 100 लीटर देशी शराब बरामद की गई।

गिरफ्तार युवक की पहचान गौतम कुमार के रूप में हुई है, जो जहानाबाद जिले का रहने वाला बताया गया है। लहसुना थानाध्यक्ष खुशबू खातून ने बताया कि शराब और मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है तथा गिरफ्तार युवक को अग्रिम कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी कीमत पर शराब माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पीएचईडी में अब नहीं चलेगी ढिलाई, लंबित योजनाओं पर होगी सीधी कार्रवाईः मंत्री संजय सिंह

निज संवाददाता। पटना

संवाददाता सम्मेलन के दौरान पीएचईडी मंत्री संजय सिंह

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (पीएचईडी) में लंबित योजनाओं, बकाया भुगतान और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर राज्य सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। बुधवार को विभागीय मंत्री संजय सिंह ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कई अहम फैसलों की घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि जिन ठेकेदारों पर बिजली बिल का बकाया है, उन्हें आगे किसी भी टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। मंत्री संजय सिंह ने बताया कि बुधवार को पीएचईडी की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्यभर में संचालित योजनाओं की प्रगति, बकाया राशि और विभागीय अधिकारियों की कार्यशैली की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि कई योजनाओं में ठेकेदारों द्वारा बिजली बिल का भुगतान नहीं किया गया है। इससे न सिर्फ सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है, बल्कि योजनाओं के संचालन और रखरखाव में भी गंभीर दिक्कतें आ रही हैं। मंत्री ने कहा कि अब विभागीय स्तर पर जवाबदेही तय कर दी गई है। जिन ठेकेदारों पर बिजली बिल का बकाया पाया जाएगा, उन्हें किसी भी नई योजना या टेंडर का लाभ नहीं मिलेगा। इतना ही नहीं, ऐसे ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। उन्होंने दो टूक कहा कि बकाया राशि का भुगतान किए बिना किसी को भी नया काम सौंपने का सवाल ही नहीं उठता। संजय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि कार्रवाई सिर्फ ठेकेदारों तक सीमित नहीं रहेगी। जिन विभागीय अधिकारियों के क्षेत्र में बकाया बिजली बिल की वसूली लंबित है, उनकी व्यक्तिगत जवाबदेही तय की गई है। मंत्री ने चेतावनी दी कि यदि संबंधित पदाधिकारी एक महीने के भीतर बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित नहीं कर पाते हैं, तो उनका वेतन रोक दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग आम लोगों से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है, जहां पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं से संबंधित योजनाएं संचालित होती हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी, लापरवाही या ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग की प्राथमिकता है कि सभी योजनाएं समय पर पूरी हों, सरकारी राजस्व का नुकसान न हो और नल-जल योजना सुचारू रूप से कार्य करे। जहां कहीं से भी खराबी या शिकायत मिले, वहां तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षा बैठक के बाद मंत्री संजय सिंह ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यालयों का सप्ताह में कम से कम दो दिन औचक निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी ड्यूटी से गायब पाया जाता है, तो उसे तुरंत वीडियो कॉल कर स्थिति स्पष्ट कराई जाए। यदि कोई विभागीय कार्य से फील्ड में है तो उसे मान्य माना जाएगा, लेकिन निजी कारणों से ड्यूटी से गायब रहने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा राज्यभर की लंबित योजनाओं को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने बताया कि समीक्षा बैठक में सभी लंबित योजनाओं की सूची तैयार की गई है और अधिकारियों को तय समय-सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने का आदेश दिया गया है। जिन जिलों में योजनाएं लंबे समय से अटकी हुई हैं, वहां विशेष निगरानी रखी जाएगी। सरकार का उद्देश्य पारदर्शी व्यवस्था लागू करना और पीएचईडी विभाग के कामकाज में ठोस सुधार लाना है। इसके लिए नियमित समीक्षा बैठकें होंगी और योजनाओं की प्रगति की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी।

गांधी मैदान में अब नहीं होगी शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी, जिला प्रशासन का बड़ा फैसला

निज संवाददाता। पटना

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त और अहम निर्णय लिया है। अब गांधी मैदान परिसर में किसी भी तरह की शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी—जैसे दौड़, कसरत, ग्राउंड ट्रेनिंग या अन्य शारीरिक अभ्यास—की अनुमति नहीं होगी। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार गांधी मैदान सिर्फ एक खुला मैदान नहीं, बल्कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक महत्व का स्थल है।

लंबे समय से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों द्वारा यहां शारीरिक अभ्यास किए जाने से मैदान की हरियाली, रनिंग ट्रैक, पाथवे और अन्य संरचनाओं को नुकसान पहुंच रहा था। इसके कारण आम नागरिकों, बच्चों, बुजुर्गों और पर्यटकों को भी काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा था।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गांधी मैदान को आम लोगों के भ्रमण, सुबह-शाम की सैर, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, राष्ट्रीय पर्वों और सरकारी आयोजनों के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। शांत और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के उद्देश्य से प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी के लिए यहां अभ्यास पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। हालांकि, प्रशासन ने अभ्यर्थियों को विकल्प भी दिया है। शारीरिक दक्षता परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवार प्रशासन द्वारा चिह्नित अन्य मैदानों या निर्धारित स्थलों पर अभ्यास कर सकेंगे। संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है कि वैकल्पिक स्थानों की व्यवस्था और जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए।

आदेश का उल्लंघन करने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। मौके पर दंडाधिकारी, पुलिस बल और नगर निगम की टीम की तैनाती कर लगातार निगरानी की जाएगी, ताकि नियमों का सख्ती से पालन कराया जा सके। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों और अभ्यर्थियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि गांधी मैदान की गरिमा और सार्वजनिक उपयोगिता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

जहानाबाद में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल पर छेड़खानी का गंभीर आरोप

निज संवाददाता। जहानाबाद

छात्राओं के हंगामे के बाद आरोपी फरार

जहानाबाद में एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल पर तीन छात्राओं ने छेड़खानी के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना सामने आने के बाद बुधवार को स्कूल परिसर में छात्र-छात्राओं ने जमकर हंगामा किया। देखते ही देखते पीड़ित छात्राओं के परिजन और आसपास के ग्रामीण भी स्कूल पहुंच गए। हालांकि, ग्रामीणों की भीड़ जुटने से पहले ही आरोपी प्रिंसिपल मौके से चोरी-छिपे फरार हो गया। मामला जहानाबाद के मलहचक मोड़ के पास स्थित राजकीय उर्दू मिडिल स्कूल का है। आरोपी प्रिंसिपल की पहचान संजय के रूप में हुई है। घटना के बाद स्कूल में अफरातफरी का माहौल बन गया और करीब तीन घंटे तक छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया। स्कूल के बाहर लगभग 200 से अधिक ग्रामीण जुट गए, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

छात्राओं ने लगाए गंभीर आरोपः पीड़ित छात्रा की एक सहेली ने बताया कि प्रिंसिपल ने उसकी दोस्त को बेंच पर लेटा दिया और उसका मुंह दबाकर पेट से लेकर शरीर के अन्य हिस्सों को गलत तरीके से छूने लगे। आरोप है कि प्रिंसिपल ने कहा कि अगर कोई कमरे में आ जाए तो अलमीरा में छिप जाएंगे और चिल्लाने से मना किया। एक अन्य पीड़ित छात्रा ने बताया कि वह छठी कक्षा की छात्रा है। बुधवार को उसकी तबीयत खराब थी और वह क्लासरूम में अकेली बैठी थी, जबकि बाकी छात्र ग्राउंड में गए हुए थे। इसी दौरान प्रिंसिपल उसे अकेला देखकर क्लास में घुस आया और गलत तरीके से छूने लगा। उसने जब केबिन में चलने से मना किया तो जबरदस्ती हाथ पकड़कर घसीटने की कोशिश की। छात्रा के अनुसार, जब वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी तो अन्य छात्र वहां पहुंच गए। छात्रों की भीड़ देख आरोपी प्रिंसिपल स्कूल छोड़कर फरार हो गया। बाद में छात्रा ने अपने माता-पिता और परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। पीड़ितों का कहना है कि प्रिंसिपल ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि दो अन्य छात्राओं के साथ भी गलत हरकत करने की कोशिश की है।

शिक्षिका और अभिभावकों में आक्रोशः स्कूल की एक शिक्षिका ने बताया कि ऐसे व्यक्ति को प्रिंसिपल के पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले भी 2-3 छात्राओं के साथ प्रिंसिपल द्वारा छेड़खानी की बात सामने आई थी। बुधवार की घटना के बाद और भी छात्राएं सामने आईं, जिसके बाद मामला खुलकर सामने आया। पीड़ित छात्रा की मां ने कहा कि वे अपने बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए स्कूल भेजते हैं, लेकिन अगर स्कूल में ऐसे लोग होंगे तो बेटियों की सुरक्षा कैसे होगी। उन्होंने आरोपी को तुरंत निलंबित कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं, एक अन्य छात्र की मां ने कहा कि स्कूल में शिक्षा के बजाय डर का माहौल बन गया है और ऐसे प्रिंसिपल बच्चों को क्या सिखाएंगे।

हंगामे के दौरान शिक्षिका की तबीयत बिगड़ीः लगातार हंगामे और धक्का-मुक्की के बीच एक शिक्षिका की तबीयत अचानक खराब हो गई, जिससे माहौल और तनावपूर्ण हो गया। घटना की सूचना नगर थाने की पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आक्रोशित छात्रों, अभिभावकों और ग्रामीणों को शांत कराया।

FIR दर्ज, आरोपी की तलाश जारीः पीड़ित छात्राओं की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। जहानाबाद के एसपी विनीत कुमार ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी प्रिंसिपल की तलाश की जा रही है। साथ ही पूरे मामले की जानकारी शिक्षा विभाग को भी दे दी गई है। प्रशासन का कहना है कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पटना में बिहार मेडिकल समिट 2025 और आचार्य चरक चिकित्सा सम्मान सीजन 05 का आयोजन

निज संवाददाता। पटना

पटना में बिहार मेडिकल समिट 2025 और आचार्य चरक चिकित्सा सम्मान सीजन 05 का आयोजन होटल मौर्य में इवेंटजिक मीडिया और सत्यदेव सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें प्रमुख अतिथि प्रेम कुमार, अध्यक्ष बिहार विधानसभा, मुख्य अतिथि संजय टाइगर, श्रम संसाधन विभाग, अतिविशिष्ट अतिथि अनामिका सिंह पटेल, सदस्य बिहार विधान परिषद, रत्नेश कुमार, विधायक पटना सिटी और आईएएस अधिकारी शशांक शेखर सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। आयोजक चंदन राज ने मीडिया को बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बिहार के चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों और स्वास्थ्य संस्थाओं को सम्मानित करना और उन्हें एक बड़ा मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में आचार्य चरक चिकित्सा सम्मान में बेस्ट यूरोलॉजिस्ट इन इंडिया का अवार्ड डॉ. कुमार राजेश रंजन को दिया गया, जो सीनियर कंसल्टेंट यूरोलॉजिस्ट, लेप्रोस्कोपिक और किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन हैं। वहीं बेस्ट कॉस्मेटिक एंड प्लास्टिक सर्जन इन बिहार का अवार्ड डॉ. अनुराग शरण को, बेस्ट हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर इन बिहार का अवार्ड डॉ. अमृता सिन्हा को और बेस्ट गाइनेकोलॉजिस्ट इन बिहार का अवार्ड डॉ. सोनल को प्रदान किया गया। बेस्ट कार्डियक हॉस्पिटल इन बिहार का अवार्ड हार्ट हॉस्पिटल को दिया गया, जिसके प्रबंध निदेशक डॉ. राजन ठाकुर हैं। इसके अलावा डॉ. नादिरा सुल्तान को बेस्ट डेंटल सर्जन इन पटना, डॉ. धीरज कुमार को बेस्ट गैस्ट्रोलॉजिस्ट इन बिहार, डॉ. अमित अग्रवाल को बेस्ट एनेस्थीलॉजिस्टिक, डॉ. कुमार यदुवेश को बेस्ट डेंटिस्ट सर्जन इन बिहार, डॉ. राजू सिंह को बेस्ट लाइपोस्कॉपिक सर्जन इन पटना, डॉ. पूजा को बेस्ट फीमेल लोक मैक्सफिशियल सर्जन इन बिहार, डॉ. वरुण को बेस्ट डेंटिस्ट सर्जन इन बिहार, डॉ. पंकज को बेस्ट डेंटल सर्जन इन गया, डॉ. शशी कुमार को बेस्ट इमर्जिंग यूरोलॉजिस्ट इन पटना, डॉ. राजाराम यादव को बेस्ट नेफ्रोलॉजिस्ट इन बिहार, डॉ. आनंद मोहन को बेस्ट ऑर्थो सर्जन इन बिहार, डॉ. मनीष कुमार को बेस्ट डायनेमिक फिजिशियन इन हाजीपुर, डॉ. रिशु कुमार को बेस्ट इमर्जिंग डॉक्टर इन पटना, डॉ. दिनेश कुमार को बेस्ट जनरल सर्जन इन पटना, डॉ. विकास को बेस्ट फिजिशियन इन पटना, डॉ. पुरुषोत्तम को बेस्ट यंगेस्ट डेंटल सर्जन इन गया, डॉ. सुभाष यादव को मोस्ट पॉपुलर डेंटल सर्जन इन पटना, डॉ. रिजवान को बेस्ट चाइल्ड स्पेशलिस्ट इन पटना, डॉ. अभिजीत कश्यप को बेस्ट न्यूरोसर्जन इन बिहार, बेस्ट हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर इन बिहार का अवार्ड डॉ. वीरेश कुमार को, डॉ. राजेश को बेस्ट फिजियोथैरेपी का अवार्ड, डॉ. संतोष कुमार सिंह को बेस्ट डेंटल सर्जन इन भागलपुर और डॉ. अभिषेक आनंद को बेस्ट कैंसर स्पेशलिस्ट इन बिहार के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर जयप्रकाश पांडे, डॉ. स्मृति पांडे, डॉ. राजेश, एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट विभेष आनंद, अररिया की एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट चंदा कुमारी सहित अन्य प्रमुख वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के प्रायोजक सत्यमेव ग्रुप, मौर्य बिहार, एडुकेमी, इंक्योर हॉस्पिटल, विल्सन मेडिकल सिस्टम, हार्ट हॉस्पिटल, स्कॉलर एबोर्ड स्कूल, इवेंटजिक मीडिया आउटडोर, हॉबी ब्लेस्स आइसक्रीम थे। आयोजन में शेखर सिन्हा, प्रेम कुमार, शत्रुघ्न चौरसिया, सतीश कुमार, मनोज कुमार, रोशन यादव, कमलेश मिश्रा, सूरज साहनी और कुंदन कुमार सहित अन्य ने सहयोग किया। इस आयोजन ने बिहार में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों और स्वास्थ्य संस्थाओं को मान्यता देने के साथ-साथ नए डॉक्टरों और युवा चिकित्सकों को प्रेरित करने का कार्य किया।

रांची में 19 से 21 दिसंबर तक रोटरी डिस्ट्रिक्ट सम्मेलन, 1500 से अधिक प्रतिनिधि होंगे शामिल

एजेंसी। रांची

रांची रोटरी क्लब के तत्वावधान में 19 से 21 दिसंबर तक तीन दिवसीय रोटरी डिस्ट्रिक्ट सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह सम्मेलन रांची क्लब परिसर में आयोजित होगा, जिसमें रोटरी झारखंड–बिहार के 125 क्लबों से 1500 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। असिस्टेंट गवर्नर (रोटरी इमेज) प्रवीण राजगढ़िया ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि इस सम्मेलन की तैयारी पिछले एक वर्ष से की जा रही है और रांची के सभी रोटेरियन इसे सफल बनाने में जुटे हैं। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पास्ट रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट शेखर मेहता उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथियों के तौर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ तथा महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री जय कुमार रावल के अलावा निलेन्दु कुमार सिंह, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल), रोटरी इंटरनेशनल प्रेसिडेंट रिप्रजेंटेटिव रवि रमन,शामिल होंगे। इसके अलावा सम्मेलन को पास्ट रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर कमल सांघवी, फाउंडेशन चेयरमैन महेश कोडबागी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रोहित सिंह (मध्यप्रदेश), प्रसिद्ध अभिनेत्री सुधा चंद्रन, साइबर एक्सपर्ट महिमा

भालोटिया सहित पूर्व गवर्नरों का समूह संबोधित करेगा। रोटरी रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने बताया कि सम्मेलन में रोटरी क्लब की सामाजिक गतिविधियों, नई परियोजनाओं, क्लब की मजबूती, भविष्य की योजनाओं और नए प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सेवा से जुड़े विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। यह सम्मेलन सदस्यों को एक-दूसरे से सीखने, अनुभव साझा करने और नए संपर्क स्थापित करने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि ज्ञान, सेवा, शिक्षा और मनोरंजन के इस संगम के दौरान मुंबई का प्रसिद्ध रोज मैरी ग्रुप म्यूजिकल बैंड, आदिशक्ति म्यूजिकल ग्रुप, आईएफआरएम ग्रुप और छऊ नृत्य कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। सम्मेलन से समाज सेवा से जुड़े कार्यों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

केन्द्र की भाजपा सरकार की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने एवं उससे महात्मा गांधी का नाम हटाने के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेसजनों ने बुधवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा के गांधी मैदान में महात्मा गांधी की आदमकद प्रतिमा के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष रंजन बोयपाई ने कहा कि मनरेगा जन आंदोलनों से निकला कानून है, जिसने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की गारंटी दी है। इस कानून के माध्यम से गांवों में सौ दिनों के रोजगार, महिलाओं और भूमिहीनों के सशक्तिकरण तथा श्रम की गरिमा को सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि इसे निरस्त करने या इससे महात्मा गांधी का नाम हटाने का प्रयास अत्यंत चिंताजनक है। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष सन्नी सिंकु ने कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना एक सोची-समझी साजिश है। महात्मा गांधी श्रम की गरिमा और सामाजिक न्याय के प्रतीक रहे हैं। वहीं कांग्रेस जिला प्रवक्ता त्रिशानु राय ने कहा कि यह नाम परिवर्तन राष्ट्रपिता के मूल्यों को मिटाने का प्रयास है, जिसे कांग्रेस गंभीरता से ले रही है। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस प्रदेश सचिव अशरफुल होदा, अनुसूचित विभाग कोल्हान प्रभारी सुरज मुखी, जिला महासचिव लियोनार्ड बोदरा, युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष पूर्णचन्द्र कायम, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आमजनों की हर जरूरतों को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी : कृषि मंत्री

- मांडर में जरूरतमंदों को बैंक ऑफ इंडिया का सीएसआर लाभ, महिलाओं और दिव्यांगों को मिली सहायता

एजेंसी। रांची

झारखंड के रांची जिला के मांडर प्रखंड में बुधवार को बेड़ो महादानी विवाह मंडप और प्रखंड कार्यालय में आयोजित बैंक ऑफ इंडिया के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम में जरूरतमंदों को सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम के तहत महिलाओं को सिलाई मशीन और दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की गई। कार्यक्रम में शामिल राज्य की कृषि, पशुपालन और सहकारिता मंत्री शिल्पी नेता तिर्की ने कहा कि योजनाओं का लाभ जाति या धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि जरूरतमंदों को दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार की कोशिश है कि जनता की बड़ी जरूरतों के साथ-साथ छोटी-से-छोटी जरूरतों को भी पूरा किया जाए। मंत्री ने सीएसआर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 2013 में कांग्रेस नेतृत्व वाली

केंद्र सरकार ने कंपनी अधिनियम में सीएसआर का प्रावधान किया, जिसके तहत कंपनियों को अपने मुनाफे का दो प्रतिशत सामाजिक विकास में खर्च करना होता है, विशेषकर शिक्षा और स्वास्थ्य में। उन्होंने कहा कि आज भी इस कानून से जरूरतमंदों को लाभ मिल रहा है। मंत्री ने मनरेगा के नाम बदलने पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि नाम बदलने के बजाय मजदूरी दर बढ़ाई जानी चाहिए थी। बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरु प्रसाद गोंड ने कहा कि बेहतर जनप्रतिनिधित्व के कारण लोगों को उनका हक मिल रहा है और भविष्य में भी मांडर में सीएसआर कार्यक्रम जारी रहेगा। कार्यक्रम के दौरान यह सहायता बेड़ो, इटकी, लापुंग और मांडर प्रखंड के लाभुकों को दी गई। महिलाओं को सिलाई मशीन और दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल वितरित की गई। इसके अलावा आंगनबाड़ी सेविकाओं को भी इंटरलॉकिंग मैट वितरित किया गया। मंत्री ने कहा कि ट्राई साइकिल से दिव्यांगजन आवागमन में सुविधा प्राप्त करेंगे, जबकि सिलाई मशीन से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे। मौके पर कई जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

उपभोक्ता आयोग ने नेशनल इंश्योरेंस को मेडिक्लेम की राशि चुकाने का दिया आदेश

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

चाईबासा स्थित जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और उसकी टीपीए एजेंसी सेफवे इंश्योरेंस टीपीए प्राइवेट लिमिटेड को शिकायतकर्ता को मेडिक्लेम राशि का भुगतान करने का आदेश दिया है। आयोग ने बीमा कंपनी द्वारा सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार को सिद्ध माना है। यह मामला छोटा निमडीह, चाईबासा निवासी राजेश प्रसाद साव द्वारा दायर किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने न्यू नेशनल फैमिली मेडिक्लेम पॉलिसी ली थी, जिसकी वैधता

27 अप्रैल 2022 से 26 अप्रैल 2023 तक थी। बीमा अवधि के दौरान गर्दन और कमर की गंभीर समस्या के कारण उन्हें 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2022 तक नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती होकर इलाज कराना पड़ा, जिस पर कुल 2,45,965 रुपये का खर्च आया। शिकायतकर्ता द्वारा दावा प्रस्तुत किए जाने के बाद बीमा कंपनी और टीपीए ने यह कहते हुए दावा अस्वीकृत कर दिया कि संबंधित बीमारी पॉलिसी की वेटिंग पीरियड के अंतर्गत आती है। इसके बाद शिकायतकर्ता ने जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। सुनवाई के दौरान आयोग ने पाया कि बीमा कंपनी यह साबित नहीं कर सकी कि पॉलिसी की शर्तें और नियम शिकायतकर्ता को विधिवत रूप से उपलब्ध कराए गए थे या उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी। आयोग ने माना कि पॉलिसी निरंतर प्रभावी थी और इलाज बीमा अवधि के भीतर हुआ था। ऐसे में केवल शर्तों का हवाला देकर दावा खारिज करना सेवा में गंभीर कमी है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि उपभोक्ता के लिए पहले आईआरडीएआई या किसी अन्य अपीलीय प्राधिकरण के पास जाना अनिवार्य नहीं है, क्योंकि उपभोक्ता आयोग एक स्वतंत्र वैधानिक मंच है। आयोग के आदेश के अनुसार, बीमा कंपनी को शिकायतकर्ता को 2,45,965 रुपये की मेडिक्लेम राशि, मानसिक पीड़ा के लिए 20,000 रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 10,000 रुपये का भुगतान करना होगा। आयोग ने यह भी निर्देश दिया कि यदि 45 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया, तो पूरी राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देना होगा।

समाहरणालय, गोड्डा
(जिला पंचायत शाखा)

आम सूचना

नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 के निमित्त गोड्डा जिला अंतर्गत IX गोड्डा/06 गोड्डा नगर परिषद (वर्ग–ख) एवं IX गोड्डा/11 महागामा नगर पंचायत के निर्वाचन हेतु राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 859 दिनांक– 31.10.2025 द्वारा निदेश प्राप्त हुआ है कि आगामी नगरपालिका निर्वाचन मतपत्र एवं मतपेटिकाओं के माध्यम से सम्पन्न कराया जाएगा।

उक्त निदेश के अनुपालन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका)–सह– उपायुक्त, गोड्डा के प्राप्त आदेशानुसार गोड्डा जिला अंतर्गत सम्पन्न होने वाली नगरपालिका आम चुनाव में लगभग 160 (एक सौ साठ) बड़ी मतपेटिकाओं की आवश्यकता का आकलन किया गया है जिसकी रंगाई–पोताई एवं तैलीयकरण का कार्य आवश्यक है।

विगत त्रिस्तरीय पंचायत आम चुनाव, 2022 में रंगाई–पोताई एवं तैलीयकरण कार्य का निष्पादित दर 62.00 प्रति बड़ी मतपेटिका एवं तैलीयकरण 0.50 प्रति बड़ी मतपेटिका के ही दर पर नगरपालिका आम निर्वाचन, 2026 के निमित कार्य करने वाले इच्छुक कार्य एजेंसी के चयन हेतु दिनांक–26.12.2025 तक अधोहस्ताक्षरी के समक्ष या जिला पंचायत राज कार्यालय, गोड्डा में अपना अभ्यावेदन समर्पित किया जा सकता है तत्संबंधी आम सूचना स्थानीय तीन दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने का कष्ट किया जाय। साथ ही कराये गये प्रकाशन का साक्ष्य अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

ह0/–
जिला उपनिर्वाचन पदाधिकार (नगरपालिका)
–सह–अपर समहार्त्ता, गोड्डा

PR 368820 Panchayati Raj (25-26)_D

स्वर्णरेखा नदी पर फोर लेन पुल निर्माण कार्य का विधायक ने किया शुभारंभ

पूर्वी सिंहभूम। सिदगोडा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह इलाके के विकास को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। स्वर्णरेखा नदी पर प्रस्तावित फोर लेन पुल के निर्माण कार्य की विधिवत शुरुआत बुधवार को कर दी गई। बाबूडीह लाल भट्टा स्थित बाराघाट के समीप भुइयांडीह लिट्टी चौक से भिलाई पहाड़ी एनएच-33 तक बनने वाले इस पुल परियोजना का शुभारंभ जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने किया। इससे पूर्व 4 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तत्कालीन जमशेदपुर पूर्वी विधायक एवं वर्तमान जमशेदपुर पश्चिम विधायक सरयू राय की उपस्थिति में इस महत्वाकांक्षी योजना का शिलान्यास किया था। निर्माण कार्य की शुरुआत के अवसर पर विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि यह परियोजना पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में परिकल्पित की गई थी, जिसे उस समय "सिग्नेचर ब्रिज" के रूप में प्रस्तावित किया गया था। प्रशासनिक कारणों और विभागीय आपत्तियों के चलते यह योजना लंबे समय तक कागजों में ही अटकी रही। उन्होंने बताया कि लिट्टी चौक पुल का डीपीआर पहले ही तैयार कर लिया गया था और वर्ष 2024 में टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद मुख्यमंत्री की ओर से शिलान्यास भी किया गया, लेकिन पथ निर्माण विभाग की ओर से पुल की लंबाई को लेकर आपत्ति जताए जाने से डिजाइन में बदलाव करना पड़ा, जिससे फाइल रांची स्थित मुख्यालय में लंबित हो गई। विधायक ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया और सचिव स्तर पर लगातार संवाद के साथ कार्यपालक अभियंता दीपक सहाय से समन्वय कर अंततः परियोजना को स्वीकृति दिलाई। लगभग एक माह पूर्व निर्माण एजेंसी की ओर से मिट्टी जांच का कार्य भी शुरू कर दिया गया था। इस परियोजना के तहत कुल चार किलोमीटर लंबे फोर लेन फ्लाईओवर और सड़क का निर्माण किया जाएगा। स्वर्णरेखा नदी के दोनों किनारों पर दो-दो किलोमीटर फोर लेन सड़क बनाई जाएगी। पूरी योजना पर करीब 49 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे 18 महीनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विधायक पूर्णिमा साहू ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व में ऑनलाइन शिलान्यास के बावजूद कार्य शुरू नहीं होना सरकार की उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने गोविंदपुर पुल सहित अन्य लंबित पुल परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। साथ ही स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि इस निर्माण कार्य से किसी भी बस्ती या घर को नुकसान नहीं पहुंचेगा और किसी का भी घर नहीं तोड़ा जाएगा।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोइलकेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोतरोगढ़ा गांव में बुधवार को एक 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या करने का मामला सामने आया है। अपराधियों ने मृतक का सिर धड़ से अलग कर धड़ को बोरे में भरकर सुनसान इलाके में फेंक दिया, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान गोइलकेरा के सारुड़ा गांव निवासी हरिनाथ लुगुन उर्फ मंगरा के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में इस हत्याकांड के पीछे जमीन विवाद को मुख्य वजह माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हत्या पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से की गई, ताकि पहचान छुपाई जा सके या इलाके में भय फैलाया जा सके। बुधवार सुबह ग्रामीणों की नजर कोतरोगढ़ा गांव के पास पड़े एक लावारिस बोरे पर पड़ी, जिससे खून रिस रहा था। जब बोरा खोला गया तो उसमें एक व्यक्ति का धड़ मिला। सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दी गई। घटनास्थल से मृतक का सिर बरामद नहीं हो सका है। काफी खोजबीन करने पर धड़ से कुछ दूरी पर सिर भी बरामद कर लिया गया।आशंका जताई जा रही है कि साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से सिर को किसी अन्य स्थान पर फेंका गया था। सूचना मिलने पर गोइलकेरा थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी विक्रान्त सिंह मुंडा ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और प्रथम दृष्टया यह मामला जमीन विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। आरोपितों की गिरफ्तारी के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 दिसंबर से तीन दिवसीय दौरे पर आएंगी झारखंड

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 दिसंबर से तीन दिवसीय दौरे पर झारखंड आएंगी। वह 28 दिसंबर को रांची पहुंचेंगी और आगमन के बाद रांची स्थित लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 29 दिसंबर को जमशेदपुर जाएंगी, जहां वह एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके साथ ही वह ओलचिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगी। इस कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति और भाषा की समृद्ध परंपरा को रेखांकित किया जाएगा। जमशेदपुर से वापसी के बाद राष्ट्रपति रांची लौटकर लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। राष्ट्रपति 30 दिसंबर को गुमला जिले के रायडीह में आयोजित जनसांस्कृतिक समागम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 28 और 29 दिसंबर को रांची स्थित लोकभवन में रात्रि विश्राम करेंगी।

हाथियों की आवाजाही से टाटानगर रेलखंड प्रभावित, कई मेमू और पैसेंजर ट्रेनें रद्द

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिला स्थित चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत टाटानगर से जुड़ी रेल सेवाएं एक बार फिर प्रभावित हुई हैं। बुधवार को रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 18 और 19 दिसंबर 2025 को टाटानगर, चक्रधरपुर, राउरकेला और झारसुगुड़ा रेलखंड में चलने वाली कई मेमू और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया है। रद्द की गई ट्रेनों में राउरकेला–टाटानगर मेमू, चक्रधरपुर–राउरकेला–चक्रधरपुर मेमू, रांची–झारसुगुड़ा–रांची मेमू, राउरकेला–झारसुगुड़ा–राउरकेला मेमू तथा बरामपुड़ा–बिसरा–बरामपुड़ा पैसेंजर ट्रेन शामिल हैं। ये सभी ट्रेनें 18 और 19 दिसंबर को नहीं चलेंगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार नक्सन–राउरकेला, चक्रधरपुर–राउरकेला और राउरकेला–झारसुगुड़ा रेलखंड में हाथियों की लगातार आवाजाही देखी जा रही है। इस कारण ट्रेनों के परिचालन में जोखिम बढ़ गया है। किसी भी तरह की दुर्घटना से बचाव और यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। रेल प्रशासन ने टाटानगर से यात्रा करने वाले यात्रियों को सलाह दी है कि वे स्टेशन आने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें तथा यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करें।

जसीडीह-एसएमवीटी बेंगलुरु-जसीडीह एक्सप्रेस की संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू

दक्षिण पश्चिम रेलवे के तहत एसएमवीटी बेंगलुरु एवं बानसवाडी स्टेशनों में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण, **22306 जसीडीह-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 02.01.2026) ह्वाइटफील्ड स्टेशन में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी एवं **22305 एसएमवीटी बेंगलुरु-जसीडीह एक्सप्रेस** (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 04.01.2026) ह्वाइटफील्ड स्टेशन से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी एवं ह्वाइटफील्ड एवं एसएमवीटी बेंगलुरु स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक
पूर्व रेलवे
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

Office of the Executive Engineer
Road Construction Department, Road Division,Garhwa.

e-Procurement Notice
For National Competitive Bidding
e-Tender Reference No. : RCD/GARHWA/1253/2025-26
Date:- 17.12.2025

1.	Name of the work	**IRQP Work of Garhwa-Shahpur Road (Total Length 13.00 km.) under Road Division, Garhwa**
2a.	Approximate Value of Work	Rs. **14,96,40,000.00** (Rupees Fourteen crore Ninety Six Lac Forty thousand) only.
b.	Bid Security*	Rs. **14,97,000.00** (Rupees Fourteen Lac Ninety Seven thousand) only.
3.	Time of Completion	05 (Five) Months.
4.	Date of Publication of Tender on website	02-01-2026, 10.30 A.M.
5.	Last date/Time for receipt of bids	16-01-2026, 12.00 Noon
6.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer,RCD, Road Division, Garhwa Pin Code - 822114
7.	Contact no. of Procurement officer	**06561-295161**
8.	Helpline number of e-Procurement cell	**0651-2401010**

Note :- The Bid Amount & Bid security will be decrease or increase.
Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in
UCAN registration is mandatory for the bidders who are already registered in appropriate class with road construction department Govt. of Jharkhand.

Executive Engineer,
Road Construction Department,
Road Division,Garhwa.

PR 368806 Road(25-26).D

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Limited
(CIN: U40108JH2013SGC001704)
Regd. Office: SLDC Building, Kusai Colony, Doranda, Ranchi – 834002, JH
Phone: 0651-2400804 Website: www.jusnl.in
Office of the : General Manager Transmission Zone – IV, Medininagar (Daltonganj)
Address-Sudna, Daltonganj / e-mail : gmtzdal@gmail.com

e-TENDER NOTICE

e-Tender in two parts i.e. technical (Part–I) and Financial (Part-II) is invited from reputed, capable, experienced and financially sound contractors for the under mentionedwork:-

Sl. No.	e-N.I.T. No.	Description of works	e-tender fee (Rs.) (non-refundable) including GST 18%	E. M. Deposit (Rs.)	Estimated Cost
1.	600/PR/ JUSNL/ 2025-26	Tightening of jumper at Tension type tower as well as painting of tower footing in 220 KV D/C Daltonganj (PGCIL)- Bhagodih transmission line under jurisdiction of Transmission Sub Division Bhagodih.	2950.00	29,750.00	14,85,460.00
Availability of Tender Documents on e-Tender website			From 23.12.2025 at 02.00PM to 13.01.2026 at 02.00PM		
Start Date & Time of upload of BID			23.12.2025 at 02.00PM		
End date and time of upload of BID			13.01.2026 at 02.00PM		
BID Opening date for Technical Part (Part-I)			14.01.2026 at 04:00PM		
BID Opening date for Price Part			Will be communicated later on		
Tender Inviting Authority and address for communication			General Manager, Transmission Zone-IV, Medininagar, Bypass Road, Sudna, Near SinchaiVibhag, Medininagar – 822101, Jharkhand		

1. e-Tender document and BOQ including terms & conditions, tender specification can be downloaded from website http://jharkhandtenders.gov.in. Any details / clarification required in this regard can also be obtained from the office of the undersigned during office hours. Please contact 8271433009 for any enquiry.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. Bidder shall deposit tender fee & EMD as mentioned above through online mode as per rules of e-tendering portal.
4. If there is sudden announcement of holiday by Govt. or Nigam on the date of opening of tender then the next working day will be considered.
5. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-IV, Medininagar

PR 368801 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26).D

कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
नावघाट बन्दोबस्ती हेतु आम डाक सूचना (3rd Call)

इस कार्यालय के आम सूचना ज्ञापांक 2263/जि0प0, दिनांक 01.11.2025 (PR No- 365228) तथा आम सूचना ज्ञापांक 2300/जि0प0, दिनांक 13.11.2025 (PR No- 366052) के माध्यम से नावघाट रानीदेवा एवं देवरी के एक वर्षीय बन्दोबस्ती हेतु निविदा आमंत्रित की गई थी। परन्तु किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा डाक में भाग नहीं लिया गया। उक्त के आलोक में निर्णय लिया गया है कि गत वर्ष के डाक बन्दोबस्ती की राशि में 10% की वृद्धि के साथ पुनः डाक आमंत्रित किया जाय। अतः एतद् द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि पलामू जिला परिषद, अन्तर्गत निम्नांकित नावघाटों (तरणीघाटों) का वर्ष 2025–26 के लिए बन्दोबस्ती आम डाक के माध्यम से उप विकास आयुक्त –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पलामू के कार्यालय प्रकोष्ट में की जायेगी :–

क्र0सं0	नावघाट का नाम	थाना	नदी का नाम	न्यूनतम डाक की राशि	जमानत की राशि	डाक की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5	6	7
1	रानीदेवा	हुसैनाबाद	सोन नदी	781000.00	195250.00	27-12-2025 11:00 AM
2	देवरी	हुसैनाबाद	सोन नदी	616000.00	154000.00	

जो व्यक्ति या संस्था डाक बोलना चाहे वे जिला परिषद, पलामू कार्यालय में कॉलम संख्या– 6 में अंकित जमानत राशि का बैंक ड्राफ्ट/**Cash** जो सचिव, जिला परिषद, पलामू (**Secretary, Zila Parishad, Palamu**) के पदनाम से देय एवं डालटनगंज में भुगतेय होगा) तथा पहचान पत्र (आधार) के साथ डाक के एक दिन पूर्व अपना नाम दर्ज करा लेंगे तदोपरान्त उन्हें डाक में भाग लेने की अनुमति दी जायेगी।

डाक की कुल राशि डाक समाप्ति के तुरन्त बाद एक मुस्त जमा करा देना होगा। इच्छुक व्यक्ति को डाक से पूर्व अपने पहचान पत्र की छायाप्रति कार्यालय में जमा करना आवश्यक होगा। जिस व्यक्ति या संस्था के पास नावघाट की पूर्व की बन्दोबस्ती की राशि बाकी होगी अथवा जिनका एकरारनामा निबंधन लम्बित होगा उन्हें अगामी 03 वर्षो तक डाक बोलने का अधिकार नहीं होगा। दो डाक की बोली में न्यूनतम 10000.00 रूपये के अन्तर का होना अनिवार्य होगा।

उच्चतम डाक बोलने वाला व्यक्ति या संस्था यदि डाक बोलने के बाद बन्दोबस्ती नहीं लेगा, तो उसकी जमानत की राशि सोख्त (फोरफीट) कर ली जायेगी। सचिव जिला परिषद, पलामू को यह अधिकार सुरक्षित रहेगा कि वे बिना कोई कारण बताए किसी भी डाक को अस्वीकृत कर सकेंगे। बन्दोबस्ती लेने वाले व्यक्ति या संस्था को बंगाल फेरी अधिनियम अन्तर्गत बने नियमों का पालन करना होगा।

नोट :– 1. यदि तीसरी बार भी किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा डाक में भाग नहीं लिया जाता है तो उस परिस्थिति में एकल व्यक्ति/संस्था को नावघाट आवंटित करने हेतु जिला परिषद स्वतंत्र होगा।

नोट :– 2. नावघाट के डाक में 5–10 वर्ष के अनुभव रखने वाले नाविक/संगठन/समिति/अन्य व्यक्ति को प्राथमिकता दिया जायेगा।

ह0/–
उप विकास आयुक्त –सह–
मुख्य कार्यापालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, पलामू।

PR 368765 District(25-26)D

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव, गोलीबारी के बाद सुरक्षा बल अलर्ट

बिष्णुपुर, एजेंसी। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के बाहरी इलाकों में मंगलवार रात गोलीबारी के बाद राज्य में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चूड़ाचांदपुर जिले की सीमा से लगे तोरबंग और फौगाकचाओ इखाई इलाकों के पास कई बार गोलीबारी की गई। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा, ''हम गोलीबारी के कारण और उसके मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।'' पहाड़ी इलाकों के पास हुई ताजा गोलीबारी से स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर भेजा गया है। इस बीच जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर में सरकार बनाने कयावद जारी है। इस दिशा में बीजेपी नेतृत्व ने राज्य के बीजेपी विधायकों के साथ कई दौर की बातचीत की है। इससे पहले 3 मई, 2023 को हिंसा भड़कने के बाद पहली बार कुकी समुदाय और मैतेई समुदाय के बीजेपी विधायक पार्टी नेतृत्व के साथ चर्चा में एक साथ बैठे। बैठक में कुल 34 बीजेपी विधायकों ने हिस्सा लिया, जिनमें मणिपुर विधानसभा के स्पीकर सत्यब्रत और पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह भी शामिल थे।

हरिद्वार मार्ग पर खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, चार की मौत

ऋषिकेश, एजेंसी ।ऋषिकेश-हरिद्वार मार्ग पर मंगलवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। पीएनबी सिटी गेट के पास करीब रात 11:30 बजे तेज रफ्तार से आ रही एक एक्सयूवी-500 कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, हरिद्वार की ओर से ऋषिकेश की तरफ आ रही एक्सयूवी-500 कार, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर यूके07 एफएस 5587 था, अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक (एचआर 58 ए 9751) से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी चार युवक कार के अंदर बुरी तरह फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे चारों युवकों के शव बाहर निकाले। इसके बाद सभी शवों को एंबुलेंस के माध्यम से एम्स ऋषिकेश की मोर्चरी भेजा गया। इस हादसे की वजह से सड़क पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। फिलहाल मृतकों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है। पुलिस का कहना है कि दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार और सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराना हादसे की मुख्य वजह मानी जा रही है। इससे पहले, अल्मोड़ा के ताकुला हाईवे पर 4 दिसंबर की रात एक बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। सिरकोट से करीब एक किलोमीटर आगे डांठ गधेरे के पास एक कार अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई थी। बाद में ग्रामीण, पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कटर की मदद से कार का दरवाजा काटकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला।

307 करोड़ से चमकेंगी गाजियाबाद की सड़कें, 15 महीने में हो जाएंगी तैयार

गाजियाबाद , एजेंसी। सीएम ग्रिड योजना के दूसरे चरण में ट्रांस हिंडन की छह सड़कों को संवारा जाएगा। 307 करोड़ रुपये से होने वाले इस कार्य का मंगलवार को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और महापौर सुनीता दयाल ने शिलान्यास किया। सभी सड़कें 15 माह में मॉडल के रूप में तैयार हो जाएंगी। सीएम ग्रिड योजना के तहत शहर की प्रमुख सड़कों को इस तरह तैयार किया जा रहा। इन सड़कों के बनने के बाद खुदाई नहीं की जाएगी, क्योंकि सड़कों के साइड में पहले से ही सीवर, पेयजल, विद्युत लाइन शिफ्ट की जाएगी। अतिरिक्त डक्ट भी तार और किसी अन्य लाइन के लिए बनाई जा रही है। दूसरे चरण में इंदिरापुरम में काला पत्थर रोड, काला पत्थर रोड से सुशीला नैय्यर रोड होते हुए कैप्टन मनोज पांडेय मार्ग, कस्तूरबा गांधी मार्ग से होते हुए कैप्टन मनोज पांडेय मार्ग, सुशीला नैय्यर मार्ग से शिप्रा मॉल, काला पत्थर मार्ग तक, वैशाली सेक्टर 4, 5 में धर्मा मार्ग, हर्षवर्द्धन मार्ग से जुड़ा रोड और डाबर तिराहा से चौधरी चरण सिंह मार्ग का चयन हुआ था।

लुधियाना के ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में भारी बवाल

पुलिस पर 250 कैदियों का हमला

लुधियाना, एजेंसी। लुधियाना के ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में मंगलवार शाम को कैदियों के दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। जब जेल प्रशासन और पुलिस जवानों ने उन्हें कंट्रोल करने का प्रयास किया तो कैदियों ने पुलिस अधिकारियों पर हमला कर दिया और ईंट मार कर जेल सुपरिंटेंडेंट कुलवंत सिद्धू का सिर फोड़ दिया। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। इस हिंसा से जेल में अफरातफरी मच गई है और यहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

ताजपुर रोड स्थित सेंट्रल जेल में मंगलवार दिन के समय में कैदियों में लड़ाई हुई थी। इसके बाद शाम 7 बजे दोबारा कैदियों के बीच किसी बात को लेकर झड़प हो गई। जेल सुपरिटेंडेंट सिद्धू अन्य अफसरों के साथ हालात शांत करने पहुंचे तो कैदियों ने उन पर भी हमला कर दिया। एक कैदी ने उनके सिर पर ईंट मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

घायल अवस्था में उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। अन्य

अफसरों ने भाग कर जान बचाई। करीब 200 से 250 कैदियों ने पुलिस वालों पर हमला किया है। घटना के तुरंत बाद सेंट्रल जेल के बाहर माहौल तनावपूर्ण हो गया। जेल परिसर के अंदर से करीब 20 मिनट तक सायरन की आवाजें सुनाई देती रही।

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा भी जेल पहुंचे हैं। मामले की जानकारी जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर तक भी पहुंच गई है। उन्होंने जेल अधिकारियों से पूरी स्थिति की रिपोर्ट तलब की है। जेल में एम्बुलेंस और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और जेल परिसर को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी जेल परिसर में डटे हुए हैं और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे पहले इसी साल सितम्बर में ताजपुर रोड सेंट्रल जेल में दो विचाराधीन कैदी आपस में भिड़ गए। झगड़े में एक कैदी ने दूसरे पर तेजधार चम्मच से हमला कर दिया, जिससे दूसरे कैदी के सिर पर गंभीर चोट आई थी।

दिन में हुआ झगड़ा, शाम को दोबारा भिड़े कैदीः जानकारी के अनुसार, सेंट्रल जेल में बीते दिन सुबह दो गैंग के बदमाशों में झगड़ा हुआ था, जिसके बाद वो शाम में फिर भिड़ गए। इसी बीच अधिकारी रूटीन चेकिंग के लिए अंदर गए थे। तभी कैदियों ने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया।

12 थानों की पुलिस लगानी पड़ीः उधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। हालात इतने खराब थे कि स्थिति नियंत्रित करने के लिए 12 थानों की पुलिस लगानी पड़ी। काफी मशक्कत के बाद देर रात को पुलिस ने हालात पर काबू पाया। जेल मंत्री ने रिपोर्ट तलब कीः पुलिस कमिश्नर स्वपन शर्मा भारी पुलिस बल के साथ जेल पहुंचे और हालात को नियंत्रित किया। जेल परिसर के भीतर और बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

नूंह-तावडू में भी बनेंगे सेक्टर?

विधायक ने पंचकूला में एचएसवीपी अफसरों संग बैठक में की चर्चा

नूंह , एजेंसी। हरियाणा के नूंह-तावडू में भी सेक्टर विकसित करने की तैयारी तेज हो गई है। नूंह के विधायक चौधरी आफताब अहमद ने इसको लेकर मंगलवार को पंचकूला में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के अधिकारियों संग बैठक की, जिसमें किसानों के मुआवजे और सेक्टर विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। गौरतलब है कि नूंह में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण का अभी एक भी सेक्टर विकसित नहीं हुआ है।

विधायक चौधरी आफताब अहमद ने एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक चन्द्रशेखर खारे आईएएस सहित अधिकारियों से नूंह और तावडू में सेक्टर विकसित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि नूंह, शाहपुर नंगली, पल्ला और फिरोजपुर नमक क्षेत्र की जमीन सेक्टर-1, 2 और 9 के लिए अधिकृत की गई थी। कुछ किसानों को मुआवजा मिल चुका है, जबकि कई किसानों को अब तक भुगतान नहीं हुआ है। ऐसे किसानों को कोर्ट के आदेश के अनुसार बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाना चाहिए।

कांग्रेस सरकार के समय सेक्टर विकसित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन वर्षों बाद भी काम पूरा नहीं हुआ। उन्होंने नीलामी के बजाय ड्रॉ प्रणाली को गरीबों के हित में बताया और कहा कि नीलामी से आम लोगों को नुकसान होता है।

उन्होंने कहा कि नूंह और तावडू में सेक्टरों की सख्त जरूरत है, क्योंकि यहां जिला लघु सचिवालय, शहीद हसन खान मेवाती मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थान पहले से मौजूद हैं। विधायक ने उम्मीद जताई कि दोनों शहरों में सेक्टर विकास का काम शुरू होगा। विधायक ने बताया कि वर्ष 2009 में नूंह और तावडू में सेक्टरों के लिए जमीन अधिग्रहण की गई थी, जिसे 2017 में भाजपा सरकार ने रद्द कर दिया। बाद में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने सरकार के इस फैसले को रद्द कर जमीन फिर से सरकार के पास कर दी। ऐसे में अब सेक्टर विकसित करने का रास्ता साफ है।

बिना बुर्के मायके जाने पर युवक ने की बीवी और दो बेटियों की हत्या

शामली, एजेंसी। यूपी के शामली से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां कांधला थाना क्षेत्र के गढ़ीदौलत में घरेलू विवाद और बिना बुर्के के मायके जाने पर पति ने अपनी पत्नी एवं दो मासूम बेटियों की हत्या कर शवों को घर में करीब नौ फीट गहरा गड्ढा खोदकर दबा दिया। छह दिन बाद मंगलवार को पुलिस पूछताछ में आरोपी ने हत्या करना कबूल किया। रात करीब दस बजे पुलिस ने घर में खुदाई कराकर तीनों शवों को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम को भेजा। कांधला थाना क्षेत्र के गांव गढ़ीदौलत के रहने वाले दाउद के बेटे फारुख के पांच बच्चे हैं। वह अपने पिता दाऊद से अलग मकान में रहता था। फारुख की 32 साल की पत्नी ताहिरा एवं दो बेटी 12 साल की आफरीन और 5 साल की छोटी सारीन 10 दिसंबर से लापता थीं। शक होने पर मंगवार शाम को फारुख के पिता दाऊद ने पुलिस से शिकायत की। ग्राम प्रधान ने भी लापता होने की शिकायत की। पुलिस ने फारुख को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने तीनों की हत्या कर शव को घर में दफनाना कबूल कर लिया। इस मामले एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके गांव के फारुख की पत्नी और 2 बेटियां गायब हैं। इस पर चौकी इंचार्ज और एसएचओ ने फारुख से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह होटल में रोटी बनाने का काम करता था। करीब एक महीने पहले पत्नी पैसे मांग रही थी। इस पर विवाद हुआ था और बिना बुर्के पत्नी बच्चियों को लेकर मायके चली गई थी। इस बात को लेकर परेशान था कि इज्जत चली गई। फिर जाकर पत्नी और बच्चियों को लेकर घर लेते आया और तभी से उसे मारने का प्लान बनाया।

'भारत चुप नहीं रहेगा', बांग्लादेशी नेताओं पर भड़के हिमंत बिस्वा सरमा

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर भारत को अलग करने संबंधी बांग्लादेशियों के बयान को खतरनाक बताया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि बांग्लादेशियों का एक वर्ग बार-बार यह कह रहा है कि भारत के पूर्वोत्तर हिस्से को पड़ोसी देश में मिला दिया जाना चाहिए, जो कि गैरजिम्मेदाराना और खतरनाक बयान है। भारत इस पर चुप नहीं रहेगा।

सरमा बांग्लादेश की नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी के वरिष्ठ नेता हसनत अब्दुल्ला के सोमवार के उस बयान पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर नई दिल्ली उनके देश (बांग्लादेश) को अस्थिर करने का प्रयास करती है, तो ढाका को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को अलग-थलग कर देना चाहिए और क्षेत्र में अलगाववादी तत्वों को समर्थन देना चाहिए।

हिमंत सरमा की चेतावनी

मुख्यमंत्री ने लुमडिंग में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'पिछले एक साल से उस देश से बार-बार ऐसे बयान आ रहे हैं कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों को अलग करके बांग्लादेश का हिस्सा बना दिया जाना चाहिए।' सरमा ने कहा कि भारत एक बहुत बड़ा देश है, परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। बांग्लादेश इसके बारे में सोच भी कैसे सकता है?

सीएम सरमा ने कहा कि इसके बारे में सोचना भी गलत है, लेकिन बांग्लादेश के लोगों की सोच ही गलत है। सरमा ने कहा कि इस मानसिकता को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए और बांग्लादेश को किसी भी तरह से ज्यादा मदद नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें उन्हें सबक सिखाना चाहिए कि अगर वे इसी तरह का व्यवहार करते रहे तो हम चुप नहीं बैठेंगे।'

हसनत अब्दुल्लाह कौन है

हसनत अब्दुल्लाह पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन में अहम भूमिका निभाने वाले छात्र आंदोलन के प्रमुख नेता थे।

भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर कसा तंज

कहा- देश का नाम दीनदयाल उपाध्याय नगर न रख दिया जाए

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को केंद्र सरकार के 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक 2025' पर कटाक्ष किया। सीएम ने कहा कि उन्होंने रेलवे स्टेशनों और शहरों के नाम बदल दिए और अब देश का नाम बदलना बाकी है। यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर लाया गया है। आम आदमी पार्टी के नेता मान ने यह बात ग्रामीण रोजगार के लिए विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)' (विकसित भारत- जी राम जी) विधेयक, 2025 से जुड़े सवाल के जवाब में कही, जिसे विपक्ष की आपत्तियों के बीच लोकसभा में पेश किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति वर्ष 125 दिनों के लिए रोजगार की गारंटी देना और 20 साल पुरानी मनरेगा योजना का स्थान लेना है।

मुख्यमंत्री मान ने कहा, 'उन्होंने रेलवे स्टेशनों और शहरों के नाम बदल दिए। अब सिर्फ देश का नाम बदलना बाकी है।' उन्होंने साथ ही यह भी आशंका जताई कि कहीं देश का नाम दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर न रख दिया जाए। मान ने कहा कि बदलाव काम करने से आएगा, नाम बदलने से नहीं। सीएम मान ने प्रेस वार्ता में एक पत्रकार की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अगर आपका नाम अमिताभ बच्चन या शाहरुख खान रखा जाए तो क्या आप वो बन पाएंगे या भीड़ को आकर्षित कर पाएंगे।'

सीएम मान ने शहरों के नाम बदले जाने का किया जिक्र

भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के दौरान शहरों के नाम बदले जाने का जिक्र करते हुए भगवंत मान ने कहा, 'आप इसे प्रयागराज कहें या इलाहाबाद, लोग काम चाहते हैं, नाम से क्या फर्क पड़ता है?' आप नेता ने कहा कि अगर आप लोगों के लिए कुछ काम करते हैं, तो आपके जाने के बाद भी लोग हर चौराहे पर आपकी मूर्तियां लगाएंगे और आपको याद रखेंगे। इसी बीच, मुख्यमंत्री से सोमवार को मोहाली में 30 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी कंवर दिग्विजय सिंह की हत्या के लिए विपक्ष द्वारा आप सरकार पर निशाना साधने के बारे में पूछा गया। इस पर मान ने कहा कि अगर कोई सोचता है कि वे लूट और हत्या जैसी घटनाओं में लिप्त होकर चैन से सोएंगे, तो ऐसा नहीं होने वाला है। उनके साथ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में 50 गज से छोटे घरों को नहीं मिल रहे पानी-सीवर के कनेक्शन

नगर निगम की ये नीति बनी अड़ंगा

फरीदाबाद एजेंसी। फरीदाबाद शहर में 50 गज से छोटे मकानों को पानी-सीवर के कनेक्शन नहीं दिए जा रहे। नगर निगम की नीति इसमें अड़चन बन रही है। इसमें छोटे प्लॉट की प्रॉपर्टी आईडी बनाने पर रोक है और बिना प्रॉपर्टी आईडी के कनेक्शन देना मना है। नतीजतन नगर निगम के शिविरों से लोग खाली हाथ लौट रहे हैं। अतिरिक्त निगमायुक्त सलोनी शर्मा का कहना है कि मामले की जांच कराकर समाधान निकालेंगे। सूत्रों के मुताबिक, निगम की नीति के अनुसार शहर में 50 गज से कम क्षेत्रफल वाले प्लॉट या मकानों की प्रॉपर्टी आईडी नहीं बनाई जा रही है। इसी वजह से ऐसे लाखों परिवार आधिकारिक रूप से बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। प्रॉपर्टी आईडी न होने पर पानी और सीवर के कनेक्शन नहीं मिल पा रहे। निगम की ओर से कनेक्शन नियमित करने के लिए शहर में जगह-जगह शिविर लगाए जा रहे हैं। इनमें रजिस्ट्री के साथ प्रॉपर्टी आईडी अनिवार्य रूप से मांगी जा रही है। जिनके पास प्रॉपर्टी आईडी नहीं है, वे शिविरों से निराश होकर लौट रहे हैं। लोगों का कहना है कि नीति के कारण उनकी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। निगम ने जीआईएस (ज्योग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम) तैयार करने के लिए एक निजी कंपनी से पूरे शहर का सर्वे करवाया था। ड्रोन से किए गए सर्वे में करीब साढ़े 7 लाख प्रॉपर्टी चिन्हित की गई हैं। इनमें बड़ी संख्या 50 गज से कम क्षेत्रफल वाले प्लॉट और मकानों की बताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि निगम की नीति के तहत 50 गज से कम प्लॉट का विभाजन मान्य नहीं है। ऐसे में छोटे प्लॉटों पर बने मकानों की प्रॉपर्टी आईडी नहीं बनाई जा सकती।

यूपी में कैबिनेट विस्तार की सुगबुगाहट, मिल सकता है तीसरा डिप्टी सीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी को नया अध्यक्ष मिल चुका है। इसके बाद अब कैबिनेट विस्तार की अटकलें चल रही हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश को जल्द नया उपमुख्यमंत्री मिल सकता है। इस पद के लिए पूर्व सांसद साध्वी निरंजन ज्योति को सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार जल्द किया जा सकता है। इस दौरान छह तक नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। फिलहाल योगी सरकार में 54 मंत्री हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 60 है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस फेरबदल में कुछ मौजूदा मंत्रियों की छुट्टी भी हो सकती है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी से बगावत कर चुके नेताओं को भी मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है। ऐसे दो से तीन नेताओं को शामिल किए जाने की चर्चा है। सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पुत्र और नोएडा से विधायक पंकज सिंह को भी मंत्री बनाए जाने पर विचार चल रहा है। इसके अलावा वर्तमान यूपी बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के भी राज्य मंत्रिमंडल में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

समाजवादी पार्टी के बागी नेताओं में पूजा पाल, मनोज पांडेय और महेंद्र सिंह के नाम चर्चा में हैं। वहीं, मंत्रिमंडल विस्तार में केवल बीजेपी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) और अपना दल के नेताओं को भी प्रतिनिधित्व मिल सकता है। पंकज चौधरी के नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अब सबकी निगाहें भूपेंद्र चौधरी पर है, जो कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक जाट नेता की तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं। वह प्रदेश अध्यक्ष से पहले योगी कैबिनेट में मंत्री भी थी। इस बात की संभावना है कि उन्हें फिर से मंत्री पद दिया जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत हारा कहने वाले कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण बोले- मैं माफी क्यों मांगू

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर कही गई बात पर माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि सवाल पूछने का अधिकार संविधान देता है। हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चव्हाण ने दावा किया था कि भारत ऑपरेशन सिंदूर के पहले ही दिन हार गया था। साथ ही उन्होंने सेना में लाखों सैनिकों की मौजूदगी पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि ज्यादा सैनिकों को कुछ और काम पर लगाया जाना चाहिए।

सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में चव्हाण ने कहा, 'मैं क्यों माफी मांगूंगा? संविधान ने मुझे सवाल पूछने का अधिकार दिया है...।' उन्होंने बताया कि वह इस मुद्दे पर जल्द ही मीडिया से विस्तार से बात करने वाले हैं। जब सवाल किया गया कि क्या उनकी तरफ से दिया गया बयान गलत था क्या? इसपर उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं था।'

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की हार का दावा

एएनआई के अनुसार, पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चव्हाण ने कहा, '(ऑपरेशन सिंदूर) के पहले ही दिन पूरी तरह से हार चुके थे। 7 मई को चले आधे घंटे के हवाई संघर्ष में हार गए थे। अब लोग इसे स्वीकार करें या न करें। भारतीय विमान गिरा दिए गए थे। वायुसेना पूरी तरह से जमीन पर थी और एक भी विमान नहीं उड़ा। अगर कोई विमान ग्वालियर, बठिंडा या सिरसा से उड़ता तो इस बात की काफी संभावनाएं थीं कि उसे पाकिस्तान गिरा देता। इसके चलते वायुसेना पूरी तरह से जमीन पर थी।' पीटीआई भाषा के अनुसार, चव्हाण ने कहा, 'सेना की बात करें तो हमारे पास 12 लाख से 15 लाख सैनिक हैं, जबकि पाकिस्तान के पास पांच लाख से छह लाख सैनिक हैं। लेकिन इसका (बड़ी संख्या का) कोई महत्व नहीं है क्योंकि उस तरह का युद्ध (जमीनी स्तर पर) अब नहीं होगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना', काम करने के दिनों में होगी बढ़ोतरी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा गांवों के अकुशल लोगों के लिए काम पाने और अपनी आजीविका चलाने का एक बहुत बड़ा सहारा है। अगर किसी ग्रामीण को और कहीं काम न मिले तो वह मनरेगा के तहत रोजगार पा सकता है। इस कानून के तहत सौ दिन के कार्य की गारंटी दी गई है। केंद्र सरकार ने अब इन कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाकर एक सौ पच्चीस करने का फैसला किया है और इससे संबंधित विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है।इसे अब मनरेगा नहीं बल्कि 'पूज्य बापू ग्रामीण रोजगार योजना' के नाम से जाना जाएगा। यानी अब इसके नए स्वरूप में काम की गांरटी होगी या नहीं, इसको लेकर अभी आधिकारिक रूप से स्थिति स्पष्ट नहीं है। मगर कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाने का निर्णय देश की ग्रामीण आबादी के लिए रोजगार के लिहाज से एक महत्त्वपूर्ण कदम है, क्योंकि ग्रामीण इलाकों में आज भी रोजगार का अभाव है और अगर सौ दिन काम मिल भी जाए, तो उसके पारिश्रमिक से घर-परिवार चलाना व्यावहारिक रूप से बहुत मुश्किल है। यह दूसरी बार है, जब इस कानून या योजना का नाम बदला गया है। इसे वर्ष 2005 में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) के नाम से लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2009 में इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) कर दिया गया। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की आजीविका सुरक्षा को बढ़ाना है। इसके तहत प्रत्येक परिवार के अकुशल सदस्यों को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम सौ दिनों का गारंटीकृत रोजगार प्रदान करने का प्रावधान है।अब उसके कार्य दिवस में बढ़ोतरी की पहल स्वागतयोग्य है, लेकिन यह सही मायने में तभी सफल मानी जाएगी, जब इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से अमल में लाया जाए। इसमें दोराय नहीं कि कोविड महामारी के दौरान जब कई उद्योग-धंधे बंद हो गए और हजारों लोग बेरोजगार हुए, तो इसी योजना ने ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सहारा दिया था। देश भर में करोड़ों परिवारों की आजीविका का एक हिस्सा इस योजना पर टिका हुआ है। ग्रामीण इलाकों में इस रोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर पहले से चुनौतियां कम नहीं हैं। शुरुआत से ही इसे लेकर कई तरह की अनियमितताओं के मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें गारंटी के मुताबिक सौ दिन का रोजगार न मिलना, कागजों में फर्जी तरीके से रोजगार देना और वित्तीय गड़बड़ियां प्रमुख हैं। अब काम के दिनों में बढ़ोतरी तभी सार्थक होगी, जब पुरानी गड़बड़ियां और अनियमितताओं को दूर किया जाए। ऐसे में इस योजना की निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र स्थापित करना भी सरकार की प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए।एक अन्य चुनौती आर्थिक बजट की है, सरकार पर इस योजना के लिए धन आबंटन में कटौती के आरोप भी लगते रहे हैं। हालांकि, सरकार का तर्क है कि यह मांग आधारित योजना है और मांग बढ़ने पर धनराशि का आबंटन भी बढ़ाया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम के दिन बढ़ाने के सरकार के निर्णय को इस नजरिए से भी देखा जाना चाहिए कि अगर रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर सृजित किए जाएं, तो गरीब परिवारों को मुफ्त राशन मुहैया कराने जैसी योजनाओं की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने से ज्यादा जरूरी है कि लोगों को रोजगार से जोड़ा जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकर्ताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

(ललित गर्ग)

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। भारतीय राजनीति में लंबे समय से जिस क्षण की प्रतीक्षा थी, वह अब एक निर्णायक मोड़ पर आ खड़ी हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। यद्यपि यह नियुक्ति औपचारिक रूप से अस्थायी कही जा रही है, किंतु जिस प्रकार से इस निर्णय का पार्टी के भीतर और बाहर स्वागत हो रहा है, उससे यह संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है। नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है-जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य माना जाता है। भाजपा की चुनावी सफलताओं में संघ की भूमिका सदैव निर्णायक रही है-चाहे वह विचार-प्रसार हो, कार्यकर्ता निर्माण हो या सामाजिक संपर्क। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी। भाजपा की राजनीति में एक विशेष परंपरा रही है-जहां कयास कुछ और होते हैं और निर्णय बिल्कुल अलग दिशा से आता है। अनेक नाम चर्चा में रहते हैं, अनेक चेहरे मंजिल के निकट आकर भी ठहर जाते हैं, किंतु अंतिम निर्णय अक्सर सबको चौंकाने वाला होता है। यही भाजपा की 'चमत्कार करने वाली' संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है। यह निर्णय उन तमाम अटकलों पर विराम लगाने की क्षमता रखता है, जो लंबे समय से अध्यक्ष पद को लेकर पार्टी के भीतर चल रही थीं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भाजपा में पद नहीं, क्षमता निर्णायक होती है। नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफ़र अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनके राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं। नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। अभी उन्हें जेपी नड्डा की जगह पर भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया है जो अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। पुष्पम प्रिया चौधरी भी इस चुनाव में भारी अंतर से हार गईं। वे पटना जिले के बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले बिहार विधान सभा के सदस्य हैं। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया।

लौहपुरुष सरदार पटेल और एकीकृत भारत की नींव

(योगेश कुमार गोयल)

वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया। राष्ट्रीय एकता के प्रति सरदार पटेल की निष्ठा आजादी के इतने वर्षों बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक है। एकता की मिसाल कहे जाने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल गुजरात के नाडियाद में एक किसान परिवार में 31 अक्तूबर 1875 को जन्मे थे, जिन्होंने सदैव देश की एकता को सर्वोपरि माना। सरदार पटेल ने भारत को खण्ड-खण्ड करने की अंग्रेजों की साजिशों को नाकाम करते हुए बड़ी ही कुशलता से आजादी के बाद करीब 550 देशी रियासतों तथा रजवाड़ों का एकीकरण करते हुए अखण्ड भारत के निर्माण में सफलता हासिल की थी। राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता का परिचय देते हुए स्वतंत्र भारत को एकजुट करने का असाधारण कार्य बेहद कुशलता से सम्पन्न करने के लिए जाने जाते रहे सरदार पटेल का देहांत दिल का दौरा पड़ने के कारण 15 दिसम्बर 1950 को 75 वर्ष की आयु में हो गया था और इसी दिन को प्रतिवर्ष 'सरदार पटेल स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। देश के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार पटेल का भारत के राजनीतिक एकीकरण के लिए अविस्मरणीय योगदान रहा। सरदार पटेल ने लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू की थी। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों से अत्यधिक प्रेरित हुए और इसीलिए उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में हिस्सा लिया। वे भाई-भतीजावाद की राजनीति के सख्त खिलाफ थे और ईमानदारी के ऐसे पर्याय थे कि उनके देहांत के बाद जब उनकी सम्पत्ति के बारे में जानकारियां जुटाई गई तो पता चला कि उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। वह जो भी कार्य करते थे, पूरी ईमानदारी, समर्पण, निष्ठा और हिम्मत से साथ पूरा किया करते थे। उनके जीवन से जुड़े कई ऐसे प्रसंग सामने आते हैं, जो इस महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, कुशल प्रशासक के जीवन को समझने में सहायक हैं।एक किसान परिवार में जन्मे वल्लभ भाई पटेल जब छोटे थे, तब अपने पिताजी के साथ खेत पर जाया करते थे। एक दिन जब उनके पिताजी खेत में हल चला रहे थे तो वल्लभ भाई पटेल उन्हीं के साथ चलते-चलते पहाड़े याद कर रहे थे। उसी दौरान उनके पांव में एक बड़ा सा कांटा चुभ गया किन्तु वे हल के पीछे चलते हुए पहाड़े कंठस्थ करने में इस कदर लीन हो गए कि उन पर कांटा चुभने का कोई प्रभाव ही नहीं पड़ा। जब एकाएक उनके पिताजी की नजर उनके पांव में घुसे बड़े से कांटे और बहते खून पर पड़ी तो उन्होंने घबराते हुए बैलों को रोका और बेटे वल्लभ भाई के पैर से कांटा निकालते हुए घाव पर पत्ते लगाकर खून बहने से रोका। बेटे की यह एकाग्रता और तन्मयता देखकर वे बहुत खुश हुए और जीवन में कुछ बड़ा कार्य करने का आशीर्वाद दिया। वल्लभ भाई पटेल वकालत की पढ़ाई करने के लिए सन् 1905 में इंग्लैंड जाना चाहते थे लेकिन पोस्टमैन ने उनका पासपोर्ट और टिकट उनके भाई विठ्ठल भाई पटेल को सौंप दिए। दोनों भाइयों का शुरूआती नाम वी. जे. पटेल था, ऐसे में बड़ा होने के नाते उस समय विट्ठल भाई ने स्वयं इंग्लैंड जाने का निर्णय लिया।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5946

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5945

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

आज का राशिफल

मेष
आज के दिन आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आमदनी की बढ़ोतरी के लिए किए गए प्रयास शत प्रतिशत सफल रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों द्वारा प्राप्त धन से कोष वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों का सहयोग मिलेगा एवं नए अच्छे मित्र भी मिलेंगे। हालांकि, देर रात तक सब सामान्य हो जाएगा।

वृष
आज प्रॉपर्टी से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलेगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और वरिष्ठों के आशीर्वाद से समाज में मान सम्मान की प्राप्ति होगी। आज आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी और आप जनता के प्रिय बने रहेंगे। सायंकाल के समय परिवार के किसी सदस्य को शारीरिक कष्ट हो सकता है। इससे आपको कुछ देर परेशानी रहेगी।

मिथुन
आज का दिन अच्छा रहेगा। यदि पिछले दिनों से शरीर में कोई कष्ट चला आ रहा है तो उसमें सुधार होगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत दिख रहे हैं। भतीजे का सहयोग मिलने की संभावना बनी रहेगी। इस दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें।

कर्क
आज आपको शत्रुओं से सावधान रहना होगा। इसके बाद भी आपके अंदर निर्भीकता का भाव संचार करेगा। इसलिए आप निर्भयता से अपने कार्यों को संपन्न कराने में सक्षम रहेंगे। जीवन साथी के साथ आज संबंध बहुत मधुर रहेंगे। सायंकाल के समय अच्छे वाहन से यात्रा का संयोग बन रहा है। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी।

सिंह
आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आपको पत्नी पक्ष एवं पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में गुप्त शत्रु चुगली करेंगे जिससे सायंकाल के समय परेशानी हो सकती है। आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति वक्री चल रहा है। ऐसे में अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति भाव पूर्ण रखें।

कन्या
आज आपकी विद्या, बुद्धि और ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी। बृहस्पति शासन का प्रतिनिधि है, इसलिए शासन द्वारा आपको सम्मानित किए जाने की प्रबल संभावना है। शाम के समय धार्मिक अनुष्ठानों पर समय व्यतीत होगा।

तुला
आज के दिन आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। औपचारिकता में बिल्कुल भी न उलझना, आपको जो खाना हो, जो चाहिए, बेहिचक कह देना। यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है तो आज मिल सकता है। बुद्धि विवेक से लिए गए।

वृश्चिक
आज के दिन आपके अंदर परोपकार और दान पुण्य की भावना बढ़ेगी। आज आपका अधिक समय धार्मिक अनुष्ठानों में व्यतीत होगा। आत्म विश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में आपको अप्रत्याशित सफलता मिलेगी। पुराने रुके हुए कार्य थोड़ा खर्च करने से बन सकते हैं। नई योजनाओं पर आज के दिन काम शुरू हो सकता है। शत्रु आपके पराक्रम को देखकर हताश होंगे।

मकर
आज आपके लिए आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान के द्वारा किए गये श्रेष्ठ कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। शाम से लेकर रात तक किसी प्रिय व्यक्तियों के दर्शन से मन प्रफुल्लित रहेगा। सैर-सपाटे व मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। आप अपनी कार्यकुशलता से जीत, समृद्धि और सफलता प्राप्त करेंगे।

कुंभ
आज दिन आर्थिक लाभ लेकर आ रहा है। आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की अपार संभावना है। आपके संचित धन में वृद्धि के योग बनते दिख रहे हैं। तंत्र-मंत्र साधना में भी आपकी रुचि बढ़ सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें उस पर उल्टा ही असर होगा। रात्रि के समय पुण्य कार्य में लगेंगे, जिससे आपका मन शांत और प्रसन्न रहेगा। शाम के समय चोट लगने या किसी सामान के चोरी होने का भय लगा रहेगा।

धनु
आज के दिन आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के अपने छोटे भाई-बहनों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा। ऐसे में आपको अपने स्वभाव के प्रति गंभीर रहना होगा। अपनी कड़ी मेहनत से ही अपने कार्यों में सफल हो सकेंगे। भौतिक सुख साधनों पर खर्चा अधिक होता दिख रहा है। शत्रुओं पर आपको विजय मिलेगी और वे अपने षड़यंत्रों में सफल नहीं हो पाएंगे।

मीन
आज विद्यार्थियों के लिए दिन शुभ रहने वाला है। आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की ओर आपकी रुचि बढ़ेगी। नए कार्यों को सीखने का मौका मिलेगा और आप उसमें सफल भी होंगे। इस दौरान आप अपनी बातों को सही साबित करने में सफल रहेंगे। माता-पिता, गुरु के प्रति निष्ठा और भक्ति भाव प्रतिष्ठा वृद्धि में सहायक होगा।

वर्ग पहेली 5946

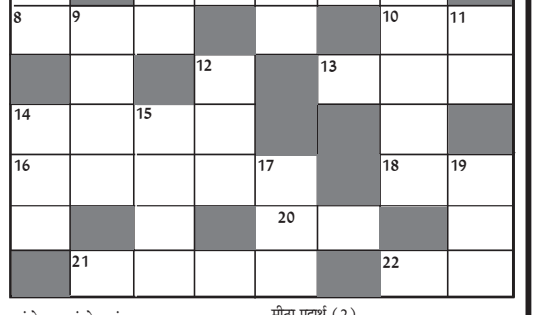

संकेत: बाएं से दाएं
1. 21 अप्रैल 1977 को मेजर जनरल जियउर्रहमान इस देश के राष्ट्रपति निुक्त हुए (4)
4. आश्रय, शरण लेने की जगह, परित्राण (3)
6. भयजनक, खतरे से पूर्ण (5)
8. मुग्ध होना, प्रसन्न हो (3)
10. दुर्भाव, द्वेष, वैर (2)
13. जिसकी कोई सीमा न हो, अनंत, बेहद,बेहिसाब (3)
14. अंदाज, अनुमान, कयास (4)
16. निषिद्ध करना, वर्जित करना (5)
18. वर्षा के जल को यह भी कहते है (2)
20. नेत्र, आंख, नयन (2)
21. करीने से काटना या कतरना (4)
22. पश्चिमी अफ्रीका के इस देश की राजधानी अकरा है (2)

ऊपर से नीचे
1. इस वाद्य का आविष्कार मतंग ने किया था मतंग का लिखा इस वाद्य का पहला ग्रंथ आज उपलब्ध नहीं है (3)
2. अवलोकन करना, निहारना, निरीक्षण करना (3)
3. सौ की पूर्ण संख्या, सौ का सूचक अंक (2)
4. कच्चे आम या इमली का बना खट्ठा-मीठा पदार्थ (2)
5. जब वस्तु आदि ठीक सामने हो (6)
7. सूजी, कण (2)
9. वेगपूर्वक किसी की ओर बढ़ना (4)
11. किसी व्यक्ति, प्राणी आदि का बोधनक सूचक शब्द, ख्याति, शोहरत (2)
12. लहरदार किनारा, लटकने वाला हाशिया (3)
14. कर्मचारी मंडल, लक्ष्मी, संवादहीन फिल्म पुष्पक की नायिका (1987)(3)
15. क से ह तक की वर्णमाला (4)
17. नृत्य करना, संगीत के सुरताल से अंगों को संचालित करना (3)
19. शुगर बॉउल वॉफ द वर्ल्ड कहलाने वाले क्यूबा देश की राजधानी (3)

वर्ग पहेली 5945 का हल

ऑ	स्ट्रे	लि	या		सा	हि	ल
स्क		प	त	नी	य		क्ष्य
र	प	ट	ना		रा	त	
	दा	ना		उ	बा	ल	ना
ता	व		न		नो		रं
म	न	भा	व	न		बा	गी
स	त		नी	म	न		
		व	त	न			गौ

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

राम सेतु से टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर लॉन्चः पैरामोटर से ब्रिज के ऊपर घुमाया गया

टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से

नई दिल्ली, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर की शुरुआत राम सेतु के ऊपर की गई। इस मौके पर दो-सीटर पैरामोटर के जरिए ट्रॉफी को आसमान में ले जाया गया, जिसने इस लॉन्च को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया। भारत में एडम्स ब्रिज को राम सेतु के नाम से जाना जाता है। यह स्थल धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से अहम होने के साथ-साथ टूर्नामेंट के दो मेजबान देशों भारत और श्रीलंका को जोड़ता भी है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले 29 दिनों तक खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी और मैच भारत व श्रीलंका के कुल 8 वेन्यू पर आयोजित किए जाएंगे। टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी एशिया के ओमान, नेपाल जैसी देशों का भी दौरा करेगी।

राम सेतु ब्रिज ही क्यों चुना गया

राम सेतु भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 को भारत और श्रीलंका ही होस्ट कर रहे हैं, इसलिए यह स्थान दोनों देशों को जोड़ने वाले सेतु के रूप में टूर्नामेंट की भावना को साफ तौर पर दर्शाता है। आईसीसी ने इस ट्रॉफी टूर को सिर्फ एक प्रचार अभियान नहीं, बल्कि दुनिया भर के फैंस को जोड़ने वाली यात्रा बताया है। राम सेतु का अर्थ ही जोड़ना है, और यही संदेश क्रिकेट के जरिए देशों और लोगों को काउंसिल देना चाहता है।

आरआर के लिए खेलना घर जैसा महसूस होगा, जोधपुर के रवि बिश्नोई 7.2 करोड़ में रॉयल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने एक शानदार होमकमिंग पूरी करते हुए भारतीय लेग-स्पिनर और राजस्थान के मूल निवासी रवि बिश्नोई को ?7.2 करोड़ में अपनी टीम में शामिल किया। जोधपुर से ताल्लुक रखने वाले बिश्नोई रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में साबित हो चुकी गुणवत्ता और नई ऊर्जा जोड़ते हैं। राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने पर रवि बिश्नोई ने कहा,'राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलना घर पर खेलने जैसा महसूस होगा। मैंने अपने क्रिकेट सफर की शुरुआत यहीं ऋकमें की थी, और अब अपने राज्य के नाम वाली टीम का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' आरआर के लीड ओनर मनोज बदाले ने कहा, 'रवि एक खास प्रतिभा हैं और हमारे फैंस लंबे समय से उन्हें रॉयल्स के रंग में देखने के इच्छुक थे। फ्रेंचाइज़ी में उनकी वापसी एक सच्ची होमकमिंग जैसी है, खासकर यह जानते हुए कि उन्होंने अपने सफर की शुरुआत यहीं से की थी। वह एक बेहद कुशल गेंदबाज, शानदार फील्डर और उस भूख व जज़्बे का प्रतीक हैं जिसे हम इस फ्रेंचाइज़ी में महत्व देते हैं।

आईपीएल 2026 ऑक्शनः सरफराज खान की 5 साल बाद आईपीएल में वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सरफराज खान की पांच साल बाद वापसी हुई। आईपीएल 2026 के लिए मेगा ऑक्शन में चेन्नई सुपर किंग्स ने सरफराज खान को उनके बेस प्राइस यानी 75 लाख रुपये में खरीदा। सरफराज खान ने आईपीएल में अपना आखिरी मैच 2021 में खेला था।

सरफराज खान ने आईपीएल में अब तक 40 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 23.21 के औसत और 138.24 के स्ट्राइक रेट से 441 रन बनाए हैं। सरफराज खान का आईपीएल में सर्वोच्च स्कोर 67 रन है, जो इंडियन प्रीमियर लीग में उनका एकमात्र अर्धशतक भी है। आईपीएल 2021 में सरफराज खान को दिल्ली कैपिटल्स की ओर से दो मैच खेलने को मिले थे। हालांकि, वह दोनों ही मुकाबलों में एक भी रन नहीं बना पाए थे। वह कुल चार गेंदें ही खेल पाए थे। सरफराज खान का आईपीएल में सबसे अच्छा प्रदर्शन साल 2019 में रहा था। तब उन्होंने 45.00 के औसत और 125.87 के स्ट्राइक रेट से 8 मैच में 180 रन बनाए थे। सरफराज ने आईपीएल में पहली बार 2015 के संस्करण में खेला था। उस सीजन उन्होंने 13 मैच में 27.75 के औसत और 156.33 के स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए थे। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन था।

ग्लोबल चैस लीगः

गुरु आनंद ने शिष्य गुकेश को हराया, गंगा ग्रैंडमास्टर्स की लगातार दूसरी जीत

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे दिन पर रोमांच अपने चरम पर रहा, जब प्रोडिजी बोर्ड पर आख़िरी क्षणों में मिली जीत के दम पर फायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स ने मौजूदा चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स के खिलाफ़ शानदार वापसी करते हुए 10-8 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

यह टूर्नामेंट टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल है। इससे पहले दिन के पहले मुकाबले में गंगा ग्रैंडमास्टर्स ने पीबीजी अलास्कन नाइट्स को 12-3 से हराकर अपनी मजबूत लय बरकरार रखी। खैर दिन का आकर्षण रहा गंगा ग्रैंडमास्टर्स और पीबीजी अलास्कन नाइट्स के बीच मुकाबले में दिग्गज पाँच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और युवा सितारे वर्तमान विश्व चैंपियन गुकेश डी. के बीच आइकन बोर्ड की टक्कर । अन्य बोर्डों पर भी दिलचस्प मुक़ाबले देखने को मिले, जहां अर्जुन एरिगैसी का सामना विंसेंट कीमर से हुआ, वहीं वर्ल्ड कप चैंपियन जावोखिर सिंदारोव ने लीनियर डोमिंगेज़ के खिलाफ़ अहम जीत दर्ज की। डेनियल डार्डा और रौनक साधवानी के बीच ड्रॉ के बाद सिंदारोव की जीत ने ग्रैंडमास्टर्स को शुरुआती बढ़त दिलाई।लेकिन सबसे बड़ी जीत दर्ज की विश्वनाथन आनंद नें जिन्होंने सफेद मोहरो से गुकेश के ख़िलाफ़ अपने हाथी को क़ुर्बान करते हुए अपने दो प्यादों के दम पर सबसे बेहतरीन जीत दर्ज की । इस जीत के साथ गंगा ग्रैंड मास्टर्स अब शीर्ष 3 टीमों में शामिल हो गई है ।

मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए आनंद ने कहा, 'गुकेश के खिलाफ़ खेलना अच्छा लगा, वह बेहद लड़ाकू खिलाड़ी है। लेकिन सच कहूं तो मैं किसी के भी खिलाफ़ यह अंक लेना चाहता था। इस सीज़न का मेरा पहला पॉइंट मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

वहीं दिन के तीसरे मुक़ाबले में एक बेहद करीबी मुक़ाबले में सब तक सबसे आगे चल रही मुम्बा मास्टर्स को जिन्हें अल्पाइन एसजी पाइपर्स के हाथों एक करीबी हार का सामना करना पड़ा ।

900 मिलियन डॉलर है मेसी के बाएं पैर की कीमत, इतने में तो खरीद लें पूरा देश !

कोलकाता (एजेंसी)। फुटबॉल के दिग्गज लियोनेल मेसी का भारत दौरा किसी सपने जैसा रहा। कोलकाता और हैदराबाद के बाद जब मेसी नई दिल्ली पहुंचे, तो फैंस का उत्साह सातवें आसमान पर था। इस दौरे के बीच मेसी के खेल से ज्यादा उनके बाएं पैर के 900 मिलियन डॉलर (करीब 74 अरब रुपये) के बीमा की चर्चा हो रही है। यह रकम इतनी बड़ी है कि इसमें कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था समा सकती है।

क्यों नहीं खेला कोई मैच?

भारतीय फैंस इस उम्मीद में थे कि मेसी मैदान पर अपनी जादुई किक दिखाएंगे, लेकिन वे सिर्फ जर्सी और उपस्थिति तक ही सीमित रहे। इसके पीछे का कारण उनका भारी-भरकम इंश्योरेंस है। दरअसल इतनी बड़ी बीमा राशि होने के कारण खिलाड़ी किसी अन्य मैच में नहीं खेलते। अगर ऐसे मैच में चोट लगती है, तो बीमा कंपनियां उसका कवर नहीं देतीं, जिससे करोड़ों डॉलर का वित्तीय जोखिम खड़ा हो जाता है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मेसी का ऐतिहासिक सम्मान किया गया। यहाँ भारतीय खेल जगत के दो सबसे बड़े प्रेम–क्रिकेट और फुटबॉल–एक साथ दिखे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने मेसी को 2024 टी-20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय टीम के हस्ताक्षर वाला बल्ला भेंट किया। साथ ही, मेसी को टीम इंडिया की जर्सी भी दी गई, जो इस ऐतिहासिक पल की गवाह बनी।

आंध्र प्रदेश सरकार ने श्री चरणी को दिया 2.5 करोड़ का नकद पुरस्कार

महिला विश्व कप में 14 विकेट लिए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप जीता था। विश्व विजेता भारतीय महिला टीम की सदस्य श्री चरणी को बुधवार को आंध्र प्रदेश की सरकार ने सम्मानित किया। आंध्र प्रदेश सरकार के शिक्षा और आईटी मंत्री नारा लोकेश ने श्री चरणी से उनके उंडावल्ली स्थित घर पर मुलाकात की और उन्हें सरकार की तरफ से 2.5 करोड़ रुपये का चेक सौंपा। कैश इनाम के अलावा, सरकार ने उन्हें विशाखापत्तनम में 500 स्क्वायर यार्ड का एक आवासीय प्लॉट भी दिया है। उनकी डिग्री पूरी होने के बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने नौकरी का भी भरोसा दिया है। इससे संबंधित आदेश जारी किए गए हैं। सरकार की तरफ से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह कदम राज्य सरकार के खेल में बेहतरीन प्रदर्शन को बढ़ावा देने और आंध्र प्रदेश की युवा महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ खेलों में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विश्व कप के बाद श्री चरणी से मुलाकात के समय उनके लिए पुरस्कारों की घोषणा की थी। कार्यक्रम में परिवहन और खेल मंत्री मंडीपल्ली रामप्रसाद रेड्डी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष अनिमिनी रविनायुडू, स्पेशल चीफ सेक्रेटरी (खेल) अजय जैन और दूसरे सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे। कडप्पा जिले की रहने वाली श्री चरणी ने भारतीय टीम को महिला विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बाएं हाथ की इस स्पिनर ने 9 मैचों में 14 विकेट लिए थे और टूर्नामेंट की चौथी सफल गेंदबाज रही थीं। 21 साल की चरणी ने अप्रैल 2025 में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया था। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें विश्व कप में मौका दिया गया और उन्होंने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम मैनेजमेंट के फैसले को साबित किया। कुल 18 वनडे में 23 और 5 टी20 में 10 विकेट ले चुकी चरणी भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बड़ी स्टार के रूप में उभरी हैं।

आर श्रीधर को मिली बड़ी जिम्मेदारी, टी20 विश्व कप के लिए श्रीलंका के फील्डिंग कोच नियुक्त

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका क्रिकेट ने अगले साल होने वाले पुरुष टी-20 विश्वकप तक के लिए आर श्रीधर को राष्ट्रीय टीम का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया है। लेवल 3 क्वालिफाइड कोच श्रीधर ने पहले 2014 से 2021 तक भारत की पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षक कोच के रूप में काम किया है। हाल ही में उन्होंने अफगानिस्तान टीम के साथ कंसल्टेंट कोच के तौर पर काम किया। अब वह श्रीलंका के फील्डिंग स्टैंडर्ड को बेहतर बनाने पर ध्यान देंगे। वह पाकिस्तान और इंग्लैंड के आगामी दौरों पर टीम के साथ मिलकर काम करेंगे और फिर टी-20 विश्व कप की तैयारियों की देखरेख करेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के अनुसार श्रीधर ने कहा, 'श्रीलंकाई खिलाड़ी हमेशा सहज प्रतिभा, लचीलेपन और सामूहिक भावना के लिए जाने जाते हैं। मेरा काम कोई सिस्टम थोपना नहीं है, बल्कि ऐसा माहौल बनाना है जहां खिलाड़ी क्षमता, जागरूकता और मैदान पर गर्व स्वाभाविक रूप से बढ़ सके।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग तब बेहतर होती है जब खिलाड़ी गेंद से, एक-दूसरे से और उस पल से जुड़ाव महसूस करते हैं।

टी20 विश्व कप 2026:

42 साल के वेन मैडसेन करेंगे इटली की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने कहा है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में वेन मैडसेन टीम के कप्तान होंगे। यह पहला मौका है जब इटली टी20 विश्व कप का हिस्सा बन रही है। इटैलियन क्रिकेट फेडरेशन ने एक बयान में कहा कि वेन मैडसेन को विश्व कप में इटली की कप्तानी का सबसे पसंदीदा उम्मीदवार माना गया है।

वेन मैडसेन अगले साल 2 जनवरी को 42 साल के हो जाएंगे। मैडसेन ने इटली के लिए अब तक 4 टी20 मैच खेले हैं जिसमें 1 अर्धशतक की मदद से 95 रन बनाए हैं। हालांकि इटली ने टी20 विश्व कप 2026 में क्वालिफिकेशन बर्न्स की कप्तानी में हासिल की है।

बर्न्स ने जुलाई 2025 में नीदरलैंड्स में क्वालिफाइंग कैंपेन के दौरान नेशनल टीम की कप्तानी की थी। उन्हीं की कप्तानी में इटली ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक रूप से अपनी जगह बनाई। फेडरेशन ने जो बर्न्स को इटैलियन क्रिकेट में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया है। इटली अपना टी20 विश्व कप कैंपेन 9 फरवरी को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी, टीम को ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और नेपाल के खिलाफ खेलना है। इटली आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ये सीरीज विश्व कप से पहले होगी। सीरीज इटली के लिए ऐतिहासिक है।

आईसीसी के पूर्ण सदस्य देश के खिलाफ उसकी यह पहली तीन मैचों की द्विपक्षीय सीरीज है। सभी मैच 23 जनवरी से दुबई के सेवेंस स्टेडियम में खेले जाएंगे। सीरीज दोनों टीमों को इस बड़े इवेंट से पहले अपनी टीम को बेहतर बनाने का एक कीमती मौका भी देती है। इटैलियन टीम ने अभी तक अगले साल होने वाले टूर्नामेंट के लिए अपनी प्लेयर लिस्ट जमा नहीं की है।

बाबर, शाहीन, रिजवान श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में खेलेंगे

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (कप्तान) के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाड़ी बिग बैश लीग (बीबीएल) का पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को आश्वासन दिया गया है कि जनवरी में श्रीलंका के तय टी-20 दौरे के बावजूद बीबीएल में पाकिस्तानी खिलाड़ी पूरा टूर्नामेंट खेलेंगे। सीए ने टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के टी20 दौरे की योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए पाकिस्तान में एक टीम भेजी है।

टॉड ग्रीनबर्ग ने यह यह भी बताया कि मैके और डार्विन ऑस्ट्रेलिया की सर्दियों में बंगलादेश

के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे और तारीखों की घोषणा जनवरी में की जाएगी। चिंता थी कि बीबीएल में खेलने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ियों के ग्रुप जिसमें बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान, शादाब खान, हारिस रऊफ और हसन अली शामिल हैं, उन्हें जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका में एक छोटी टी-20 सीरीज खेलने के लिए वापस बुलाया जा सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल ही में इसकी घोषणा की थी। एडिलेड ओवल में तीसरे एशेज टेस्ट की सुबह पत्रकारों के एक ग्रुप के साथ लंबी बातचीत में ग्रीनबर्ग ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि खिलाड़ी बीबीएल में बने रहेंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा कि हमें बताया गया है कि अगर उन्होंने बीबीएल के लिए साइन किया है, तो वे पूरा बीबीएल खेलेंगे। टी20 विश्वकप से पहले पाकिस्तान के ऑस्ट्रेलिया दौरे की तारीखों की घोषणा अभी नहीं की गई है.

वर्ल्ड कप विनिंग टीम को मिली टाटा सिएरा एसयूवी

- कार में ट्रिपल डिस्प्ले और सेफ्टी के लिए लेवल-2 एडीएएस, शुरुआती कीमत 11.49 लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स ने हाल ही में लॉन्च एसयूवी सिएरा का पहला बैच भारतीय महिला क्रिकेट टीम को गिफ्ट किया है। इवेंट में टाटा संस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन और एमडी और सीईओ शैलेश चंद्र शामिल थे। कंपनी ने ऐलान किया था कि वह हर टीम मेंबर को सिएरा का टॉप मॉडल देगी। भारतीय वूमन्स टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के मैदान पर साउथ अफ्रीका की विमेंस टीम को 52 रन से मात देने के साथ इस ट्रॉफी को अपने नाम किया था।

यशस्वी जायसवाल राजस्थान के खिलाफ मैच के बाद अस्पताल में हुए भर्ती

पुणे, एजेंसी। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ हुए मैच के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यशस्वी जायसवाल को पेट में तेज ऐंठन होने के बाद आदित्य बिड़ला हॉस्पिटल में भर्ती कराना पड़ा। जायसवाल को डॉक्टरों ने आराम करने की सलाह दी है। रिपोर्ट के मुताबिक यशस्वी जायसवाल को पूरे मैच के दौरान पेट में ऐंठन हो रही थी और मैच के बाद उनकी हालत और खराब हो गई। अस्पताल में उनका अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन हुआ। इसके बाद चिकित्सकों को उनकी परेशानी का पता चला। फिलहाल उनकी स्थिति ठीक है और उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। बीसीसीआई ने अभी तक उनकी हालत पर कोई ऑफिशियल अपडेट जारी नहीं किया है, हालांकि आने वाले दिनों में और क्लैरिटी मिलने की उम्मीद है। यशस्वी जायसवाल भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं और इसी वजह से सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में मुंबई की तरफ से

खेल रहे हैं। हरियाणा के खिलाफ जायसवाल ने तूफानी शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलायी थी, बल्कि भारतीय टी20 टीम में बतौर ओपनर अपना दावा ठोका था। हरियाणा के खिलाफ पारी की शुरुआत करने उतरे यशस्वी जायसवाल ने 50 गेंद पर 16 चौके और 1 छक्के की मदद से 101 रन की पारी खेली। इस दौरान 23 गेंद पर उन्होंने अर्धशतक और 48 गेंद पर शतक लगाया था। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान शुभमन गिल टीम में अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गिल बतौर ओपनर टी20 में अपनी भूमिका के साथ न्याय नहीं कर पाए हैं और लगातार असफल रहे हैं। गिल को बतौर ओपनर टीम में जगह जायसवाल और संजू सैमसन जैसे बल्लेबाजों को ड्रॉप करके दी गई है। ऐसे में जायसवाल के शतक ने गिल के लिए मुश्किल बढ़ा दी है। जायसवाल ने भारतीय टीम के लिए 23 टी20 मैचों की 22 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक की मदद से 723 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 164.32 है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

बाइक चोरी की थाने में प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि. सं.)। रफीगंज थाना क्षेत्र के तिवारी बिगहा से बाइक चोरी का मामला सामने आया है। इस संबंध में अब्दुलपुर निवासी शम्भू यादव ने रफीगंज थाना में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी में शम्भू यादव ने बताया है कि मंगलवार की शाम वह अपनी मोटरसाइकिल तिवारी बिगहा स्थित एक लकड़ी की दुकान के पास खड़ी कर बिजली का सामान खरीदने गए थे। जब वह वापस लौटे तो देखा कि उनकी बाइक वहां से गायब थी। काफी खोजबीन करने के बावजूद मोटरसाइकिल का कोई सुराग नहीं मिल सका। चोरी गई मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस है, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर-26 आर-5057 बताया गया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है और चोरों की तलाश की जा रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय व प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर उपहारा मंडल में खुशी

गोह (औरंगाबाद) (नि. सं.)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में बिहार से पहली बार युवा नेता नितिन नवीन को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का माहौल है। इसके साथ ही बिहार प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष के रूप में पूर्व मंत्री एवं पांच बार के विधायक माननीय संजय सरावगी को जिम्मेदारी सौंपे जाने पर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उपहारा मंडल भाजपा अध्यक्ष राजीव कुमार विद्यार्थी ने दोनों नेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह निर्णय बिहार ही नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने बिहार से पहली बार किसी युवा नेता को राष्ट्रीय स्तर की बड़ी जिम्मेदारी देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा कर्मठ, समर्पित और योग्य कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने वाली पार्टी है। राजीव कुमार विद्यार्थी ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जहां वंशवाद और जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है, बल्कि कार्य, क्षमता और समर्पण के आधार पर दायित्व सौंपे जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार प्रदेश अध्यक्ष पद पर संजय सरावगी जैसे अनुभवी और ऊर्जावान नेता को जिम्मेदारी मिलने से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं के नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई। बधाई देने वालों में बृज किशोर पाल, अरुणजय शर्मा, ज्ञानदीप सिंह, सत्येंद्र शर्मा, राजेंद्र साव, नीरज नयन शर्मा, ब्रज भूषण निराला, गया ठाकुर, दयानंद राम, ब्रजेश पासवान, योगेंद्र साव, कमलेश सिंह, बैजू ठाकुर, राम सुंदर कानू, सुभाष वर्मा, रीता देवी, नीतू कुमारी, विश्व चंदन प्रकाश, ब्रजेश चंद्रबंशी, भीम सिंह, चंदन कुमार सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

रिश्तेदार के घर से लौटते समय हुआ हादसा

गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार युवक की हुई मौत

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले में सड़क हादसे में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना नवीनगर थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित हाई स्कूल के पास हुई, जहां तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे इलाके में शोक की लहर फैल गई। मृतक की पहचान रफीगंज थाना क्षेत्र के कोना गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह के 22 वर्षीय पुत्र यशवंत कुमार उर्फ गोविंदा के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार यशवंत डेहरी में रहता था और शिवगंज में मोबाइल की दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था।

पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचे मृतक के चाचा और बलीगांव पंचायत के सरपंच राणा रंग बहादुर सिंह ने बताया कि मंगलवार को यशवंत अपने दोस्त पप्पू, निवासी डेहरी, के साथ नवीनगर थाना क्षेत्र के महुली गांव में अपनी मौसी के घर गया था। देर रात दोनों बाइक से एनटीपीसी होते हुए डेहरी लौट रहे थे। इसी दौरान नवीनगर स्टेशन से पहले एक

फाइल फोटो

तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क किनारे खेत में जा गिरे। रात का समय होने के कारण हादसे के बाद दोनों काफी देर तक घटनास्थल पर ही पड़े रहे। बुधवार सुबह पप्पू ने किसी तरह घटना की सूचना पुलिस और मृतक के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही नवीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। नवीनगर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। टक्कर मारकर फरार हुए वाहन और उसके चालक की पहचान के लिए जांच की जा रही है।

एक ही परिवार में दो मौतें, चाचा के निधन के सदमे में आठ घंटे बाद भतीजे ने भी तोड़ा दम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले से एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक ही परिवार में एक ही दिन दो लोगों की मौत से पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। पहले वृद्ध चाचा का निधन हुआ और उसके महज आठ घंटे बाद उनके भतीजे की भी सदमे और हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस दुखद घटना से न केवल परिवार बल्कि पूरे गांव का माहौल गमगीन हो गया है।

यह मामला मदनपुर थाना क्षेत्र के मोखेता गांव का है। मृतकों की पहचान गांव निवासी 60 वर्षीय समाजसेवी सिद्धि सिंह और उनके 55 वर्षीय भतीजे अजय कुमार सिंह के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, सबसे पहले सिद्धि सिंह की अचानक तबीयत बिगड़ी और उनका निधन हो गया। इस खबर से परिवार में शोक छा गया। चाचा की मौत का गहरा सदमा भतीजे अजय कुमार सिंह सहन नहीं कर पाए। लगभग आठ घंटे बाद उन्हें अचानक सीने में तेज दर्द उठा। आनन-फानन में इलाज की कोशिश की गई, लेकिन हार्ट अटैक के कारण उनकी भी जान नहीं बच सकी।

अजय कुमार सिंह अपने पीछे तीन पुत्रों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनकी मौत के बाद पत्नी देवंती देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में एक साथ दो मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। चाचा-भतीजे की एक ही दिन हुई मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। घटना के संबंध में पूर्व सैनिक जेपी सिंह ने बताया कि चाचा की अर्थी निकलने की तैयारी चल ही रही थी कि तभी भतीजे की मौत की सूचना मिल गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद मोखेता गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है। यशवंत दो भाइयों में सबसे छोटा था और अविवाहित था। उसकी असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं कोना गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

तीसरी बार महाराजगंज पैक्स की अध्यक्ष बनीं विनीता देवी, 109 मतों से नीलम देवी को हराया

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत महाराजगंज पैक्स चुनाव में एक बार फिर विनीता देवी ने अपनी मजबूत पकड़ साबित करते हुए लगातार तीसरी बार अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की है। देर रात तक चली मतगणना के बाद निर्वाचन परिणाम की आधिकारिक घोषणा की गई, जिसमें विनीता देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी नीलम देवी को 109 मतों से पराजित किया। निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) प्रियांशु बसु ने चुनाव परिणाम की जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए कुल तीन प्रत्याशी मैदान में थे। मतगणना के दौरान विनीता देवी को 926 मत प्राप्त हुए, जबकि नीलम देवी को 817 मत मिले। तीसरे प्रत्याशी योगेंद्र प्रसाद सिंह को 42 मतों से संतोष करना पड़ा। कुल 1950 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिसमें से 165 मत रद्द घोषित किए गए।

मंगलवार को मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में शाम 4:30 बजे तक संपन्न हुई थी। मतदान समाप्ति के बाद सभी मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रखंड कार्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में लाया गया, जहां देर रात तक मतगणना का कार्य चला। किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

परिणाम घोषित होते ही विनीता देवी के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। जीत की घोषणा के बाद समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया और जश्न मनाया। आरओ की ओर से विजयी प्रत्याशी को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, जबकि कोटिवार सदस्य पद पर विजयी सदस्यों को बुधवार को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। जीत के बाद समर्थकों को संबोधित करते हुए विनीता देवी ने कहा कि यह जीत केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि महाराजगंज पंचायत के किसानों और मतदाताओं की जीत है। उन्होंने कहा कि कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी पंचायतवासियों और कार्यकर्ताओं ने उन पर भरोसा बनाए रखा, जिसके लिए वह जीवन भर आभारी रहेंगी। उन्होंने सभी मतदाताओं, समर्थकों और पंचायत के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

हालांकि चुनाव परिणाम के साथ एक विवादास्पद पहलू भी चर्चा में रहा। विनीता देवी के पति, शिक्षक विनय कुमार सिंह, यूट्यूबर रंजीत पासवान हत्याकांड मामले में लंबे समय से फरार बताए जा रहे हैं। इसके बावजूद मतदाताओं ने विनीता देवी पर विश्वास जताते हुए उन्हें लगातार तीसरी बार पैक्स अध्यक्ष चुनकर स्पष्ट जनादेश दिया है। यह परिणाम क्षेत्र में राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

विद्युत चोरी के मामले में पांच के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज प्रखंड के चंदौली, बरुणा एवं करुणा गांवों में विद्युत चोरी के विरुद्ध विद्युत विभाग द्वारा विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान अवैध रूप से बिजली उपयोग करते पाए जाने पर पांच लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान चंदौली गांव के युगल यादव, कमलेश कुमार एवं अजय कुमार, करुणा गांव के सुरेंद्र यादव तथा बरुणा गांव के मंटू सिंह के घरों की जांच की गई। विद्युत विभाग के अनुसार इन सभी उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन पूर्व में बकाया बिल का भुगतान नहीं करने के कारण काट दिया गया था, इसके बावजूद ये लोग अवैध तरीके से बिजली का उपयोग कर रहे थे।

महिन्द्रा सनशाइन ऑटो की विंटर स्कीम शुरू, प्रीमियम वाहनों पर भारी डिस्काउंट और एक्सचेंज लोन मेला

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

महिन्द्रा सनशाइन ऑटो की ओर से विशेष विंटर डिस्काउंट स्कीम शुक्रवार 12 दिसंबर से सीमित अवधि के लिए शुरू की गई है। इस अवसर पर आयोजित प्रेस वार्ता में महिन्द्रा सनशाइन ऑटो, औरंगाबाद, रोहतास और भभुआ के प्रबंध निदेशक सुनील कुमार सिंह ने कहा कि यह विंटर स्कीम ग्राहकों की आवश्यकताओं और वर्तमान बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कंपनी का प्रयास है कि उपभोक्ताओं को महिन्द्रा के प्रीमियम वाहनों के साथ-साथ अधिकतम आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो सके। प्रबंध निदेशक ने बताया कि इस विशेष योजना के तहत पर्सनल और कमर्शियल दोनों प्रकार के वाहनों पर भारी विंटर डिस्काउंट की पेशकश की जा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे इस सीमित अवधि के ऑफर का समय रहते लाभ उठाएं, क्योंकि यह स्कीम स्टॉक और मॉडल-विशेष शर्तों पर आधारित है। महिन्द्रा सनशाइन ऑटो द्वारा ग्राहकों को और अधिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विंटर कंज्यूमर स्कीम के तहत सेकेंड हैंड कारों का एक्सचेंज लोन मेला भी आयोजित किया जा रहा है। यह एक्सचेंज लोन मेला 19 और 20 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रामनरेश सिंह पथ, महाराजगंज रोड, पंजाब नेशनल बैंक के सामने, औरंगाबाद में आयोजित होगा। इस मेले में ग्राहकों को अपने पुराने वाहन को आसानी से एक्सचेंज करने और आकर्षक लोन सुविधाओं के साथ सेकेंड हैंड कार खरीदने का अवसर मिलेगा। सनशाइन ऑटो के 18 वर्षों के अनुभव और भरोसे के साथ ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता, पारदर्शी जांच प्रक्रिया और बेहतर आफ्टर सेल्स सपोर्ट उपलब्ध कराने का भरोसा भी दिलाया गया। इस मेले का उद्देश्य ग्राहकों को सुरक्षित, भरोसेमंद और सुविधाजनक तरीके से वाहन खरीदने और पुराने वाहन के एक्सचेंज का सुनहरा अवसर प्रदान करना है। एक्सचेंज लोन मेले में टाटा, होंडा, हुंडई, मारुति, महिन्द्रा सहित सभी प्रमुख ब्रांडों के जांचे-परखे सेकेंड हैंड वाहन उपलब्ध रहेंगे। वाहनों से संबंधित सभी जानकारियां सीधे कंपनी प्रतिनिधियों के माध्यम से दी जाएंगी। इसके साथ ही पारदर्शी और आसान एक्सचेंज प्रक्रिया, ऑन-द-स्पॉट फाइनेंस और त्वरित लोन सुविधा की व्यवस्था भी मेले में की गई है। इस दौरान नए वाहनों की बुकिंग और नए मॉडल्स का डिस्प्ले भी किया जाएगा।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि इस विशेष ऑफर के तहत विभिन्न लोकप्रिय मॉडलों पर आकर्षक छूट दी जा रही है। स्कॉर्पियो क्लासिक पर 1 लाख 40 हजार रुपये, स्कॉर्पियो एन पर 85 हजार 600 रुपये, बोलेरो पर 43 हजार 500 रुपये, थार रॉक्स पर 1 लाख 20 हजार रुपये और एक्सयूवी 700 पर 1 लाख 55 हजार 600 रुपये तक की छूट उपलब्ध है। इसके अलावा अन्य कई वाहनों पर भी विशेष डिस्काउंट और कुछ मॉडलों पर एक वर्ष तक की वारंटी की सुविधा दी जा रही है। महिन्द्रा सनशाइन ऑटो ने औरंगाबाद, रोहतास, भभुआ सहित आसपास के जिलों के ग्राहकों के लिए इसे वाहन खरीदने का सर्वोत्तम अवसर बताते हुए कहा कि विविध मॉडलों, आधुनिक फीचर्स, बेहतर एक्सचेंज वैल्यू और आकर्षक ऑफर्स के साथ यह विंटर स्कीम उपभोक्ताओं के लिए काफी लाभकारी साबित होगी।

डीआरएम ने रेलवे स्टेशनों के विकास कार्यों का लिया जायजा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

पूर्व मध्य रेल के दीन दयाल उपाध्याय रेलमंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) उदय सिंह मीना ने बुधवार को निरीक्षण यान 'परख' से डीडीयू–गुरारु (गया) रेलखंड पर चल रहे अवसंरचना कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग में रुककर गुरारु, रफीगंज और अनुग्रह नारायण रोड रेलवे स्टेशनों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में डीआरएम ने यात्री सुविधाओं, रेल परिचालन, स्टेशन परिसर की साफ-सफाई तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टेशन विकास से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। डीआरएम उदय सिंह मीना ने कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि अमृत भारत योजना का उद्देश्य यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी विकास कार्यों में तेजी लाने और निरंतर प्रगति बनाए रखने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक के साथ सीनियर डीईएन को-ऑर्डिनेशन सूरज कुमार, सीनियर डीसीएम राजीव रंजन, सीनियर डीईई सुनील सिंह यादव, सीनियर डीओएम केशव आनंद, सीनियर डीएसटीई विवेक सौरभ सहित अन्य रेल अधिकारी भी उपस्थित थे।

मास्टर प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

शहर के अनुग्रह इंटर स्कूल में आयोजित मास्टर प्रशिक्षकों का तीन दिवसीय जिला स्तरीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन की शुरुआत चेतना सत्र से की गई, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा बिहार राज्य प्रार्थना, सर्वधर्म प्रार्थना एवं राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर मुख्य मास्टर प्रशिक्षक डॉ. शशिभूषण कुमार सिंह ने विद्यालय भ्रमण के दौरान उपयोग में लाई जाने वाली चेकलिस्ट की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विद्यालय विकास योजना से संबंधित प्रपत्रों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विद्यालय विकास योजना को ग्राम पंचायत विकास योजना में समायोजित करने के लिए नौ थीम में से चार प्रमुख थीम को शामिल किया जा सकता है। इन थीमों में स्वस्थ गांव, बाल अनुकूल गांव, स्वच्छ एवं हरित गांव तथा सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण एवं सुरक्षित गांव शामिल हैं, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां भी कराई गईं, जिससे प्रतिभागियों में नई ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। इसके अलावा सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों की भी विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि विद्यालय स्तर पर इनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इस प्रशिक्षण में मास्टर प्रशिक्षक के रूप में डॉ. शशिभूषण कुमार सिंह (मध्य विद्यालय बालूगंज, देव), दिव्य रेशमी (मध्य विद्यालय रतिखाप, कुटुंबा), अरविंद कुमार (उत्प्रेरक), सूर्यकांति कुमारी (उत्प्रेरक) तथा उमेश कुमार (एसएसए) ने सक्रिय सहभागिता निभाई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिक्षक विद्या सिंह, प्रियंका कुमारी, शोभा कुमारी, तारा कुमारी, ज्योत्सना मिश्रा, सुनीता कुमारी, इंदु कुमारी, कुंदन कुमार, सर्वजीत, रोहित कुमार सिंह, कृष्ण बल्लभ सहाय, श्रीकांत प्रजापत, संजय कुमार, अभय कुमार सिंह, रंजीत कुमार सिंह, राजकुमार प्रसाद गुप्ता एवं सुनील कुमार प्रजापति सहित कुल 90 प्रशिक्षु शामिल रहे।

श्रीराम कथा से भावविभोर हुए श्रद्धालु, भरत के त्याग का हुआ मार्मिक वर्णन

गोह (औरंगाबाद)(नि.सं.)। गोह प्रखंड के दादर गांव में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। कथा स्थल पर भक्तिभाव का वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु भावविभोर होकर रामकथा का रसपान कर रहे हैं। इस अवसर पर सतना (मध्य प्रदेश) से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पंडित आदित्य प्रकाश त्रिपाठी ने श्रीराम और भरत के चरित्र का अत्यंत भावपूर्ण और मार्मिक वर्णन किया। कथावाचक पंडित आदित्य प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि व्यवहारिक दृष्टि से देखा जाए तो वनवास का सबसे बड़ा कष्ट भरत ने ही भोगा। उन्होंने बताया कि माता कैकेयी द्वारा श्रीराम, लक्ष्मण और सीता को 14 वर्षों का वनवास दिया गया, लेकिन सांसारिक सुखों का पूर्ण त्याग कर तपस्वी जीवन जीने वाले भरत ही सच्चे अर्थों में वनवासी बने

शिव मंदिर परिसर में भजन संध्या का हुआ आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

स्थानीय थाना क्षेत्र के पंचमुखी हनुमान मंदिर सह शिव मंदिर परिसर में मंगलवार की देर शाम अंतर्राष्ट्रीय न्यास स्वरांजलि सेवा संस्थान द्वारा भजन संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत राज बेल ओबरा के पैक्स अध्यक्ष सुबोश कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अनुराग, संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर व समाजसेवी संगीत आनंद, राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी, बबलू सिंह, वार्ड प्रतिनिधि जितेंद्र यादव एवं पुजारी संतोष उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि पैक्स अध्यक्ष सुबोश कुमार ने कहा कि सत्संग का अर्थ है सत्य की संगति। ऐसे भक्तिमय कार्यक्रम में भाग लेने से विचारों में शुद्धता आती है। समाजसेवी एवं भजन गायक संगीत आनंद ने भजनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का संदेश दिया। उन्होंने कहा, "तरुवर को मत काटो, पौधा लगाओ। भजन के जरिए भी यह संदेश फैलाया जा सकता है।" वहीं, डी. आनंद ने विभिन्न मनभावन भजनों द्वारा मानवता और सह-अस्तित्व का संदेश प्रस्तुत किया। भक्तगण सुंदरकांड, बजरंग बाण और हनुमान चालीसा के पाठ से लाभान्वित हुए। स्वरांजलि सेवा संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्षा अंजू देवी ने बताया कि संस्था द्वारा छोटे-बड़े धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से बौद्धिक और वैचारिक जागरण लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्थानीय स्तर पर लावारिस दिव्यांगों के लिए दरिद्र नारायण भोज का आयोजन भी किया जाता है और ठंड के इस मौसम में कंबल वितरण जारी है।